सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 11 महीने के उच्च स्तर पर - 12

दोनों सदनों में पक्ष-विपक्ष में गतिरोध बरकरार - 12

आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर भारत-फिलीपीन सहमत - 13

लोग आते जाते रहेंगे लेकिन टीम कल्चर हमेशा सुधार से जुड़ा होना चाहिए : गौतम गंभीर- 14

आज का मौसम

29.0° अधिकतम तापमान

26.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.37

सूर्यास्त 06.59

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी 02:08 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 6 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 257, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की धीरज वधावन की बेल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कई करोड़ रुपये के बैंक ऋण घोटाला मामले में दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) कंपनी के पूर्व प्रवर्तक धीरज वधावन को दी गई जमानत(बेल) मंगलवार को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मेडिकल बोर्ड द्वारा दायर रिपोर्ट पर गौर करने के बाद यह आदेश पारित किया और वधावन को दो सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। दिल्ली हाईकोर्ट ने वधावन के स्वास्थ्य के आधार पर नौ सितंबर, 2024 को जमानत देते हुए कहा था कि वह एक बीमार व्यक्ति के मापदंडों के अंतर्गत आते हैं। न्यायालय ने सीबीआई द्वारा हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर की गई याचिका पर यह आदेश जारी किया।

राम रहीम को 40 दिन की पैरोल मिली

चंडीगढ़। अपनी दो शिष्याओं से बलात्कार के मामले में 20 साल कारावास की सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह 40 दिन की पैरोल मिलने के बाद हरियाणा में रोहतक स्थित सुनारिया जेल से मंगलवार को बाहर आ गया। डेरे के प्रवक्ता और वकील जितेंद्र खुराना ने बताया कि गुरमीत सिंह पैरोल के दौरान सिरसा स्थित अपने डेरा मुख्यालय में रहेगा। सिंह ने सिरसा पहुंचने के बाद एक वीडियो संदेश में अपने अनुयायियों से डेरे में न आने और डेरे के वरिष्ठ लोगों के निर्देशों का पालन करने की अपील की। गुरमीत सिंह 15 अगस्त को 58 साल का हो जाएगा।

अंदर देखें ... रंगोली

उत्तरकाशी में बादल फटने से तबाही, 4 की मौत

धराली में खीर गंगा में आई बाढ़, 50 से अधिक लापता, कई मकान, दुकान और होटल बहे

- धराली के अलावा सुक्खी टॉप और हर्षिल आर्मी कैंप के पास भी बादल फटे, 8-10 सैनिक लापता

संवाददाता, उत्तरकाशी/देहरादून

अमृत विचार : उत्तराखंड के उच्च पर्वतीय इलाकों में लगातार अतिवृष्टि के बीच उत्तरकाशी में मंगलवार को बादल फटने से भारी तबाही मची है। खीरगंगा नदी में आई बाढ़ का रौद्र रूप पूरे धराली बाजार को बहा ले गया। कई मकान, दुकान, होटल, होमस्टे आदि तबाह होने से हाहाकार मचा है। 50-60 लोगों के लापता होने की खबर है जबकि चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

धराली के अलावा सुक्खी टॉप और हर्षिल आर्मी कैंप के पास भी बादल फटे और 8-10 सैनिक लापता बताए गए हैं। इस बड़ी आपदा में लोगों के जान-माल की रक्षा के लिए राज्य व केंद्र सरकार हाई अलर्ट पर है। सेना, एयरफोर्स, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। एसडीआरएफ अभी तक 130 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा चुकी है। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार उत्तरकाशी जिले की भटवाड़ी तहसील में हर्षिल के नजदीक खीरगंगा में मंगलवार दोपहर 1:50 बजे के आसपास जलस्तर बढ़ने से धराली बाजार में भारी मलबा आ गया। कुछ ही मिनट में मलबा कई भवनों, होटलों एवं दुकानों को बहा ले गया। उत्तरकाशी के जिलाधिकरी प्रशांत आर्य ने इस आपदा में चार लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। आपदा में कई लोगों के दबे होने और मारे जाने की आशंका है। धराली बाजार में कई होटल, दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान मलबे में दबे हैं। कई घर भी इस आपदा में तबाह हो गए हैं। एम्स ऋषिकेश तथा देहरादून के कई चिकित्सालयों में बेड आरक्षित कर दिए गए हैं और एम्बुलेंस घटनास्थल पर भेज दी गई हैं।

उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में कई घर बह गए।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने शोक जताया

उत्तरकाशी जनपद के हर्षिल क्षेत्र के धराली गांव में बादल फटने की दुखद घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्यपाल गुरमीत सिंह ने गहरा दु:ख जताया है। प्रधानमंत्री ने इस प्राकृतिक आपदा में हुए जन-धन की हानि पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री धामी से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने राज्य सरकार को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। कहा कि प्रभावितों को शीघ्र राहत पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

25-35 के मलबे में दबे होने का अंदेशा

आपदा के बाद उत्तरकाशी जिला प्रशासन ने घटनास्थल के सामने स्थित मुखानी गांव के लोगों द्वारा बनाए गए विभिन्न वीडियो के आधार पर 25-35 लोगों के मलबे में दबने की आशंका जताई है। 25-30 होटल, दुकानें मलबे में बहने की आशंका है। हर्षिल में शाम करीब चार बजे आर्मी कैम्प में अचानक मलबा आने के कारण कैम्प के एक हिस्से और हर्षिल हेलीपैड में भारी नुकसान हुआ है। कैम्प में रुके 8-10 जवान लापता हैं जबकि 100 से अधिक जवान धरासू में रेस्क्यू में जुटे हैं। आयुक्त गढ़वाल मंडल, विनय शंकर पांडे ने बताया कि हर्षिल की घटना के बाद सुक्खी टॉप में भी बादल फटने की खबर है।

दौरा बीच में छोड़ आंध्र प्रदेश से लौटे सीएम

मंगलवार को आंध्र प्रदेश के दौरे पर गए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दौरा बीच में ही छोड़कर देहरादून लौट आए। उन्होंने सीधे देहरादून स्थित आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पहुंचकर आपदा की तात्कालिक स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि सेना के साथ ही राज्य आपदा प्रबंधन एवं केंद्रीय आपदा प्रबंधन की टीमें जिला प्रशासन तथा अन्य संबंधित टीमों के साथ राहत एवं बचाव कार्यों के लिए युद्ध स्तर पर जुटी हैं। वह वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हैं और स्थिति की गहन निगरानी की जा रही है।

उप्र में थम नहीं रहा नदियों का जलस्तर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गंगा और यमुना समेत अन्य नदियों का जलस्तर थम नहीं रहा है। बाढ़ का दायरा दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है, ऐसे में हालात विकराल हैं। कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ का संकट जारी है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

जौनपुर में गोमती नदी का जलस्तर जहां खतरे के निशान से ऊपर है तो वहीं गाजीपुर में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से कई गांव पानी में डूब गए। वहीं, बांदा में केन और यमुना नदी में बाढ़ आने के कारण कई गांव पानी में डूब गए। प्रयागराज में भी गंगा नदी के उफान से निचले इलाके जलमग्न हैं। तीन दिनों से हो रही मानसूनी बारिश से प्रयागराज, वाराणसी समेत लगभग 20 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। मंगलवार को बिजनौर में प्रदेश में सर्वाधिक 248 मिमी बारिश दर्ज की गई। बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, बरेली, पीलीभीत आदि में भी अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग ने बुधवार को बिजनौर, मुरादाबाद, बरेली समेत छह जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। गुरुवार से मानसूनी बारिश के थमने के आसार हैं।

अनिल अंबानी से 10 घंटे पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी

- बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मामले में ईडी के समक्ष हुए थे पेश

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी से उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ करोड़ों रुपये की कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में करीब 10 घंटे तक पूछताछ की। अनिल अंबानी सुबह करीब 10:50 बजे मध्य दिल्ली स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे और रात 9 बजे से कुछ पहले बाहर निकले।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी अनिल अंबानी (66) का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज कर रहा है। उन्होंने बताया कि अंबानी से लगभग एक दर्जन सवाल पूछे गए। ऐसा माना जा रहा है कि अंबानी ने किसी भी गड़बड़ी से इनकार किया और कहा कि उनकी कंपनियों ने नियामकों के समक्ष अपनी वित्तीय स्थिति के बारे में समय पर खुलासा किया है। उन्होंने जांच अधिकारियों को यह भी बताया कि सभी वित्तीय निर्णय संबंधित कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लिए गए थे। हालांकि, ईडी के जांच अधिकारी इस बात से आश्वस्त नहीं हैं और उन्हें दोबारा तलब किए जाने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि अंबानी ने प्रमुख वित्तीय निर्णयों से संबंधित कुछ दस्तावेज ईडी को सौंपने के लिए लगभग 10 दिन का समय भी मांगा है। यह समन एजेंसी द्वारा 24 जुलाई को मुंबई में 50 कंपनियों और उनके व्यापारिक समूह के अधिकारियों सहित 25 लोगों के 35 परिसरों की तलाशी के बाद जारी किया गया।

ईडी ने बड़े बैंक 'धोखाधड़ी' मामलों में मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार अंबानी के खिलाफ 'लुकआउट सर्कुलर' (एलओसी) जारी किया है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल मलिक का निधन

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहने के अलावा गोवा, बिहार, मेघालय और ओडिशा के राज्यपाल के पदों पर रहे मलिक का दोपहर 1:12 बजे यहां राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया।

वह लंबे समय से अस्पताल की आईसीयू में थे और उनका विभिन्न बीमारियों का इलाज किया जा रहा था। वे मधुमेह, गुर्दे की बीमारी, उच्च रक्तचाप और मोटापा एवं नींद में रुकावट जैसी समस्याओं से जूझ रहे थे। जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के तौर पर मलिक के कार्यकाल के दौरान ही पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया था। संयोग से, केंद्र के इस कदम के छह साल पूरे होने के दिन अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

विदेशी सामान खरीदने से आतंकवाद और अस्थिरता को बढ़ावा : मुख्यमंत्री

योगी ने अलीगढ़ और आगरा से देशवासियों को किया सचेत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि विदेशी सामान खरीदने से आतंकवाद और अस्थिरता को बढ़ावा मिलता है। हमारा पैसा विदेशी हाथों में जाएगा तो आतंकवाद, धर्मांतरण, अव्यवस्था और विस्फोट के रूप में भारत को अस्थिर करने में इस्तेमाल किया जाएगा। योगी ने त्योहारों पर स्वदेशी सामान खरीदने और उपहार में देने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने अलीगढ़ में 958 करोड़ की विकास योजनाओं और आगरा में अटल पुरम की सौगात देने के बाद आयोजित कार्यक्रमों में देशवासियों को स्वदेशी अपनाने के लिए सचेत किया। कहा कि जब हम विदेशी सामान खरीदते हैं, तो उसका मुनाफा आतंकवाद, धर्मांतरण और देशविरोधी ताकतों को मिलता है। उन्होंने मुरादाबाद, फिरोजाबाद, भदोही, और मेरठ जैसे जिलों के ओडीओपी उत्पादों का उदाहरण देते हुए कहा कि ये स्थानीय कारीगरों की समृद्धि और रोजगार का आधार बन रहे हैं। स्वदेशी उत्पादों को अपनाना इसे बढ़ावा देना आज की जरूरत है। इसी से राष्ट्र को मजबूत कर सकते हैं। समारोह में मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, सहायता राशि, टैबलेट, आवास की चाबियां और आयुष्मान कार्ड वितरित किए। विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले अलीगढ़ और उत्तर प्रदेश दंगों और अराजकता से जूझ रहे थे। आज बेहतर कानून व्यवस्था के कारण विकास की नई संभावनाएं खुल रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी आज बरेली और मुरादाबाद में देंगे अरबों की सौगात

बरेली/मुरादाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को मंडलीय समीक्षा कार्यक्रम के तहत बरेली और मुरादाबाद में रहेंगे। इस दौरान दोनों मंडलों के 9 जिलों के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था के साथ ही अरबों रुपये के विकास कार्यों की सौगात भी देंगे। मुख्यमंत्री बरेली में करीब तीन घंटे रहेंगे, जबकि मुरादाबाद में रात्रि विश्राम भी करेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर दोनों ही जिलों में मंगलवार को दिन भर तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। मुख्यमंत्री बुधवार को समीक्षा दौरे पर बरेली में करीब तीन घंटे रहेंगे। वे सुबह 10:30 बजे बरेली पहुंचेंगे और सर्किट हाउस में मंडल भर के जनप्रतिनिधियों के साथ विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। इसके बाद बरेली कॉलेज मैदान पर रोजगार मेले में शिरकत करने के साथ ही जनसभा को संबोधित करेंगे। वह बरेली मंडल में 2262 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात देंगे। 10 छात्र-छात्राओं को टैबलेट, पांच अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र और किसान दुर्घटना बीमा के कई पात्रों को चेक भी देंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 1:30 बजे मुरादाबाद के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री बरेली से राजकीय हेलीकॉप्टर से मुरादाबाद जिले की बिलारी तहसील के ग्राम पीपली के लिए उड़ान भरेंगे। वहां नवनिर्मित अटल आवासीय विद्यालय का लोकार्पण करेंगे। साथ ही करोड़ों रुपये की योजनाओं और परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

जज के आपराधिक मामले सुनने पर सुप्रीम रोक, कहा- न्याय का मजाक बना दिया

- इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने दीवानी विवाद में आपराधिक समन रखा था कायम
- संबंधित जज पर सेवानिवृत्ति तक कायम रहेगी रोक, पीठ में वरिष्ठ जज के साथ बैठेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

एक अप्रत्याशित आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश को कार्यकाल समाप्त होने तक आपराधिक मामलों की सुनवाई से हटा दिया है। यह कार्रवाई तब की गई जब न्यायाधीश ने एक दीवानी विवाद में त्रुटिपूर्वक आपराधिक प्रकृति के समन को बरकरार रखा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश द्वारा पारित आदेश पर कड़ा रुख अपनाते हुए न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने उनकी सेवानिवृत्ति तक उनके रोस्टर से आपराधिक मामलों को हटाने का निर्देश दिया और उन्हें एक खंडपीठ में वरिष्ठ न्यायाधीश के साथ बैठने का कार्य सौंपा। हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने एक कंपनी के खिलाफ मजिस्ट्रेट के समन आदेश को रद्द करने से इन्कार कर दिया था। इस कंपनी पर दीवानी प्रकृति के एक व्यापारिक लेनदेन में शेष राशि का भुगतान न करने का आरोप था।

यह अज्ञानता या कोई बाहरी प्रभाव

पीठ ने कहा, न्यायाधीश ने न केवल खुद के लिए अपमानजनक स्थिति उत्पन्न की है, बल्कि न्याय का मजाक भी बना दिया है। हम यह समझने में असमर्थ हैं कि उच्च न्यायालय के स्तर पर भारतीय न्यायपालिका के साथ क्या समस्या है। कभी-कभी हमे आश्चर्य होता है कि क्या ऐसे आदेश किसी बाहरी प्रभाव में दिए जाते हैं या यह कानून की सरासर अज्ञानता है। जो भी हो, ऐसे बेतुके और त्रुटिपूर्ण आदेश पारित करना अक्षम्य है। शीर्ष अदालत हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 'मेसर्स शिखर केमिकल्स' द्वारा वाणिज्यिक लेनदेन के एक मामले में समन आदेश को रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका को खारिज कर दिया गया था। इस मामले में, शिकायतकर्ता (ललिता टेक्सटाइल्स) ने 'शिखर केमिकल्स' को 52.34 लाख रुपये मूल्य का धागा बेचा था, जिसमें से 47.75 लाख रुपये का भुगतान किया गया लेकिन शेष राशि का भुगतान नहीं किया गया है। ललिता टेक्सटाइल्स ने शेष राशि की वसूली के लिए एक आपराधिक शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद, शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया गया और एक मजिस्ट्रेट अदालत ने आवेदक के खिलाफ समन जारी किया। 'मैसर्स शिखर केमिकल्स' ने इस आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया और तर्क दिया कि यह विवाद पूरी तरह से दीवानी प्रकृति का है। हालांकि, उच्च न्यायालय ने आवेदक की याचिका खारिज कर दी।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने कहा कि शिकायतकर्ता को राशि वसूलने के लिए दीवानी उपाय अपनाने के लिए कहना अनुचित है, क्योंकि इसमें बहुत समय लगता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश के आदेश को त्रुटिपूर्ण बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्यायाधीश ने यहां तक कह दिया कि शिकायतकर्ता को शेष राशि की वसूली के लिए आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की अनुमति दी जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट का यह आदेश उनके न्यायाधीश के रूप में कार्यकाल के दौरान देखने में आया सबसे खराब और सबसे त्रुटिपूर्ण आदेशों में से एक था।

सत्यापन का भी अब शुल्क लेगा यूपी बोर्ड

प्रयागराज। यूपी बोर्ड अंकपत्र, प्रमाणपत्र के सत्यापन का अब शुल्क लेगा। बोर्ड के पांच क्षेत्रीय कार्यालय में प्रतिवर्ष 10 लाख से ज्यादा अंकपत्र, प्रमाणपत्र का सत्यापन होता है। जिस भी विभाग में यूपी बोर्ड के विद्यार्थी नौकरी पाते हैं। उनके प्रमाणपत्र का सत्यापन होता है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि प्रारुप तैयार कर शासन को भेजा जा रहा है, मंजूरी मिलते ही लागू कर दिया जाएगा।

बौखलाहट — अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं

ट्रंप बोले- 24 घंटे में भारत पर शुल्क में करेंगे भारी बढ़ोतरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है और वह अगले 24 घंटों में इस दक्षिण एशियाई देश पर शुल्क को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगे।

ट्रंप ने सीएनबीसी स्क्वॉक बॉक्स को दिए साक्षात्कार में कहा कि भारत के बारे में लोग जो कहना पसंद नहीं करते, वह यह है कि वह सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाला देश है। उसका शुल्क किसी भी देश से ज्यादा है। हम भारत के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत हमारे साथ काफी व्यापार करता है, लेकिन हम उसके साथ व्यापार नहीं करते। इसलिए हमने 25 प्रतिशत शुल्क पर समझौता किया, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा, क्योंकि वे रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। वे जंगी मशीन को ईंधन मुहैया करा रहे हैं। और अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, तो मुझे खुशी नहीं होगी। भारत के साथ व्यापार समझौते के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ अड़चन यह है कि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। अब मैं यह कहूंगा कि भारत अब तक के सबसे ऊंचे शुल्क से आगे बढ़कर, हम पर शून्य शुल्क लगाएगा। लेकिन वे जो तेल के साथ कर रहे हैं, उसको देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है।

भारत के पलटवार से तिलमिलाए ट्रंप

सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि वह भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करेंगे। उन्होंने भारत पर भारी मात्रा में रूसी तेल खरीदने और उसे बड़े मुनाफे पर बेचने का आरोप लगाया था। ट्रंप के बयान के कुछ ही घंटों बाद, भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए उसे अनुचित और अविवेकपूर्ण तरीके से निशाना बनाने को लेकर अमेरिका और यूरोपीय संघ पर पलटवार किया। भारत ने आलोचना को पुरजोर तरीके खारिज करते हुए अमेरिका और यूरोपीय संघ के रूस के साथ जारी व्यापारिक संबंधों की ओर ध्यान दिलाते हुए दोहरे मानदंड अपनाने की बात कही है।

रूस ने भारत के अधिकार का किया समर्थन

मास्को। रूस ने मंगलवार को कहा कि संप्रभु देशों को अपने हितों के आधार पर व्यापार और आर्थिक सहयोग में अपने साझेदार चुनने का अधिकार है। रूस ने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के एक दिन बाद कही है। ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि वह रूस से कच्चा तेल खरीदने की वजह से भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। रूस सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने भारत के संबंध में अमेरिका की चेतावनी पर कहा कि संप्रभु देशों को अपने हितों के आधार पर व्यापार साझेदार स्वयं चुनने और स्वतंत्र रूप से व्यापार और आर्थिक सहयोग के तरीकों को निर्धारित करने का अधिकार होना चाहिए।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 6 अगस्त 2025

पीलीभीत

सिटी ब्रीफ

माध्यमिक स्कूलों में दो दिन अवकाश की मांग

पीलीभीत,अमृत विचार : अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक शिक्षक महासभा के जिलाध्यक्ष राजेश कुमार कनौजिया के नेतृत्व में डीएम को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें कहा गया कि जनपद में अत्यधिक बारिश हो रहीहै। जिस वजह से कई जगह जलभराव की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में छात्रों का घर से निकलना मुश्किल हो रहाहै। स्कूलों में भी जलभराव हो रखाहै। बारिश के चलते कक्षा एक से आठ तक का अवकाश भी घोषित किया हुआ है। इसलिए माध्यमिक विद्यालयों में भी दो दिन का अवकाश घोषित करने की मांग की है।

गोशाला में जलभराव से बढ़ी परेशानी

बीसलपुर, अमृत विचार : 18 घंटे से क्षेत्र में हो रही बारिश के चलते कासिमपुर मार्ग स्थित नगर पालिका परिषद की ओर से संचालित गोशाला में पानी भर गया। ऐसे में गायों को दूसरे स्थान पर पहुंचाया गया। गोवंशों को लगातार पानी में खड़े रहने से परेशानी होने लगी। इसके बाद गोशाला के केयरटेकर की सूचना पर एसडीएम नागेंद्र पांडे ने मौके पर पहुंचकर गोशाला का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने पालिका चेयरमैन शशि अमन जायसवाल से वार्ता की। इसके पश्चात चेयरमैन प्रतिनिधि अमन जायसवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए गोशाला में पानी में खड़ी गायों को पीलीभीत मार्ग स्थित एमआरएफ सेंटर पर पड़े टीन शेड में स्थानांतरित करा दिया। उनके खाने की व्यवस्था भी एमआरएफ सेंटर पर करवा दी गई है। ताकि उन्हें किसी तरह की समस्या न हो।

डूबी सड़कें, घरों से लेकर दुकानों तक पानी, जनजीवन ठप

मंगलवार को 35 एमएम हुई बारिश, सड़कों पर दो फीट तक पानी, वाहन हुए खराब, स्कूल रहे बंद, त्योहारी सीजन में कारोबार हो रहा प्रभावित

बारिश का हाल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : तीन दिन से हो रही बारिश ने शहर का बुरा हाल कर दिया। शहर के निचले इलाकों में जलभराव खत्म नहीं हुआ, मंगलवार तड़के फिर हुई बारिश ने हालात और भी बिगाड़ दिए। जल निकासी की अव्यवस्था ने नगर पालिका के दावों की पोल खोलकर रख दी। नाले उफनाने से जहां सड़कों पर कई-कई फीट पानी भर गया, वहीं कुछ निचले इलाकों के घरों में भी बारिश का पानी जा घुसा। बारिश के चलते स्कूलों में भी जलभराव की स्थिति देखी जा रही है, हालांकि डीएम ने कक्षा एक से आठ तक के सभी स्कूलों का अवकाश घोषित कर दिया। सड़कें लबालब होने से बाजार में कारोबार भी ठप रहा। दिन भर सड़कों पर जलभराव बना रहा। 10-10 मिनट का रास्ता भी घंटों में तय करना पड़ा। कई घंटों के बाद शहर की स्थिति सामान्य हो सकी, मगर सड़क पर फैली कीचड़ ने निकलना दूभर कर दिया। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो छह से नौ अगस्त तक हल्की बरसात होने की उम्मीद है।

बारिश होने से किसानों के चेहरे पर तो खुशी देखने को मिली, लेकिन बारिश की वजह से शहर में जलभराव और कीचड़ फैलने से शहरवासियों को परेशानी हुई। पूरे दिन रुक-रुककर बारिश का क्रम जारी रहा। हाईवे से लेकर शहर की सड़कें तालाब बन गई। शहर के गांधी स्टेडियम रोड, स्टेशन रोड, मधुवन कॉलोनी गेट, सुनगढ़ी, लक्ष्मी टॉकीज, राजा बाग कॉलोनी में खासा जलभराव देखा गया। सड़क पर भरा पानी वल्लभनगर के कुछ घरों में जा घुसा।

नकटादाना चौराहे पास डी टाइप कॉलोनी के सामने सड़क पर करीब दो फीट तक पानी बहा। इसके अलावा अशोक कालोनी, एकतानगर जैसी कॉलोनी में पानी के टापू बन गए। जहां से लोगों को घर से निकलने में मुश्किलें उठानी पड़ी। इधर, निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात देखने को मिले। शहर के मोहल्ला डालचंद, बेनी चौधरी, मोहम्मद फारुख, पंजाबियान, कोतवाली रोड, कोतवाली थाना, आदि इलाकों में तीन फुट से अधिक पानी भरा मिला। इतना ही नहीं निचले इलाकों में लोगों की दुकानों और घरों में पानी घुस गया। सभी सड़कें पानी से लबालब हो गई।

स्टेशन रोड पर तो मानों नदी बह रही थी। रोड के दोनों तरफ के इलाकों में पानी यूं आ रहा था जैसा किसी बांध के फाटक खोल दिए हों। जिस वजह से बाजार में सन्नाटा पसरा रहा। रक्षाबंधन पर्व नजदीक होने के बाद भी कारोबार ठप रहा। बारिश से मौसम जरूर सुहावना हो गया, लेकिन जलभराव वाले इलाकों में फंसे लोगों के चेहरे चिंता से भरे दिखाई दिए। लोग बाग दुपहिया वाहनों पर बच्चों के साथ थे, समझ नहीं आ रहा था कि आगे कैसे जाएं और पीछे से तो बमुश्किल यहां तक पहुंचे ही थे। कारण हर बार की तरह इस बार भी समस्या की जड़ पर काम नहीं किया गया। अपने स्तर से भी नाला सफाई कराने के बावजूद शहर बारिश में तालाब बन गया।

मेडिकल कॉलेज के भीतर छतों से टपकता पानी ● अमृत विचार

नगरपालिका को जाने वाली सड़क पर हुए जलभराव से गुजरते लोग ● अमृत विचार

बाइकें भी हुई बंद, कई जगह हुए हादसे

मंगलवार को हुई बारिश में सबसे अधिक दिक्कत राहगीरों को उठानी पड़ी। आलम यह था कि कहीं बाइक बंद हो गई। तो कहीं कार। इसके अलावा बाइक फिसलने कई जगह हादसे भी हुए। शहर में गैस चौराहा के समीप सड़क पर जलभराव होने से एक राहगीर की बाइक बंद हो गई। जिससे स्टार्ट करने के लिए उसे बड़ी मशक्कत करनी पड़ी। तो वहीं लोहा मंडी में पानी में स्कूटी फंसने से बंद हो गई। इसके अलावा दिन भर कीचड़ में बाइक फिसलने की घटनाएं भी सामने आती रही।

शहर की पॉश अशोक कॉलोनी में हुआ जलभराव ● अमृत विचार

शहर में जलभराव, नहीं दिखी पालिका की टीम

मंगलवार को हुई बारिश में भले ही शहर जलभराव हो गया हो। लेकिन पालिका की टीम समस्या से निपटने के लिए दिखाई नहीं दी। जबकि पालिकाध्यक्ष की ओर से जलभराव से निपटने के लिए पालिका की टीमें बनाई थी जो जलभराव होने पर वहां जल निकासी को शुरू कराएंगे। लेकिन यह टीमें भी सिर्फ कागजों में ही सिमट कर रह गई। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने सोमवार देर रात इस संबंध में आदेश जारी किया। आदेश के मुताबिक प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, मान्यता प्राप्त और सभी बोर्डों के कक्षा एक से आठ तक के स्कूल बंद रहेंगे। बारिश के बीच सोमवार को दिनभर फाल्ट की भी झड़ी लगी रही। जैसे तैसे फॉल्ट ठीक हो सके। इसके बाद मंगलवार सुबह हुई बारिश से बिजली गुल हो गई। मंगलवार सुबह बारिश के दौरान मोहल्ला खकरा, डालचंद, बेनी चौधरी, मोहम्मद फारुख, आसफजान, अग्रवाल सभा रोड आदि इलाकों की बिजली गुल रही है। टनकपुर हाईवे पर भी कई जगह फॉल्ट होने से बिजली बाधित रही।

मेडिकल कॉलेज में ओपीडी तक जलभराव

बारिश से मोहल्ले और कॉलोनियां ही नहीं बल्कि सरकारी अस्पताल और कार्यालय भी प्रभावित दिखे। मेडिकल कॉलेज में बारिश से सड़क पर जलभराव दिखा। जहां आने वाले मरीजों को परेशानियां उठानी पड़ी। किसी तरह पानी से होते हुए ओपीडी ब्लॉक में पहुंचे। तो वहां भी छतों से पानी टपकता हुआ मिला। गैलरी से लेकर वार्ड तक हर तरफ कीचड़ और पानी की बूंदे टपकती मिली। बारिश के चलते अधिकतर डॉक्टर भी नदारद रहे। जिस वजह से मरीजों को इलाज नहीं मिल सका। इसके अलावा क्षय रोग अस्पताल में भी पानी भरा। जहां मरीज दवा लेने के लिए नहीं पहुंच सके। विकास भवन के तीसरे मंजिल पर बने कार्यालय भी टपकते रहे। जहां पानी की बाल्टी लगाकर काम करते मिले। गन्ना कार्यालय, सूचना विभाग, जिला जेल रोड, होमगार्ड कार्यालय आदि इलाकों में पानी भरा मिला।

हाईवे पर भी हुआ जलभराव, पेट्रोल पंप डूबे

हाईवे के दोनों साइड में सर्विस रोड पर जलभराव हो गया। कई जगह तो सर्विस रोड का पानी हाईवे पर बहने लगा। गौहनिया चौराहा से ड्रमंड कॉलेज तालाब तक सड़क के दोनों जलभराव देखने को मिला। जिस वजह से पास के पेट्रोल पंप पर भी जलभराव हो गया। ऐसे में पेट्रोल पंप पर आने वाले ग्राहकों को भी खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसके अलावा टनकपुर हाईवे पर गन्ना तिराहा, भारत सेठी अस्पताल के बाहर, छतरी चौराहा समेत ओवर ब्रिज के नीचे बनी सर्विस सड़क पर जलभराव हो गया। जहां से लोगों का निकलना मुश्किल हो गया।

तीन दिन बूंदाबांदी, 10 से तेज बरसात

कृषि वैज्ञानिक डॉ. एस एस ढाका ने बताया कि तीन दिन में कुल 63 एमएम बारिश हुई है। जिसमें मंगलवार को 35 एमएम बारिश दर्ज की गई है। बारिश से फसलों को नुकसान नहीं है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 27 .2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 24 .2 डिग्री दर्ज किया गया है। 6 से 9 अगस्त तक हल्की बारिश होगी। 10 अगस्त से तेज बारिश होने के आसार है।

जलभराव का टीम ने कराया समाधान

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार: ग्रामीणों द्वारा जलभराव को लेकर केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद से की गई शिकायत के बाद प्रशासन हरकत में आया है। टीम ने पहुंचकर समस्या का समाधान कराया।

कस्बा गजरौला कला सहराई में हाईवे के नजदीक स्मार्ट सिटी के नाम से प्लाटिंग चल रही हैं। आरोप है कि हाईवे के नजदीक से प्लाट वाले ने प्लाटिंग शुरू की है। जिससे पीछे रहे रहे तीस परिवार वालों के लिए बारिश के समय समस्या खड़ी हो जाती है। जिनका निकलना दुश्वार हो जाता है। खड़ंजा के ऊपर लगभग कमर से पानी चलने लगता है। जिसकी शिकायत रविवार को गांव में चौपाल लगाकर जन समस्याएं सुन रहे थे। तभी ग्रामीणों ने केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद से शिकायत की थी। जिस पर डीएम ने संज्ञान लेकर नायब तहसीलदार के निर्देश दिए। मौके पर नायब तहसीलदार परितोष कुमार ने जेसीबी द्वारा नाला खुदवा कर समस्या का समाधान कराया। नन्हे लाल कश्यप, रामप्रताप वर्मा, भोजराज कश्यप, बबलू जायसवाल, दीनदयाल, सुरेश, रूपलाल, राममिलन, विनोद, पर्वत, हरिचंद, पप्पू सक्सेना, राजेंद्र, विनय जायसवाल, संजय शर्मा आदि मौजूद रहे।

जलभराव का समाधान कराने पहुंची टीम तो लगी भीड़। ● अमृत विचार

● केंद्रीय मंत्री से ग्रामीणों ने की थी शिकायत, तब दौड़े जिम्मेदार

भरा पचपेड़ा के पास बढ़ा पानी, घबराए ग्रामीण

मझोला, अमृत विचार : भरा पचपेड़ा के पास से देवहा और कैलाश नदी गुजरी है। उसी क्षेत्र में कुछ आबादी बसी हुई है। तेज बारिश के बाद नदियों का जलस्तर बढ़ा और जलभराव की दिक्कत हो गई। जिससे आबादी में बसे लोगों को बाढ़ के हालात बनते दिखाईदिए। जिसे लेकर ग्रामीणों को चिंता सताने लगी। प्रशासनिक टीम भी अलर्ट हो गई। एनाउंसमेंट कर लोगों को नदी किनारे, नालों के आसपास न जाने की अपील की गई। साथ ही ऊंचे स्थान पहुंचने के लिए कहा जाता रहा।

अब्दुल शाहिद बने उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति

पीलीभीत, अमृत विचार : जिला एवं सत्र न्यायाधीश अब्दुल शाहिद को उच्च न्यायालय प्रयागराज में न्यायमूर्ति बनाया गया है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय ने सोमवार को इस आशय का आदेश जारी किया है। अब्दुल शाहिद ने मई महीने में पीलीभीत जनपद में प्रतापगढ़ से आकर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। उन्हें उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति बनाए जाने की प्रक्रिया चल रही थी। सोमवार शाम को केंद्रीय विधि और न्याय मंत्रालय ने अब्दुल शाहिद को उच्च न्यायालय प्रयागराज में न्यायमूर्ति बनाए जाने संबंधी आदेश जारी कर दिया है। उन्हें उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति बनाए जाने पर जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्र एडवोकेट सहित अधिवक्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है।

डग्गामार वाहनों के विरोध में किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जिले की सड़कों पर दौड़ रहे डग्गामार वाहनों के खिलाफ रोडवेज कर्मचारी संघ के बैनर तले रोडवेज कर्मियों ने डिपो परिसर में नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने डग्गामार वाहनों के विरुद्ध एक सप्ताह तक प्रदर्शन और जनजागरण चलाने का निर्णय लिया। यदि इसके बाद भी उच्च प्रबंधन ने इस मामले पर ध्यान नहीं दिया तो डिपो परिसर से डीएम आवास तक जनजागरण के तहत जुलूस के रूप में पहुंचकर ज्ञापन सौपेंगे।

जनपद के मुख्य मार्गों पर लंबे समय से डग्गामार वाहनों का संचालन किया जा रहा है। इन डग्गामार वाहनों खासकर इको वाहनों के संचालन से कहीं न कहीं परिवहन निगम की आय पर खासा असर पड़ रहा है। वहीं इन डग्गामार वाहनों के संचालन से रोडवेज के चालक एवं परिचालक भी विभागीय नियमों के चलते इसकी चपेट में आ रहे हैं। मंगलवार सुबह 8बजे तमाम चालक-परिचालक रोडवेज कर्मचारी संघ के बैनर तले डिपो परिसर में एकत्र हुए और संघ पदाधिकारियों के नेतृत्व में डग्गामार वाहनों के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कारियों का कहना था डग्गामार वाहनों के संचालन से चालक- परिचालकों समेत अन्य कर्मचारियों में रोष है। यदि ऐसे ही डग्गामार वाहनों का संचालन होता रहा तो आने वाले समय में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के कर्मचारियों को वेतन मिलना मुश्किल हो जाएगा। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों ने कोरोना काल, महाकुंभ और चुनाव में जब-जब सरकार को जरूरत पड़ी है कर्मचारियों एवं परिवहन निगम ने अपना पूरा बढ़ चढ़कर सहयोग दिया है। ऐसे में प्रदेश सरकार एवं उच्च प्रबंधन इन डग्गामार वाहनों के संचालन को बंद कराए, ताकि रोडवेज कर्मियों को भविष्य सुरक्षित रह सके। पदाधिकारियों ने बताया पीलीभीत रोडवेज परिसर में अवैध डग्गामार वाहनों के खिलाफ एक सप्ताह तक लगातार प्रदर्शन और जन जागरण चलाया जाएगा। इसके बाद भी यदि उच्च प्रबंधन ने संज्ञान में नहीं लिया तो रोडवेज कर्मचारी संघ के बैनर तले सभी कर्मचारी जनजागरण के तहत रोडवेज डिपो से लेकर डीएम आवास जाएंगें और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौपेंगे। प्रदर्शन करने वालों में रोडवेज कर्मचारी संघ अध्यक्ष राजकुमार श्रीवास्तव, मंत्री साधुराम दिवाकर, उपाध्यक्ष राजीव पांडे, कार्यवाहक अध्यक्ष मोहम्मद रिजवान, कोषाध्यक्ष उपेंद्र सिंह कटिहार, योगेंद्र सिंह, दीपक पांडे, चंद्रलोक, राहुल सक्सेना, संगठन मंत्री हरीश गंगवार, परविंदर गंगवार, गिरधर गोपाल साहनी, अमन गंगवार समेत तमाम पदाधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे।

डग्गामार वाहनों के खिलाफ प्रदर्शन करते रोडवेज कर्मचारी।

● रोडवेज डिपो में सप्ताह भर प्रदर्शन और जन जागरण चलाने का निर्णय

● डग्गामार वाहनों का संचालन बंद न होने पर डीएम आवास पहुंचकर सौंपेंगे ज्ञापन

यह रहीं मांगें

● पीलीभीत में पूरी तरह से अवैध डग्गामार वाहनों का संचालन बंद किया जाए।

● प्रदेश मे प्रत्येक डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक को अवैध डग्गामार वाहनों के चालान करने की अनुमति सरकार द्वारा प्रदान की जाए।

शारदा में दूसरे दिन 1.14 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा नदी किनारे गांवों में बाढ़ का खतरा बढ़ा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: शारदा नदी में लगातार दूसरे दिन 1.14 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इससे पूरनपुर एवं कलीनगर तहसील क्षेत्र में नदी किनारे बसे आबादी इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। हालांकि दोपहर से नदी के जलस्तर में गिरावट देखी जा रही है।

प्रशासन का दावा है कि नदी के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। अभी स्थिति सामान्य है। संबंधित एसडीएम भी बाढ़ग्रस्त इलाकों पर पूरी नजर रखे हुए हैं। बाढ़ चौकियां भी अलर्ट मोड में हैं।पहाड़ों समेत मैदानी इलाकों में बारिश लगातार जारी है। लगातार बारिश से नदियों के जलस्तर में भी बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। एक दिन पूर्व बनबसा बैराज से 1.59 लाख क्यूसेक पानी शारदा नदी में छोड़ा गया था।

इससे नदी किनारे बसे इलाकों में बाढ़ की संभावना जताई जा रही थी। कुछ जगहों पर तो ग्रामीणों ने सुरक्षित स्थानों पर जाने की तैयारी शुरू कर दी थी। हालांकि शाम को नदी के जलस्तर में गिरावट देखी गई थी। इधर मंगलवार को भी बनबसा बैराज पर दवाब बढ़ने के बाद शारदा नदी में सुबह करीब आठ बजे 1.14 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। इससे शारदा नदी एक बार फिर उफना गई। शारदा नदी के जलस्तर में उतार चढ़ाव के चलते कलीनगर एवं पूरनपुर तहसील क्षेत्र में नदी किनारे बसे आबादी इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ता दिखाई दे रहा है। हालांकि प्रशासन का दावा है कि अभी बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है। बाढ़ प्रभावित इलाकों पर लगातार नजर रखी जा रही है। टीमों और बाढ़ चौकियों को अलर्ट किया गया है।

ट्रांस शारदा क्षेत्र में श्रीनगर गांव के पास क्षतिग्रस्त तट। ● अमृत विचार

कलीनगर तहसील क्षेत्र के गुन्हान में खेती की जमीनों को निशाना बना रही शारदा

शारदा नदी के जलस्तर में उतार-चढ़ाव के चलते कलीनगर तहसील में नदी की धार काफी तेज हो गई है। रमनगरा और गभिया के समीप नदी का विकराल रूप देख ग्रामीणों के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ती जा रही हैं। वहीं शारदा नदी के पार गुन्हान क्षेत्र में नदी लगातार कृषि फसलों को निशाना बना रही है। यहां लोगों ने नदी के विकराल रूप से देखकर घरों में सामान समेटना शुरू कर दिया है। बताते हैं कि यहां नदी अब तक गुन्हान निवासी नंदू राजभर, मिथिलेश पांडे, रविंद्र गुप्ता, प्रशांत साना, विष्णु मंडल, परितोष सरकार, समीर राय, सिसवा राय, परेश मंडल, खोखन साना, कालीपद मंडल, सुजीत गायन, सनातन शील आदि की जमीन का कटान कर चुकी है। कुछ लोगों द्वारा नदी किनारे बने घरों को तोड़ने की बात कहीं जा रही है।

● कलीनगर तहसील क्षेत्र में नदी पार गुन्हान इलाके में कृषि भूमि को निशाना बना रही शारदा

● ट्रांस शारदा क्षेत्र में भी श्रीनगर के पास स्परों को नुकसान पहुंचा रही नदी की तेज धार

ट्रांस शारदा क्षेत्र में नदी की तेज धार से स्पर हो रहे क्षतिग्रस्त

शारदा नदी के बढ़े जलस्तर के बाद पूरनपुर तहसील के ट्रांस शारदा क्षेत्र में भी बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। यहां ग्रामीणों का कहना है कि यदि बारिश लगातार जा रही तो यहां आने वाले दिनों में बाढ़ आ सकती है। फिलहाल ट्रांस शारदा क्षेत्र के श्रीनगर गांव के पास नदी का बहाव काफी तेज देखा जा रहा है। यहां नदी की तेज धार बाढ़ खंड द्वारा बनवाए गए स्परों को अपना निशाना बना रही है। कुछ ग्रामीणों ने इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताते हैं कि यहां बाढ़ खंड द्वारा बचाव कार्य किए जा रहे थे। जलस्तर बढ़ने के बाद बचाव कार्य भी रोक दिए गए हैं। तहसीलदार हबीब उर रहमान ने बताया कि स्थिति अभी सामान्य है। ट्रांस शारदा क्षेत्र में लेखपालों की टीम लगाई गई है।

श्रद्धालुओं से भरी ट्राली पलटी एक की मौत

घुंघचिहाई, अमृत विचार : सावन के अंतिम सोमवार को गोला गोकर्णनाथ से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्राली संसारपुर के पास अनियंत्रित होकर पलट गई।

इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि कई श्रद्धालु घायल हो गए। मृतक की पहचान धर्मजीत गौतम (18) पुत्र रामऔतार निवासी जितौरिया टांडा के रूप में हुई है। रविवार शाम को गांव जितौरिया टांडा से करीब 50 श्रद्धालु ट्रैक्टर-ट्राली से गोला गोकर्णनाथ भगवान शिव के दर्शन के लिए रवाना हुए थे। रात में मंदिर पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने सोमवार सुबह जलाभिषेक और पूजन किया। घर वापसी के दौरान संसारपुर के निकट ट्रैक्टर-ट्राली अनियंत्रित होकर पलट गई।

बारिश में पेड़ गिरने से ठप विद्युत आपूर्ति साढ़े दस घंटे बाद हो सकी बहाल

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार : तेज हवा के साथ हुई बारिश ने मंगलवार को नगर और ग्रामीण क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति को पूरी तरह बाधित कर दिया। सुबह 7:30 बजे जिला मुख्यालय स्थित रूपपुर कमालू विद्युत केंद्र से कस्बा बरखेड़ा विद्युत उपकेंद्र को जोड़ने वाली 33 केवीए की मुख्य लाइन पर एक पेड़ गिर गया। इससे लाइन में खराबी आ गई और विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई।

बारिश से विद्युत कर्मी तत्काल लाइन पेट्रोलिंग के लिए नहीं जा सके। दोपहर बाद बारिश थमने पर कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो लाइन के कई क्रॉस आर्म टूटे मिले और दो से तीन विद्युत पोल झुके हुए पाए गए। इसके बाद लाइन से पेड़ हटाकर मरम्मत कार्य शुरू किया गया। शाम करीब छह बजे जाकर विद्युत आपूर्ति बहाल की जा सकी। अवर अभियंता (ग्रामीण) संत कुमार ने बताया कि बरखेड़ा से पीलीभीत को जोड़ने वाली लाइन पर कई स्थानों पर पेड़ गिरने से बाधा उत्पन्न हुई थी।

स्थिति सामान्य होते ही कर्मचारियों द्वारा लाइन में आई खराबी को दूर किया गया। इस दौरान घंटों बिजली न होने से कस्बे और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को उमस भरी गर्मी में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

● 33 केवीए लाइन पर पेड़ गिरने से नगर और देहात क्षेत्र की सप्लाई प्रभावित

बारिश की वजह से 8 तक बंद रहेंगे स्कूल

पीलीभीत,अमृत विचार : लगातार हो रही बारिश से स्कूलों में जलभराव हो रहा है। कई स्कूल पानी में डूबे हुए हैं। ऐसे में स्कूली बच्चों को जाने में परेशानी हो रही है। इसको देखते हुए डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने कक्षा एक से आठ तक का अवकाश बढ़ा दिया है। अब छह से सात अगस्त तक स्कूलों का अवकाश कर दिया है।

जलभराव पीड़ितों की मदद को आगे आए व्यापारी नेता

पीलीभीत, अमृत विचार: पहाड़ी और मैदानी इलाकों में हुई मूसलाधार बारिश के बाद बने जलभराव के हालात के बाद तमाम लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। इसे लेकर जलभराव वाले इलाकों में व्यापारी नेता ने पहुंचकर मदद की।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिला महामंत्री शैली अग्रवाल मंगलवार को जलभराव के हालात परखने के लिए निकले। व्यापार मंडल के अन्य साथियों संग भ्रमण कर हालात परखे गए।

कई जिला महामंत्री ने अपनी टीम के नगर महामंत्री अलाउद्दीन अंसारी, युवा विंग के नगर महामंत्री निमित्त अग्रवाल के साथ भ्रमण करने के साथ ही संबंधित अधिकारियों से वार्ता की। जरूरतमंदों को राहत सामग्री भी बांटी गई।

जलभराव वाले इलाकों में राहत सामग्री देते व्यापारी नेता शैली अग्रवाल। ● अमृत विचार

शहर में आज

- पुलिस लाइन समेत चार स्थानों पर परिवार परामर्श केंद्र शिविर सुबह 10 बजे।
- बरखेड़ा ब्लॉक सभागार में क्षेत्र पंचायत की बैठक दोपहर 01 बजे।
- सत्यनारायण मंदिर में असहाय लोगों को भोजन वितरण दोपहर 12 :00 बजे।

न्यूज ब्रीफ

महिला को मारपीट कर धमकाया

दियोरिया कला, अमृत विचार : रंजिशन महिला से कुछ लोगों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अभद्रता की। विरोध करने पर पिटाई कर दी गई। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी ।गांव पैतबोझी निवासी नत्थोदेवी ने बताया उसके गांव के ही कुछ लोगों ने रंजिशन जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली गलौज की। विरोध करने पर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। किसी तरह उसने अपनी जान बचाई। कोतवाल दिगंबर सिंह ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

कमरे में बैठे सांप ने किशोर को डसा

बीसलपुर, अमृत विचार : कमरे में सामान लेने गए किशोर को सांप ने डस लिया। परिजनों ने उसे अस्पताल भर्ती कराया है। करेली थाना क्षेत्र के ग्राम मवैया निवासी सोनपाल का 12 वर्षीय पुत्र सचिन कमरे में रखा सामान लेने गया था। इसी दौरान उसे सांप ने डस लिया। किशोर के चीखने की आवाज पर परिजन पहुंचे। पहले एक झोलाछाप के पास ले गए। हालत में सुधार न होने पर सीएचसी लाए। वहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

हादसे में बाइक सवार तीन युवक घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : बीसलपुर से सितारगंज नवदिया जाने वाले मार्ग पर युवक की बाइक फिसल गई। हादसे में तीन लोग घायल हो गए। नगर के मोहल्ला ग्यासपुर की पटेल नगर कॉलोनी निवासी अजीत कश्यप, रोहित व अजय बाइक से दुबे भवन की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक अचानक मार्ग पर फिसल गई। जिससे वह तीनों युवक मार्ग पर गिरकर घायल हो गए। जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उपचार ले जाया गया। जहां इलाज के बाद सुधार होने पर परिजन घर ले गए।

वृद्ध को ईंट मार नशेड़ी ने की हत्या

बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के परसिया गांव की घटना, पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: घर से पशुशाला जाने के दौरान एक बुजुर्ग की गांव के ही युवक ने हत्या कर दी। गाली गलौज का विरोध करने पर आरोपी ने ईंट से मुंह पर कई वार किए थे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। मृतक के बेटे ने आरोपी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई । वृद्ध की हत्या से गांव में सनसनी मच गई।

ढाकनलाल।

हत्या के बाद मौके पर पड़ताल करती पुलिस। ● अमृत विचार

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर गई थी। शव का पोस्टमार्टम कराया जा गया है। मृतक के पुत्र की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

– संजीव कुमार शुक्ला, कोतवाल बीसलपुर

सोमवार रात कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परसिया निवासी ढाकनलाल (60) घर से गांव में नहर के पास स्थित पशुशाला के पास बने घेर में सोने जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें नहर के पास गांव का रामपाल उर्फ पप्पू मिला, जो नशे में गाली गलौज कर रहा था। जब उसे गाली देने से मना किया तो वह बुजुर्ग पर हमलावर हो गया। आरोपी ने ईंट से वृद्ध के मुंह पर कई वार करके हत्या कर दी। वारदात की जानकारी लगते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। परिवार वाले भी आ गए थे। सूचना पुलिस को दी गई। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। सीओ प्रगति चौहान भी रात में ही मौके पर पहुंची और घटनास्थल को देखा। परिजन से पूरे प्रकरण की जानकारी की गई। मंगलवार को शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रात में ही आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई थी। हत्या की घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा रहा।

लोगों को देखकर भागा आरोपी

घटना के बाद पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई में जुटी है। मृतक के पुत्र हरपाल की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। जिसमें बेटे ने बताया कि सोमवार रात जब वह पिता के पास जा रहे थे। उस दौरान गांव के ही विषपाल और महेश कुमार भी साथ थे। इस दौरान देखा कि आरोपी पिता के चेहरे और सिर पर ईंट से ताबड़तोड़ वार रहा था। उन्हें देखकर ही आरोपी मौके से भाग गया था। हालांकि बाद में पुलिस ने उसे धर दबोचा।

परिवार सोता रहा चोर समेट ले गए सामान

पीलीभीत, अमृत विचार : परिवार के साथ घर में सो रहे युवक के मकान में चोर घुस गए। जहां से चोर लाखों रुपये के जेवर और नकदी चोरी कर ले गए। जानकारी होने पर मामले की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया।

सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मोहम्मद वासिल निवासी कदीर अहमद ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। रात में किसी समय चोर छत के रास्ते से उनके घर में घुस गए। चोरों ने घर के कमरे की अलमारी का ताला तोड़ दिया। इसके बाद चोरों ने घर में रखे दो लाख रुपये और दो तोले सोने के जेवरात लेकर भाग गए। देर रात उनके पुत्र मुन्ना की आंख खुली तो घर का सामान बिखरा देखकर परिवार के लोगों को जगाया। जिसके बाद चोरी की जानकारी हुई। घर में हुई चोरी की सूचना पर मोहल्ले के तमाम लोग एकत्र हो गए।

फिलिंग न कराने से गिरी थी नाले की दीवार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : बारिश की पहली दस्तक ने दो करोड़ की लागत से बन रहे नाले की पोल खोल दी। निर्माणाधीन नाले की दीवार महज इसलिए गिर गई, क्योंकि निर्धारित मानकों के अनुसार फिलिंग कार्य नहीं कराया गया था। मामले की जांच में यह गंभीर लापरवाही उजागर हुई है।

एक्सईएन की सौंपी गई रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि फिलिंग कार्य न होने से दीवार कमजोर रही और बारिश का दबाव झेल नहीं सकी। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि जब तक नाले की गुणवत्ता की तकनीकी जांच नहीं हो जाती, तब तक भुगतान न किया जाए। यह मामला न सिर्फ निर्माण एजेंसी की कार्यशैली पर सवाल खड़ा कर रहा है, जिम्मेदारों की निगरानी पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है। बता दें कि पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग का चौड़ीकरण कार्य कराया गया है। इसके बाद नेशनल हाईवे की ओर कस्बा बरखेड़ा में सड़क के दोनों तरफ नाले का निर्माण कार्य करा दिया था। इसके बाद नगर पंचायत बरखेड़ा की ओर से नाले का निर्माण कराने के लिए टेंडर निकाला था। पंचायत की ओर से 1.700 किमी का नाला दो करोड़ का बजट आवंटित किया गया था। पंचायत की ओर से यह काम चार ठेकेदारों को मिला है। नगर पंचायत के जिम्मेदारों के अनुसार, इन सभी ठेकेदारों को वर्क ऑर्डर मार्च के आखिर में जारी किए गए थे। एक ठेकेदार ने 170 फीट की दीवार दोनों तरफ बनाकर तैयार कर दी थी। मगर, नौ जुलाई को ही 30 फिट का हिस्सा ढह गया था। जिसमें निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठे थे। मगर जिम्मेदार इस लापरवाही को छिपाने में जुटे रहे।

जांच कमेटी ने सौंपी रिपोर्ट

जांच कमेटी ने नाला के निरीक्षण करने के बाद अपनी रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को सौंपी दी है। पीडब्ल्यूडी एक्सईएन राजेश चौधरी के अनुसार नाले की दीवार में फिलिंग कार्य नहीं कराया गया था। जिस वजह से दीवार दबाव नहीं झेल सकी। इसलिए दीवार ढह गई। नाले की दीवार बनाने के बाद उसमें पटान नहीं किया गया था। इसलिए यह नुकसान हुआ है। अगर दीवारों की दोनों साइड में फिलिंग नहीं कराई गई। तो नुकसान हो सकता है। ऐसे में उन्होंने यह भी लिखा है कि निर्माण पूरा होने के बाद नाले की गुणवत्ता के साथ जांच कराने के बाद ही भुगतान करना ही आवश्यक होगा। अन्य ठेकेदारों ने काम शुरु कर दिया है। अन्य खामियों पर कमेटी ने भी कुछ स्पष्ट नहीं किया।

नाले की दीवार गिरने के बाद उच्च अधिकारियों ने जांच के आदेश दिए थे। मौके पर स्थलीय निरीक्षण किया था। जहां फिलिंग कार्य न होने की वजह से दीवार ढहने की बात निकलकर सामने आई है। निर्माण पूरा होने के बाद नाले की जांच कराकर ही भुगतान की बात लिखी गई है। रिपोर्ट बनाकर उच्च अधिकारियों को दे दी गई है।

– राजेश चौधरी, पीडब्ल्यूडी एक्सईएन

राशन कार्ड में धांधली की शिकायत की जांच करने पहुंचे एसडीएम

कोटेदार की शिकायत पर एसडीएम कार्डधारकों से जानकारी लेते हुए।

संवाददाता, घुंघचिहाई

● कोटेदार पर देर से राशन बांटने और कम देने का आरोप

अमृत विचार : कबीरपुर कसगंजा गांव में कोटेदार की मनमानी और लापरवाही की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन हरकत में आया।

मंगलवार को उपजिलाधिकारी पूरनपुर अजीत प्रताप सिंह व पूर्ति निरीक्षक बृजेश कुमार मिश्रा गांव पहुंचे और मंडी स्थल पर राशन कार्ड धारकों से सीधे बात कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों का आरोप है कि कोटेदार अंगूठा लगवाने के बावजूद समय से राशन नहीं देता, बल्कि 15 से 20 दिन बाद राशन बांटता है। इसके अलावा प्रति यूनिट एक किलो राशन की कटौती भी की जाती है। विरोध करने पर कोटेदार अभद्रता करता है और राशन कार्ड कटवाने की धमकी देता है। ग्रामीणों ने इसकी लिखित शिकायत जिलाधिकारी से की थी, जिसके बाद जांच के लिए टीम भेजी गई। टीम ने पूरी रिपोर्ट तैयार कीहै। हालांकि इस बैठक में मौके पर कोटेदार सुखपाल मौजूद नहीं रहे।

कोर्ट के आदेश पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, बरखेड़ा

● दो भाइयों को मृत दिखाकर जमीन अपने नाम कराने का मामला

अमृत विचार: कोर्ट के आदेश पर थाना पुलिस ने मोहल्ला कुंदनपुर गौटिया निवासी छदम्मी लाल की ओर से धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

पीड़ित ने बताया कि उसके पिता के तीन पुत्र नंदराम,रामदयाल और वह स्वयं छदम्मी लाल थे। पिता के नाम राजस्व ग्राम गाजीपुर कुंडा में जमीन थी। उपरोक्त जमीन पिता की मृत्यु के बाद तीनों भाइयों के नाम विरासत में आई। जिसमें नंदराम व रामदयाल अविवाहित थे। आरोप है कि दोनों भाइयों को मृत दिखाकर बरेली के तहसील नवाबगंज के गांव अब्दला निवासी महेंद्र पाल ने षड्यंत्र रचकर धोखाधड़ी से दस्तावेज तैयार कराए और अभिलेखों में अपने नाम विरासत भरवा ली। जीवित होते हुए पीड़ित छिदम्मीलाल पुत्र मुन्नालाल उर्फ हुलासी की मृत्यु 14 जून 1984 दर्शाकर उनके स्थान पर जायज वारिस महेंद्र पाल दर्ज करने का आदेश किया गया। उस वक्त पुलिस को तहरीर दी गई। मगर, सुनवाई नहीं हुई। जिसके बाद कोर्ट की शरण ली गई। अब कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

नाले मिले चोक तो कहीं इंटरकनेक्टिंग गायब

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● डीएम ने अधिकारियों के साथ परखे शहर के हालात

अमृत विचार : लगातार बारिश के बाद शहर में जगह-जगह जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। आबादी क्षेत्र में जलभराव का मामला संज्ञान में आने के बाद डीएम ने अधिकारियों की टीम के साथ शहर में भ्रमण कर हालात परखे। इस दौरान उन्हें कुछ नाले चोक मिले, वहीं कुछ नालों की इंटरकनेक्टिंग की गायब मिली। इस पर उन्होंने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी से नाराजगी जताते हुए शहर में पानी निकास की व्यवस्था तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।

शहर में तीन दिन से हो रही बारिश से हालात बद से बदतर नजर आने लगे हैं। सड़कों से लेकर गली-मोहल्ला और पॉश कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति देखी जा रही है। मंगलवार को भी बारिश होने से शहर के हालत बिगड़े दिखाई दिए। तमाम लोग सोशल मीडिया पर सड़कों, गलियों और पॉश कालोनियों में जलभराव के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करते देखे गए। इधर जलभराव का मामला डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के संज्ञान में आया। जिसके बाद डीएम ने एडीएम वित्त ऋचु पूनिया, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर के साथ शहर का भ्रमण कर हालातों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अशोक कॉलोनी, डिग्री कॉलेज चैराहा, गांधी स्टेडियम, गौहनिया चैराहा, चीनी मिल रोड़, स्टेशन रोड आदि में जलभराव की स्थिति को देखा।

जमीन के विवाद में चले लाठी-डंडे

पीलीभीत, अमृत विचार : जमीन के विवाद में दो पक्षों में मारपीट हो गई, पैमाइश करने आए अमीन के साथ भी मारपीट की गई। इसके बाद जब लेखपाल जांच करने के लिए आए तो आरोपियों ने उसके भाई के साथ मारपीट की। इस मामले में पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की है।

थाना जहानाबाद के परेवा वैश्य निवासी मोहम्मद आरिफ ने थाना में तहरीर देकर बताया उसकी कृषि भूमि का पिता के भाइयों का 50 वर्ष पूर्व समझौता हो गया था, उस पर उसका कब्जा है। लेकिन चाचा हसन, गुल हसन , अकरम, असलम, मोहसिन, जावेद, शराफत समेत उसकी जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहे है। आरोप है 2अगस्त की शाम 7 बजे जब अमीन जमीन देखने के लिए आए तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर दी।

एफएसडीए ने सात दुकानों से लिए सैंपल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पूरनपुर में एक प्रतिष्ठान पर सैंपलिंग की कार्रवाई करती टीम। ● अमृत विचार

● मिलावट रोकने को लगातार दूसरे दिन की गई कार्रवाई

अमृत विचार : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावटी खाद्य पदार्थों की धरपकड़ को दूसरे दिन पूरनपुर तहसील क्षेत्र में अभियान चलाया गया। इस दौरान टीम ने प्रतिष्ठानों पर छापेमारी सात मिठाइयों के नमूने लिए।

शासन के निर्देश पर रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की ओर से मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए सोमवार से अभियान शुरू किया है। पहले दिन बीसलपुर क्षेत्र में छापेमारी कर पांच मिठाई की दुकानों से सैंपल लिए गए थे। इधर मंगलवार को भी प्रभारी अभिहीत अधिकारी स्वतंत्र कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने पूरनपुर क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान टीम ने भोपतपुर सकरिया में तुलाराम की तुलाराम स्वीट्स का निरीक्षण कर सोनपापड़ी का सैंपल लिया। इसके बाद टीम ने पूरनपुर में घुंघचिहाई चौराहा स्थित अनिल सिंह की मिठाई की दुकान से गुलाब जामुन, इसी चौराहे पर अजीत कौर के चन्नी राजा स्वीट्स से छेना रसगुल्ला, गणेशगंज पूर्वी में सुखजिंदर सिंह के सर्वसुख स्वीट्स से सोनपापड़ी और मोतीचूर लड्डू और शेरपुर रोड स्थित लालबहादुर गुप्ता के राज जनरल स्टोर से रसभरी रसगुल्ला का सैंपल लिया। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सतीश कुमार, शांतनु कुमार, प्रेम कुमार यादव आदि मौजूद रहे। प्रभारी अभिहीत अधिकारी स्वतंत्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि एकत्रित किए गए सैंपलों को जांच के लिए राजकीय खाद्य विश्लेषक को भेजे गए हैं। खाद्य पदार्थों में मिलावट के विरुद्ध प्रवर्तन कार्यवाही निरन्तर जारी रहेगी। उन्होंने आम जनमानस से अपील करते हुए कहा कि अत्याधिक सस्ती एवं अत्याधिक रंगीन मिठाइयां खरीदने से परहेज करें। मिठाई कारोबारियों से बाहर से लाई गई घटिया मिठाइयों की बिक्री न करने के निर्देश दिए।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 6 अगस्त 2025

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI

कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING

24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:-
9311198889
9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

बारिश के चलते ओएचई लाइन पर गिरा पेड़, ट्रेन संचालन बाधित

दो घंटे तक रास्ते में खड़ी रही शाहजहांपुर से पीलीभीत आने वाली पैसेंजर ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पीलीभीत-शाहजहांपुर रेल ट्रैक पर भोपतपुर रेलवे स्टेशन के समीप ओएचई लाइन पर पेड़ गिर गया। इससे शाहजहांपुर की ओर से आ रही पैसेंजर ट्रेन दो घंटे तक रास्ते में खड़ी रही। सूचना मिलने के बाद डीजल इंजन भेजा गया। डीजल इंजन जोड़कर ट्रेन को पीलीभीत लाया गया। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक क्षतिग्रस्त ओएचई लाइन को भी दुरुस्त कर लिया गया है।

जिले में तीन से लगातार बारिश हो रही है। बारिश से हाईवे समेत मार्गों पर पेड़ों के गिरने के मामले में आ रहे हैं। इधर मंगलवार सुबह पीलीभीत-शाहजहांपुर रेल ट्रैक पर भोपतपुर रेलवे स्टेशन से करीब चार किमी पहले पतरसिया गांव के नजदीक ओएचई लाइन (ओवरहेड लाइन) पर एक शीशम का पेड़ गिर गया। इससे ओएचई लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इससे शाहजहांपुर की ओर से पीलीभीत जा रही ट्रेन संख्या 55350 पैसेंजर ट्रेन के भी पहिए भी थम गए। ट्रेन के गार्ड की ओर से इसकी सूचना रेल अधिकारियों को दी गई। काफी देर तक ट्रेन न चलने से ट्रेन में सवार यात्री परेशान हो उठे। सूचना मिलने के बाद पीलीभीत जंक्शन से डीजल इंजन भेजा गया। इसके बाद ट्रेन को डीजल इंजन से जोड़कर पीलीभीत जंक्शन लाया गया। इस पैसेंजर

क्षतिग्रस्त ओएचई लाइन को दुरुस्त करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

- डीजल इंजन से जोड़कर पीलीभीत लाई गई ट्रेन, यात्रियों को हुई खासी असुविधा

ट्रेन का भोपतपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने का समय सुबह 8.14 बजे निर्धारित है, मगर ओएचई लाइन क्षतिग्रस्त होने के चलते यह ट्रेन भोपतपुर स्टेशन पर करीब 2.17 मिनट देरी से पहुंच सकी। ट्रेन देरी से पहुंचने से यात्रियों के अलावा दैनिक यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। इज्जतनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने बताया कि पेड़ गिरने से ओएचई लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसी के चलते ट्रेन विलंब से पहुंची है। क्षतिग्रस्त ओएचई लाइन को दुरुस्त करा दिया गया है।

पूरनपुर में हिंदू महासभा की टीम गठित

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: अखिल भारत हिन्दू महासभा की बैठक पूरनपुर में हुई। जिसमें गोसेवा, धर्मांतरण की समस्या और हिन्दू समाज की एकता जैसे विषयों पर चर्चा हुई। संगठन को मजबूत करने के लिए नगर के नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई।

बैठक में रवि जायसवाल को जिला उपाध्यक्ष, शेखर पांडेय को जिला मंत्री, प्रदीप शुक्ला, धनंजय मिश्रा नगर संरक्षक, अवलोक मिश्रा को नगर अध्यक्ष, ब्रजेश शुक्ला नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्याम सिंह नगर उपाध्यक्ष, बनाए गए। वहीं युवा टीम में विकास गुप्ता नगर अध्यक्ष, अर्जुन वर्मा नगर महामंत्री, सर्वेश जायसवाल, अंकित देवल, गोलू गुप्ता, सचित शुक्ला नगर उपाध्यक्ष, मानव गुप्ता, शनि सरोज, सुमित कश्यप, करन गुप्ता नगर मंत्री, दीपक शर्मा नगर महासचिव, हर्षित मिश्रा, आकाश कश्यप, आदित्य वर्मा, वासू श्रीवास्तव नगर सचिव, संजय श्रीवास्तव नगर मीडिया प्रभारी, अचिन वाजपेई नगर कोषाध्यक्ष

बैठक को संबोधित करते जिलाध्यक्ष पंकज शर्मा। ● अमृत विचार

- सक्रिय युवाओं को दी गई जिम्मेदारी

बनाए गए। इसके अलावा मोहब्बतपुर ब्लॉक में सतीश सिंह ब्लॉक अध्यक्ष, आकाश सिंह, चरन सिंह, राज सिंह, राजीव सिंह ब्लॉक उपाध्यक्ष, राहुल सिंह ब्लॉक महामंत्री, नीरज सिंह, राहुल सिंह, सचिन सिंह, रोहित सिंह, राहुल वर्मा ब्लॉक महासचिव, अरुण वर्मा, संतोष वर्मा, सुधीर शर्मा, अजय वर्मा, श्याम सिंह ब्लॉक मीडिया प्रभारी, धर्मेंद्र सिंह ब्लॉक कोषाध्यक्ष बनाए गए।

वहीं नवदिया धनेश ब्लॉक में गौरव सिंह ब्लॉक अध्यक्ष, पवन सिंह, अमित सिंह, संजय सिंह, आकाश सिंह ब्लॉक उपाध्यक्ष, अखिलेश सिंह ब्लॉक महामंत्री, दीपक सिंह, अंकित सिंह, अरविंद सिंह, दीपक सिंह, ब्लॉक मंत्री, गगनदीप सिंह ब्लॉक महासचिव बनाए गए। इसके अतिरिक्त बल्लू बलराम, रोहित मिश्रा, रोहित कश्यप, मोनू मिश्रा, भरत यादव, मुकेश सिंह, लल्ला यादव, छोटे लल्ला, रोहित श्रीवास्तव, रजनीश भारती, अनमोल मिश्रा, शिक्कू कश्यप, मोहित वर्मा, ममतेश मिश्रा,हरमन सिंह, अभिषेक आजाद, प्रमोद यादव, छोटू गुप्ता आदि ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर जिलाध्यक्ष पंकज शर्मा, मयंक जायसवाल, गौरव शर्मा, आयुष सक्सेना आदि मौजूद रहे।

सक्रियता पर बढ़ेगा कद निष्क्रिय होंगे पदमुक्त

बसपा की समीक्षा बैठक में मौजूद पदाधिकारी। ● अमृत विचार

पीलीभीत ,अमृत विचार: बहुजन समाज पार्टी के कैंप कार्याल य पर मंगलवार को समीक्षा बैठक हुई। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद बाबू मुनकाद अली रहे। उन्होंने चारों विधानसभाओं के बूथ कमेटी के गठन की समीक्षा की।

बरेली मंडल के प्रभारी राजेश सागर, राजवीर सिंह, उदयवीर सिंह, रामसनेही गौतम समेत कई पदाधिकारी शामिल हुए। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद बाबू मुनकाद अली ने चारों विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष, प्रभारी व जिला प्रभारी के कार्यों की समीक्षा की। समय से बूथ कमेटियों के गठन करने के निर्देश दिए। जो कार्यकर्ता निष्क्रिय रहेगा और ईमानदारी से काम नहीं करेगा उसे पद मुक्त कर दिया जाएगा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष देव स्वरूप आर्य, जिला उपाध्यक्ष अरविंद तिवारी, जिला महासचिव धर्मपाल श्रीवास्तव,मोहम्मद रजा अंसारी, रामचरण राणा,गजेंद्र गौतम,महेंद्र पाल गंगवार,राजेंद्र पाल,मुन्नालाल समेत अन्य रहे।

राज्यमंत्री से समस्याओं के समाधान की मांग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: हरदासपुर के प्रधान बाबा सुलेंदर सिंह ने भाजपा नेता हरभजन सिंह मन्नू समेत कई ग्रामीणों के साथ राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल से मिले और क्षेत्रीय समस्याओं से अवगत कराया। इनसे सम्बंधित ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के निस्तारण की मांग की।

प्रधान ने बताया कि हरदासपुर एक बड़ी ग्राम पंचायत है जिसमें धोबी घाट, डांडी, कुलारा समेत कई मझरे आते हैं। इस क्षेत्र की विद्युत सप्लाई कई दशकों से उत्तराखंड स्थित नानकमता विद्युत आपूर्ति केंद्र से की जा रही है। इस सप्लाई की बिजली की लाइन बहुत जर्जर है और इंसुलेटर आदि जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं। आए दिन इस क्षेत्र में लाइन में खराबी आ जाती है।बड़े पैमाने पर विद्युत कटौती होती है। जिससे असुविधा का सामना करना पड़ता है। भाजपा नेता हरभजन सिंह मन्नू ने कहा कि गांव के श्मशान घाट के टीन शेड के ठीक ऊपर से हाइटेंशन लाइन काफी नीचे से गुजर रही है। जिसके चलते दाह संस्कार के समय कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इस लाइन को स्थानांतरित करवाने की मांग की। किसान नेता दलवीर सिंह ने कहा कि कुलारा से धोबी घाट और हरदासपुर से डांडी फार्म तक का मार्ग जर्जर है।

इन मार्गों पर कीचड़ भरा रहता है। लोग पैदल तक ठीक से नहीं निकल पाते। बच्चों को स्कूल जाने में बड़ी दिक्कत होती है। राज्यमंत्री के जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल ने अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग राजेश चौधरी और अधिशाषी अभियंता विद्युत वितरण खंड पंकज भारती से दूरभाष पर वार्ता कर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। इसका समाधान कराने को आग्रह किया गया। प्रतिनिधिमंडल में ग्राम प्रधान सुलिंदर सिंह, हरभजन सिंह मन्नू, जीत सिंह, हरजीत सिंह, दलवीर सिंह, शमशेर सिंह आदि शामिल थे।

राज्यमंत्री प्रतिनिधि को ज्ञापन देते ग्रामीण। ● अमृत विचार

सपा कार्यकर्ताओं ने मनाई जनेश्वर मिश्र की जयंती

पंडित जनेश्वर मिश्र के चित्र पर पुष्प अर्पित करते सपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

पीलीभीत, अमृत विचार : सपा ने मंगलवार को जनेश्वर मिश्र की जयंती मनाई । इस दौरान जिला स्तरीय मासिक बैठक हुई। जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने कहा पंडित जनेश्वर मिश्र को छोटे लोहिया के नाम से जाना जाता था। उन्होंने सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और गरीबों की आवाज को सदैव बुलंद किया। वे समाजवाद के सिद्धांतों के प्रति पूरी निष्ठा से समर्पित थे। कार्यकर्ता व पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित विधानसभाओं में जोन सेक्टर व बूथों को मजबूत कर पीडीए जन चर्चा कार्यक्रम कर पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें। बाढ़ग्रस्त प्रभावित लोगों की सहायता करें। इस मौके पर जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी, दिव्या गंगवार, युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू, नरेंद्र मिश्र कट्टर, मखदूम खां, एडवोकेट अमित पाठक आदि मौजूद रहे।

पहले संदेह जताया अब लिखी रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार : गांव परेवा अनूप निवासी महेश बाबू के घर में रविवार रात हुई चोरी में कार्रवाई की गई। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। बता दें महेश बाबू के घर में रविवार रात चोरों ने घुसकर कमरे के अंदर रखे संदूक और अलमारी से 14 हजार की नकदी,जेवर समेत लिए थे। करीब साढ़े तीन लाख की चोरी की थी। रात में ही घटना की सूचना देने पर 112 पुलिस मौके पर पहुंची थी। थाना पुलिस ने भी मौका मुआयना किया था। दूसरे दिन सोमवार को एसओजी टीम के साथ सीओ बीसलपुर प्रगति चौहान ने भी गांव पहुंचकर पीड़ित व उसके परिजनों से घटना के संबंध में वार्ता की। इसके बाद देर शाम अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया गांव गए। पुलिस चोरी की इस घटना को संदिग्ध मान छानबीन कर रही है। इधर अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

अभद्र टिप्पणी मामले में टीम ने दर्ज किए बयान

पीलीभीत, अमृत विचार : सीएचसी के व्हाट्सएप ग्रुप में महिला स्वास्थ्य कर्मी पर की गई अभद्र टिप्पणी के मामले में मंगलवार को सीएमओ द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच टीम पूरनपुर सीएचसी पहुंची।

10 दिन पूर्व आरोग्य मेला की उपस्थिति को लेकर वाट्सएप ग्रुप में फोटो साझा किए गए थे, जिसके बाद पीएचसी गभिया सहराई में तैनात लैब सहायक ने महिला स्वास्थ्य कर्मी पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी। मामले पर आक्रोश के बाद एमओआईसी ने लैब सहायक को नोटिस जारी किया था। जांच टीम ने मंगलवार को लैब सहायक को भी बयान के लिए बुलाया, हालांकि उसकी भूमिका स्पष्टता नहीं है। सीएमओ डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित कर्मी पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पालिकाध्यक्ष ने भ्रमण कर परखे जलभराव के हालात

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : लगातार बारिश के चलते शहर के निचले इलाकों में हालात बिगड़ गए। जलभराव ने जनजीवन को प्रभावित किया, वहीं कई कॉलोनियों में नाले चोक होने और तालाब ओवरफ्लो होने से हालात गंभीर हो गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगर पालिका चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल स्वयं निरीक्षण पर निकलीं और नाला सफाई टीम को तत्काल सक्रिय करने के निर्देश दिए। चेयरमैन ने जलभराव से जूझ रहे क्षेत्रों में मौके पर पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनीं और समाधान का भरोसा दिलाया।

मंगलवार को बारिश के बाद शहर के अधिकांश इलाकों में जलभराव हो गया था। चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल भी निरीक्षण के लिए निकली। सबसे पहले चेयरमैन नेहरु पार्क के पास बनी सुभाष नगर कॉलोनी, विनायक बिहार कॉलोनी,अंबेडकर नगर कॉलोनी समेत देशनगर में जलभराव की समस्या मिली। इस पर नाला चेक किया तो पता चला कि अधिकतर क्षेत्रों में गोबर व कूड़े के कारण नाले चोक हो गए हैं। जिससे जल निकासी बाधित हो रही है। वहीं तालाबों का जलस्तर भी बारिश के चलते बढ़ गया है, जिससे पानी सड़कों और कॉलोनियों में फैल गया। कई जगह घरों में भी पानी घुसने की शिकायतें मिलीं।

इस पर तत्काल टीम को लगाकर नाला खुलवाया। जहां गोबर से भरे में बैग पड़े मिले। इस पर टीम को निर्देश दिए कि गोबर फेंकने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसके बाद गांधी स्टेडियम रोड का निरीक्षण किया। स्टेडियम में जलभराव देखने को मिला। यहां भी तालाब ओवरफ्लो होने से जलभराव का संकट गहराया मिला। हालांकि नालों में टीम उतारकर सफाई कराई गई।

चेयरमैन ने बताया कि जलभराव की समस्या लो लाइन वाले इलाकों में देखने को मिली। कई जगह तालाब ओवरफ्लो होने से जलभराव की बात निकलकर सामने आई। टीमें लगी हुई है, जो शहर में काम कर रही है।

नाला की सफाई करवाती चेयरमैन डॉ आस्था अग्रवाल ● अमृत विचार

- निचले इलाकों में किया निरीक्षण, नाला सफाई टीम को किया सक्रिय
- गोबर से नाले चोक और तालाब ओवरफ्लो होने से कॉलोनियों में जलभराव

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005

DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi

"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES
ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80773444353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

गाली गलौज का विरोध करने पर की मारपीट

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जहानाबाद थाने में दी गई तहरीर में ग्राम बिसेन के निवासी राम सिंह ने बताया कि 30 जुलाई की दोपहर 12 बजे उसका दामाद मोहल्ला देशनगर अलीगंज निवासी प्रेमस्वरुप उनके घर आकर गाली देने लगा। विरोध करने पर मारपीट की गई। आसपास के लोगों के जमा होने पर जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

ट्रक चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज: बरेली जनपद के लक्ष्मीपुर इलाके की निवासी कमला देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि एक अगस्त को उसका पुत्र अनिल कुमार, पुत्रवधू माधुरी, नातिन छह वर्षीय नैनसी, चार वर्षीय प्रिया बाइक से खमरिया दलेलगंज गांव से अपने घर जोगी नवादा बरेली जा रहे थे।गांव निसरा के पास पहुंचते ही ट्रक ने टक्कर मार दी। जिसमें प्रिया की मौत हो गई जबकि अन्य घायल हो गए। पुलिस ने ट्रक नंबर के आधार पर अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

क्षेत्र पंचायत की बैठक आज

बरखेड़ा, अमृत विचार : क्षेत्र पंचायत की बैठक बुधवार को दोपहर 1 बजे ब्लॉक प्रमुख रामदेवी गंगवार की अध्यक्षता में सभागार में होगी। खंड विकास अधिकारी वेद प्रकाश ने क्षेत्र पंचायत सदस्यों और ग्राम प्रधानों से समय से बैठक में भाग लेने का आग्रह किया है।

चोर होने का मचा शोर, पहुंची पुलिस

पीलीभीत,अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव शेरपुर में सोमवार मंगलवार देर रात चोर होने की सूचना से हड़कंप मच गया। बताया कि गांव में तीन संदिग्ध लोगों को घूमते देखा गया। जिसके बाद यह खबर तेजी से फैल गई।

सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर बाहर निकल आए और संदिग्धों की तलाश में इधर-उधर दौड़ने लगे। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। जिसपर पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों और पुलिस ने मिलकर आसपास के क्षेत्रों में छानबीन की, लेकिन कहीं भी संदिग्ध लोगों का कोई सुराग नहीं मिल सका। पुलिस ने ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की और आश्वासन दिया कि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी, ताकि किसी प्रकार की कोई वारदात नहीं हो।

हरिशंकरी सिर्फ पेड़ ही नहीं बल्कि ऑक्सीजन का भंडार

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार: ब्लॉक सभागार में लोक भारती के तत्वावधान में मंगलवार को हरिशंकरी रोपण अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें पीपल,बरगद और पाकड़ को एक साथ एक- एक फीट की दूरी पर लगाने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्थान चयनित करने के निर्देश दिए गए। उन चयनित स्थानों पर हरिशंकरी का रोपण करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

मुख्य अतिथि ओम प्रकाश ने कहा कि हरिशंकरी सिर्फ पेड़ ही नहीं बल्कि ऑक्सीजन का भंडार है। इसके साथ ही अपनी जड़ों में जल इकट्ठा कर जल कलश का कार्य करते हैं। हरिशंकरी रोपण अभियान के जिला संयोजक नागेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि पूरे पीलीभीत जिले में जिला अधिकारी द्वारा आगामी 19 अगस्त को प्रत्येक ग्राम पंचायत व नगर पंचायत एवं नगर पालिकाओं में एक साथ हरिशंकरी रोपण अभियान होगा। कार्यशाला में दुर्गा प्रसाद ने भी विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष प्यारेलाल कश्यप, चंद्रपाल दिवाकर, रविंदर गंगवार, दीपक सूर्यवंशी, अजय वर्मा आदि मौजूद रहे।

- बरखेड़ा ब्लाक सभागार में हुई लोकभारती की बैठक

कार्यशाला को संबोधित करते मुख्य अतिथि।

न्यूज ब्रीफ

जिला और पलिया मुख्यालय पर एपवा का प्रदर्शन आज

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एशोसिएसन (ऐपवा) की अध्यक्ष कृष्णा अधिकारी ने बताया कि बुधवार को जिला मुख्यालय व पलिया तहसील मुख्यालय पर महिलाओ का प्रदर्शन होगा और मुख्यमंत्री से संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा जाएगा। इसके पहले दोपहर 12 बजे पार्टी की सभी महिलाएं लखीमपुर में विलोवी मैदान में एकत्रित होंगी। पलिया में प्रदर्शन करने के लिए 11:30 बजे पलिया स्टेशन पर एकत्र होगी।

दीवार के नीचे दब कर वृद्ध की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश से मंगलवार सुबह शहर से सटे रामापुर गांव में एक कच्ची दीवार भरभराकर ढह गई। इस दौरान गांव रामापुर निवासी रूप किशोर (60) रोज की तरह टहलने के लिए घर से निकले थे। सुबह करीब साढ़े आठ बजे वह टहल कर घर वापस जा रहे थे। इस बीच प्रकाश के घर की पुरानी कच्ची दीवार बारिश के दौरान अचानक गिर गई। रूप किशोर चपेट में आकर मलबे के नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार मचने पर तमाम ग्रामीण और परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें मलबा हटाकर बाहर निकाला। परिजन उन्हें अस्पताल ले जाते इससे पहले ही उनकी मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि प्रकाश से कई बार दीवार गिराने की बात कही गई, लेकिन उन्होंने किसी की नहीं सुनी।

बाइक की टक्कर से घायल महिला की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना पढुआ क्षेत्र के गांव दीनापुरवा निवासी शिव शंकर की पत्नी चंपा देवी (60) सोमवार की शाम एक अंतिम संस्कार में शामिल होकर घर लौट रही थीं। गौरिया मोड़ बीर बाबा स्थान के पास ई-रिक्शे का इंतजार कर रही थीं। इस बीच बाइक सवार युवक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर घायल हो गईं। आनन-फानन में उन्हें सीएचसी निघासन ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही रोते-बिलखते परिवार के लोग अस्पताल पहुंच गए।

डॉ. अवनीश बने एसडीएम पलिया

पलिया कलां, अमृत विचार : डीएम ने एसडीएम पलिया रत्नाकर मिश्रा का स्थानांतरण एसडीएम (न्यायिक) निघासन के पद पर कर दिया है। जबकि एसडीएम मोहम्मदी डॉ. अवनीश कुमार अब पलिया एसडीएम होंगे। इसके अलावा जनपद में नवागत ज्वाइंट मजिस्ट्रेट चलुव राजु आर. उपजिलाधिकारी मोहम्मदी का कार्यभार संभालेंगे।

शारदा नदी उफान पर, बझेड़ा में बांध को पार कर गया पानी

फसलों में भरा पानी, रास्ते, आवास, तालाब और स्कूल हो रहे लबालब, बझेड़ा गांव का अस्तित्व मिटने की आशंका

संवाददाता, मूड़ा सवारान/भानपुर

अमृत विचारः तराई क्षेत्र में लगातार दो दिन से हो रही बारिश और बनबसा बैराज से छोड़े गए पानी के बाद शारदा नदी एक बार फिर रौद्र रूप में आ गई है। नदी का जलस्तर इतनी तेजी से बढ़ा कि बझेड़ा गांव में बना बांध तक पानी पार कर गया, जिससे ग्रामीणों के घरों में पानी घुस गया और सड़कों से लेकर खेतों तक सब कुछ डूब गया। जिससे बाढ़ प्रभावित गांवों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने बताया कि स्थिति देखकर यह लगता है कि इस बार बझेड़ा गांव का अस्तित्व मिट जाएगा।

तहसील गोला क्षेत्र में बह रही शारदा नदी इस समूचे क्षेत्र को दशकों से प्रभावित करती चली जा रही है। फिर चाहे वह गांव हो या फिर सैकड़ों एकड़ जमीन सभी कुछ शारदा के आगोश में प्रतिवर्ष समाता रहता है। कुछ गांव ऐसे हैं जिन पर हर वर्ष बाढ़ की त्रासदी कहर बरपाती है। सोमवार से हो रही बारिश और बैराज से छोड़े गए पानी से शारदा का जलस्तर बढ़ने के साथ ही नदी एक बार फिर उफना गई है। खेत जलमग्न हो गए हैं। शारदा नदी का पानी तटवर्तीय गांवों में घुस गया है। गांवों तक पहुंचने वाले सभी संपर्क मार्ग जलमग्न हो गए हैं। स्कूलों में पानी भर गया है।

गांव जौहरा, गुजारा, सिंधिया, रामनगर कलां, मेहंदी, रूरा सुल्तानपुर, बेलहा, सिकटिहा, हजूर पुरवा, रेवतीपुरवा, बेचेपुरवा, दौलतापुर, दंबल टांडा आदि गांवों के ग्रामीणों की धड़कनें बढ़ गई हैं। करसौर गांव में अब तक दर्जनों मकान नदी में समा चुके हैं। ग्रामीण पलायन करने को विवश हैं। शारदा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखकर प्रशासन अलर्ट मोड में है। ग्रामीणों ने बताया कि अगर नदी का जल स्तर शीघ्र ही कम न हुआ तो खेतों में फसलें बर्बाद हो जाएंगी। मंगलवार को गोला एसडीएम युगांतर त्रिपाठी, तहसीलदार भीमसेन, कानूनगो सर्वेश यादव, लेखपाल राजीव वर्मा आदि ने मौका मुआयना कर बाढ़ पीड़ितों के लिए भोजन आदि की व्यवस्था कराई है।

बझेड़ा गांव में बांध के ऊपर चल रहा बाढ़ का पानी।

शारदा खतरे के निशान के ऊपर, ग्रामीणों की उड़ी नींद

पलिया कलां, अमृत विचार : बनबसा बैराज से करीब एक लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने से शारदा नदी का जल स्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। इससे निकटवर्ती गांवों की फसलें जलमग्न होने लगी हैं। गांव की सड़कों से लेकर खेत खलिहान तक पानी भरने लगा है। इससे ग्रामीणों की नींद उड़ गई है। नदी के निकटवर्ती गांव मेला घाट, आजाद नगर, बर्बाद नगर, श्रीनगर के लोग नदी में बढ़ते पानी के जलस्तर को देखकर ऊंचे ठिकाने की तलाश शुरू कर दी है। तहसील प्रशासन भी अलर्ट मोड में आ गया है।

करसौर गांव के स्कूल में भरा बाढ़ का पानी। ● अमृत विचार

- एसडीएम, तहसीलदार, कानूनगो, लेखपाल ने किया मुआयना
- बाढ़ पीड़ित परिवारों के लिए भोजन आदि की कराई व्यवस्था

जड़ से उखड़कर गिरा 100 वर्ष पुराना पेड़। ● अमृत विचार

बारिश से किसानों में कहीं गम तो कहीं खुशी

बिलहरी, अमृत विचार : अगस्त के प्रथम सप्ताह में गोला तहसील क्षेत्र के गावों में हो रही तेज मूसलाधार बारिश के चलते गांव क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। बिलहरी क्षेत्र के गांव कैमहरा, जडौरा, पकरिया, देवरिया, कपहरा, बघमरा, बेलाबोझी, बांसगांव सहित एक दर्जन से अधिक गावों में तेज बारिस के साथ हवा के झोकों ने गन्ने की फसल को चौपट कर दिया है, जिससे गन्ने की फसलों को खासा नुकसान हुआ है। वहीं गन्ने की बर्बाद हुई फसलों से किसानों में गम का माहौल है। इसके साथ ही कुछ गन्नों की फसलों के साथ अन्य कई फसलों केला, बाजरा, धान सहित अन्य फसलों को पानी गिरने से बडी राहत मिली है, जिसके चलते किसानों के चेहरे पर खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है। बारिश से कई दिनों से पड़ रही गर्मी से मौसम सुहाना हो गया है, जिससे किसानों व आम जनमानस में लोगों को गर्मी से निजात मिली है।

महिला के बाद तेंदुए ने किया बछड़े का शिकार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः शारदानगर वनरेंज के गांव शीतलापुर के मैनीपुरवा में तेंदुए का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार की रात बुजुर्ग महिला को निवाला बनाने के बाद सोमवार की रात तेंदुआ एक बार फिर गांव में घुस आया और खूंटे से बंधे बछड़े को मार डाला। उसे पकड़ने के लिए गांव के बाहर लगाया गया वन विभाग का पिंजड़ा धरा रह गया। तेंदुआ उस तरफ गया भी नहीं। वन विभाग की टीम ने ड्रोन कैमरे की मदद से तेंदुए की तलाश में सर्च अभियान तेज कर दिया है।

कोतवाली सदर के शीतलापुर गांव के मैनीपुरवा निवासी सोमवती (60) पत्नी स्व. रामपाल रविवार की रात बरामदे में सो रही थी। पड़ोस में गन्ने के खेत से रात करीब 2 बजे तेंदुआ तख्त पर सो रही सोमवती को गन्ने के खेत में खींच ले गया था। सोमवार की सुबह घर से करीब 200 मीटर दूर गन्ने के खेत से महिला का अधखाया शव बरामद हुआ था। इसके बाद वन विभाग हरकत में आया। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने ड्रोन कैमरे से तेंदुए की निगरानी शुरू कर दी।

अधिकारियों के निर्देश पर उसे पकड़ने के लिए गांव में गन्ने के खेत के पास पिंजड़ा लगाया और ट्रैप कैमरा व टीम को लगाकर उसकी निगरानी शुरू की। वन विभाग की तेंदुए को पकड़ने की सारी तैयारियां धरी रह गईं। गन्ने के खेतों से निकलकर तेंदुआ फिर गांव में पहुंच गया। गांव में खूंटे पर बंधे बछड़े को निवाला बना डाला। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लगे अधिकतर खंभों पर रोशनी की व्यवस्था नहीं है। इससे पूरे गांव में अंधेरा रहता है। डिप्टी रेंजर राजेश कुमार ने बताया कि टीम मौके पर मौजूद है और अपना काम कर रही है। उन्होंने बताया कि जल्द ही तेंदुआ पकड़ा जाएगा।

गांव मैनीपुरवा में गन्ने के खेत के पास लगाया पिंजड़ा। ● अमृत विचार

- 24 घंटे में दूसरी घटना से ग्रामीणों में खौफ, ड्रोन से खोज में जुटा विभाग

कॉलोनियां बनीं तालाब, घरों में भरा पानी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः रविवार रात से शुरू हुई बारिश मंगलवार को भी जारी है। लगातार बारिश से सड़कें और गालियां लबालब हो गईं। कॉलोनियां तालाब बन गईं, जबकि घरों में पानी भर गया। वहीं, लगातार बारिश से जिले का मौसम सुहावना हो गया। इससे गर्मी से राहत मिल गई। गन्ने और धान की फसल को फायदा है, लेकिन निचले खेतों के डूब जाने से धान की फसल प्रभावित हुई है। वहीं शहर की कॉलोनियों और घरों में पानी भरने व ग्रामीण इलाकों की सड़कें जलमग्न होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। दिन का अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं बीते 24 घंटे में 30 मिमी बारिश हुई है।

शहर के निचले इलाकों के साथ खीरी मार्ग पर काशीनगर के पास, रोडवेज बस स्टेशन के पास, हीरालाल धर्मशाला चौराहे पर, मोहल्ला शिव कॉलोनी, कचहरी मार्ग, जिला पंचायत कार्यालय परिसर में जलभराव हो गया। रुक-रुककर हो रही बारिश से तापमान भी गिर गया। लगातार बारिश से मौसम खुशगवार होने से लोगों ने राहत की सांस ली।

मौजी नसीरुद्दीन भवन परिसर में गिरा पुराना पेड़ : शहर के मौजी नसीरुद्दीन भवन के मैदान में लगभग 100 वर्ष पुराना पेड़ बारिश के चलते जड़ से उखड़ कर गिर गया। यह परिसर धरना प्रदर्शन के लिए है, इसलिए यह पेड़ धरना प्रदर्शन में आने वाले लोगों को छाया प्रदान करता था।

लखीमपुर शहर के रोडवेज बस अड्डा परिसर में भरा पानी।

शहर के खीरी रोड पर भरा पानी। ● अमृत विचार

- रविवार रात से शुरू बारिश मंगलवार को भी होती रही
- सड़कें और गलियां भी लबालब, आवागमन हुआ बाधित

पानी से लबालब हो गईं कॉलोनियां

पलिया कलां। लगातार बारिश की वजह से जहां उमस भरी गर्मी से राहत मिल गई, वहीं नगर की सड़कों, मोहल्लों और कॉलोनियों में जलभराव हो गया। मंगलवार को सुबह से बारिश के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त रहा।

बारिश का इंतजार काफी दिनों से किसान कर रहे थे। देर मे से हुई पर बारिस सही हुई है। साधारण बरसात से फसलों को लाभ मिलेगा। उपज भी बढ़िया होगी, यदि हवा चल गई तो गन्ना गिरने का डर है। धान, केला, सब्जी की फसल को काफी लाभ मिला है। -**आदित्य कुमार अग्निहोत्री** रोशननगर।

यह वर्षा हमारे लिए बहुत बड़ी राहत है। क्षेत्र में धान की रापाई के लिए यह मौसम बिल्कुल सही है। लंबे समय से बारिश का इन्तजार कर रहे थे। अब हमारी फसलें अच्छी तरह से तैयार हो पाएंगी। बारिश धान और गन्ना की फसल के लिए बहुत ही लाभदायक है। -**संतोष कुमार सिंह पिपरिया डीह।**

बारिश होने से किसानों में खुशी है। भीषण गर्मी से सूख रहीं गन्ने की फसलों को किसी संजीवनी से कम नहीं है। काफी इंतजार के बाद अच्छी बारिश एक साथ देखने को मिली है। गन्ना व धान की फसलें सूख रही थीं, बारिश होते ही एकदम से खिल उठी हैं। -**राजकिशोर शुक्ला** निवासी शेरपुर।

दो दिनों से हो रही बारिश से फसलों को तो फायदा मिल रहा है, लेकिन इसके साथ चल रही तेज हवा से गन्ने व मक्का आदि की फसलों के गिरने की सम्भावना है। खाद न मिलने के चलते किसान अपने खेतों में मन माफिक खाद नहीं डाल पाएंगे। -**अवधेश कुमार तिवारी** निवासी कपरहा।

रिमझिम बारिश में नाव से लालबोझी पहुंचे एडीएम

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः रिमझिम बारिश के बीच मंगलवार को एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने एसडीएम निघासन राजीव कुमार निगम के साथ नाव से लालबोझी गांव पहुंचे, जहां चारों ओर जलभराव के बीच उन्होंने हालात का जायजा लिया।

एडीएम ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। राहत कार्यों की प्रगति जानी। मौजूद प्रशासनिक अमले को निर्देश दिए कि शाम से ही दोनों समय का लंच पैकेट वितरण कराएं, ताकि किसी ग्रामीण को भोजन की समस्या न हो। आशा बहू को निर्देश दिए कि गर्भवतियों को जरूरी दवाएं दी जाएं। पशु चिकित्सा विभाग की टीम को सक्रिय करते हुए बाढ़ प्रभावित इलाकों में पशुओं के टीकाकरण की व्यवस्था तत्काल करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी लेखपालों को अपने क्षेत्रों में निगरानी रखने और जनसंपर्क में रहने के निर्देश दिए। इसके बाद एडीएम रामाधीन इंटर कॉलेज बम्हनपुर बाढ़ आश्रय केंद्र पहुंचे। वहां उन्होंने ठहराए गए लोगों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का हाल जाना। सफाई, भोजन, पेयजल व चिकित्सा आदि सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

बाढ़ प्रभावित लोगों से संवाद करते एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह। ● अमृत विचार

- राहत कार्यों की परखी हकीकत बाढ़ ग्रस्त गांवों में भोजन, दवाओं और पशु सेवा के दिए निर्देश

300 परिवारों को बांटे लंच पैकेट

बाढ़ग्रस्त लालबोझी गांव का निरीक्षण कर लौटते ही एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह के निर्देश पर तहसील प्रशासन ने राहत कार्य तेज कर दिया। मंगलवार शाम तक करीब 300 प्रभावित परिवारों को लंच पैकेट वितरित किए गए। प्रशासन की टीम ने नावों के जरिए भोजन के पैकेट गांव-गांव पहुंचाए। बाढ़ के कारण रास्ते बाधित होने के बावजूद राजस्व व आपदा प्रबंधन टीमें पूरे सक्रिय मोड में नजर आईं। ग्रामीणों ने भोजन मिलने पर राहत की सांस ली।

फसलों में लाभ होने से किसानों के चेहरों पर रौनक

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : दो दिन से हो रही मूसलाधार वर्षा से नगर के निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति हो गई है। कई मोहल्लों में घरों तक पानी घुस गया है। हालांकि धान और गन्ने की फसल को लाभ पहुंचने से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। बरसात से नगर के मोहल्ला नीची भूड़ में घरों के अंदर तक पानी घुस गया है। मेला मैदान में पानी भरा होने से दुकानदारों की बिक्री प्रभावित हुई, साथ ही उनका सामान भीग गया। आंबेडकर पार्क से मिल डाइवर्जन रोड, सिनेमा रोड, वीर अब्दुल हमीद मार्केट से नीची भूड़ रोड, अर्जुन नगर कॉलोनी और नई बस्ती में जल भराव हो गया है जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कतें हुई।

गोला में भूतनाथ मंदिर जाने वाली रोड पर पानी में निकलते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

रविवार से नहीं मिली बिजली, लोगों में रोष

- कर्मचारियों की छंटनी का धरातल पर दिखने लगा असर

संवाददाता, बिझौली

अमृत विचारः संविदा निविदा कर्मचारियों की छंटनी का असर अब धरातल पर दिखने लगा है। बिजली की किल्लत से शहर से लेकर गांवों तक लोग परेशान होने लगे हैं। रात में तेज हवा के साथ बारिश होने से एक पेड़ बिजली के तारों पर गिर गया, जिससे उपभोक्ताओं को बिजली मिलने की उम्मीद कम है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली अपूर्ति का बहुत खराब प्रभाव पड़ा है। संविदा कर्मचारियों की छंटनी के बाद ग्रामीण क्षेत्र की बिजली को लेकर लोग परेशान हैं। गोला से संचालित अलीगंज फीडर की बिजली रविवार से नहीं आई है। फीडर के अंतर्गत लगभग 50 गांव रजागंज, धनिगवा, अमकोटवा, बहेरवा, रमुआपुर, बिझौली आदि में बिजली रविवार रात से नहीं है। छोटे-छोटे कारखाने बंद हो गए हैं। बिजली की खराब व्यवस्था से ग्रामीणों में रोष है। बिजली संबंधी फॉल्ट भी बढ़ गए थे, लेकिन संविदा कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर छंटनी ने एहसास करा दिया कि क्षेत्र की बिजली व्यवस्था सिर्फ संविदा कर्मचारियों के भरोसे ही चल सकती है। जब तक संविदा कर्मचारियों का साथ नहीं होगा फीडर नार्मल नहीं चल चलते, जिसका खामियाजा उपभोक्ताओं को भोगना पड़ रहा है।

सड़क और बिजली के तारों पर गिरा पेड़। ● अमृत विचार

टीजी टू को नहीं पता क्यों नहीं मिल रही बिजली

अलीगंज फीडर पर दो टीजीटू विजय बहादुर और राजेश की पोस्टिंग है, जो लाइन का पूरा काम देखते हैं, लेकिन 48 घंटे से बिजली न मिलने का कोई कारण नहीं बता पाए।

ट्रांसफार्मर का चबूतरा धंसने से बिजली बाधित

रोशननगर, अमृत विचारः हैदराबाद फीडर से संबद्ध रोशननगर में सदर तिकुनिया पर बनाए गए नए चबूतरे के धंसने से उस पर रखा 250 केवी का ट्रांसफार्मर से बिजली आपूर्ति ठप हो गई है।

सदर तिकुनिया पर हाल में ही ट्रांसफार्मर को सुरक्षित रखने के लिए नया पक्का चबूतरा बनवाया गया था, जो कई दिन से हो रही बरसात के दौरान धंस कर क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि ऐसे में कोई अनहोनी नहीं हुई। उपभोक्ताओं ने सूचना बिजली विभाग को दी है, जिससे गांव की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई है।

रूहेलखण्ड कमिश्नरी का प्रथम विधि विद्यालय
SHRIJI INSTITUTE OF LEGAL Vocational Education & Research
Estd. 2003
(SILVER LAW COLLEGE)
(Approved by BCI & Affiliated to MJPRU)
ADMISSION OPEN 2025-26
DIRECT ADMISSION
LL. B. 3 Yrs. Course After Graduation
B.A. LL.B. 5 Yrs. Course After 12th
College Code : 119
General 45%, OBC 42%, SC/ST 40% (in Intermediate & Graduation)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :
9837485855, 9411472001
7983811321, 7906220708, 9068232656
Email.: ravibhatnagar.slcbly@gmail.com
Add : Vill. Barkhapur, PO. Mudia Ahamad Nagar,12th Km. Pilibhit Road, Bareilly

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी
भोजीपुरा, बरेली BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 6 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

ट्रॉली से दबकर कांवड़िया की मौत

मोहम्मदी, अमृत विचार : गोला गोकर्णनाथ कांवड़ चढ़ाने जा रहे एक कांवड़िया की ट्रॉली से गिरकर उसके नीचे दबने से मौत हो गई। शाहजहांपुर जिले के थाना तिलहर के गांव मेहमदपुर निवासी कांवड़िया छोटेलाल (60) अपने साथियों के साथ कांवड़ चढ़ाने ट्रैक्टर-ट्राली से जा रहा था। रेहरिया पेट्रोल पंप के पास वह अचानक ट्रॉली से नीचे गिर गया और पहिए के नीचे दबकर उसकी मौत हो गई।

खोखा तोड़कर सिलाई मशीन चोरी

भानपुर, अमृत विचार : थाना भीरा के कस्बा पड़रिया तुला बाजार में खोखे का ताला तोड़कर चोर उसमें रखी सिलाई मशीन व प्रेस चोरी कर ले गए। घटना के बाद से दुकानदारों में हड़कंप मचा है। पड़रिया तुला निवासी सर्वेश कुमार ने बताया कि वह खोखे में सिलाई का काम करते हैं। मंगलवार सुबह जब वह अपना खोखा खोलने बाजार में पहुंचे तो देखा कि खोखे का पटरा टूटा हुआ था। अंदर से सिलाई मशीन और प्रेस गायब थी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया। पीड़ित ने पुलिस को चोरी की तहरीर दी है।

ग्रामीणों ने संभाली कमान रातभर कर रहे पहरेदारी

पुलिस से उठा भरोसा, खुद लाठी-डंडा लेकर जागते रहो का कर रहे शोर

संवाददाता, बेहजम

पिपरी नरायनपुर गांव में अपने घर की छत पर पहरा देते परिवार के सदस्य।

अमृत विचार: थाना नीमगांव क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने ग्रामीणों का चैन छीन लिया है। गांव पिपरी नरायनपुर समेत आसपास के गांवों में पुलिस से ग्रामीणों का भरोसा उठ चुका है। हालात यह हैं कि अब ग्रामीण खुद ही लाठी-डंडों के साथ टोलियां बनाकर रातभर पहरा दे रहे हैं। गांव में रात के सन्नाटे में जागते रहो की गूंज अब आम हो चली है।

थाना नीमगांव गांव पिपरी नरायनपुर में तीन दिन पहले एक ही रात में पांच घरों के नौ परिवारों के कमरों से पांच लाख रुपये की नकदी और करीब 65 लाख रुपये के जेवर चोर चुरा ले गए थे। ग्रामीणों का कहना था कि चोरों ने ड्रोन कैमरे से निगरानी करते हुए बड़ी घटना को अंजाम दिया था। इससे पहले भी तीन महीने के अंदर थाना नीमगांव क्षेत्र में 30 से अधिक चोरी की घटनाएं हुईं। इक्का-दुक्का घटनाओं को छोड़कर किसी घटना का पुलिस खुलासा नहीं कर सकी। इतना ही नहीं कोई सक्रियता भी नहीं बढ़ाई। लगातार बढ़ती चोरी की घटनाओं के बाद लोगों में चोरों की दहशत व्याप्त है।

गांव पिपरी नरायनपुर के ग्रामीणों में इस कदर खौफ है कि वह पूरी रात जागकर बिता रहे हैं। गांव में टोलियां बनाई गई है। पांच से सात लोग एक टोली में शामिल हैं। यह टोलियां गांव की गलियों से लेकर गांव के बाहर तक लाठी-डंडे लेकर पहरा दे रहे हैं। पूरी रात जागते रहो की आवाजें गांव में गूंजती रहती है। अपने घरों पर भी लोग पहरा दे रहे हैं। गांव के चंदन कुमार, रामेश्वर दयाल आदि ने बताया कि ग्रामीणों को अब पुलिस पर कोई भरोसा नहीं रह गया है।

घटना के अगले दिन की रात में भी गांव में ड्रोन उड़ता देखा गया था। इसकी वीडियो भी ग्राम प्रधान और पुलिस को दी गई थी, इसके बाद भी पुलिस ने कोई गंभीरता नहीं दिखाई। इस वजह से अब हम लोग खुद ही गांव और अपने घरों की रखवाली कर रहे हैं।

बरसात में छाता लगाकर खाद के लिए खड़े किसान

- समिति परिसर में दो सिपाहियों को किया गया तैनात

संवाददाता, निघासन

साधन सहकारी समिति पर बारिश में खाद के लिए छाता लगाकर लाइन में खड़े किसान। ● अमृत विचार

अमृत विचार: यूरिया खाद को लेकर सरकारी इंतजाम नाकाफी साबित हो रहे हैं। मंगलवार को बारिश के बीच किसान छाता लेकर खाद के लिए लाइन में खड़े नजर आए। भीगते हुए घंटों इंतजार करने के बाद भी कई किसानों को खाद नहीं मिल पाई और उन्हें मायूस होकर खाली हाथ लौटना पड़ा।

किसानों ने बताया कि लगातार खाद की किल्लत बनी हुई है। साधन सहकारी समिति निघासन में खाद का वितरण चल रहा है, लेकिन भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है। किसान जगदीश, मनोहर, माजिद अली आदि ने बताया कि बरसात में उम्मीद थी कि भीड़ कम होगी और आसानी से खाद मिल जाएगी, मगर ऐसा नहीं हुआ। खाद वितरण में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए समिति परिसर में दो सिपाहियों को तैनात किया गया है। पुलिस की निगरानी में वितरण किया जा रहा है। वहीं बारिश के कारण समिति परिसर में पानी भर गया, जिससे किसान कीचड़ और पानी में खड़े होने को मजबूर हैं। साधन सहकारी समिति के सचिव कौशल चतुर्वेदी ने बताया कि समिति पर करीब 500 बोरी खाद उपलब्ध थी। एक ट्रक और शाम तक आने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि भीड़ नियंत्रित करने के लिए अब टोकन सिस्टम लागू किया गया है। एक दिन दिन टोकन तो दूसरे दिन वितरण किया जा रहा है।

भीगते हुए अपनी बारी का कर रहे इंतजार

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचार: मंगलवार को बिजुआ ब्लॉक क्षेत्र के मालपुर खाद वितरण केंद्र पर सुबह सात बजे से किसानों की लंबी लाइन गई। बरसात में घंटों खड़े रहने के बाद भी सैकड़ों किसानों को निराशा हाथ लगी। केंद्र पर प्रशासन की बदइंतजामी का आलम यह था कि बढ़ती भीड़ को संभालने के बजाय किसानों के दस्तावेज जमा कराने के बाद जिम्मेदारों ने किसानों को खाद के लिए अगले दिन आने का फरमान सुना दिया। बारिश में भीगते किसान आठ से 10 किमी दूर से आए भूखे-प्यासे खड़े रहकर टोकन का इंतजार करते रहे। दोपहर में सुनाए गए फरमान से किसान बैरंग लौट गए।

केंद्र पर खाद लेने आए किसान सुरेश चंद्र, दिनेश कुमार, बंशीधर, सेवाराम, राजबहादुर, दिलशाद खान, श्यामलाल, दीनबंधु, जगदीश प्रसाद आदि ने बताया कि इस समय खेतों में धान की फसल को खाद की आवश्यकता है। समय से खाद नहीं मिली तो सारी मेहनत बेकार चली जाएगी। किसानों की मांग है कि तत्काल पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद की व्यवस्था की जाए अन्यथा आने वाले दिनों में अन्न का संकट पैदा हो जाएगा।

बिजली लाइन क्षतिग्रस्त, खंभा गिरा, कस्बे की बिजली गुल

मेन मार्केट मार्ग पर गिरा बिजली का खंभा व पेड़। ● अमृत विचार

औरंगाबाद, अमृत विचार: कस्बा औरंगाबाद समेत पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित रही। रविवार से हो रही लगातार बारिश और हवा चलने से बिजली विभाग को काफी नुकसान उठाना पड़ा। कई जगहों पर हाईटेंशन लाइनों पर वर्षों पुराने पेड़ गिर गए। इससे बिजली सप्लाई बाधित हो गई। रामलला चौक से मेन मार्केट जाने वाले मार्ग पर हाईटेंशन लाइन पर पेड़ गिर गया। जिससे पूरे कस्बे की बिजली गुल हो गई।

प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता के लिए युवाओं ने सौंपा ज्ञापन

एसडीएम को संबोधित ज्ञापन थाने में देने जाते युवा। ● अमृत विचार

मैगलगंज, अमृत विचार: क्षेत्र के जागरूक युवाओं ने प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्धता सुनिश्चित करने की मांग को लेकर एक एसडीएम को संबोधित ज्ञापन थाना मैगलगंज प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार पांडेय को सौंपा है।

ज्ञापन में प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रही अनियमितताओं, पेपर लीक की घटनाओं और परीक्षाओं के स्थगन को लेकर नाराजगी जताई गई है।ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से प्रशांत मिश्रा, अभिजीत शुक्ला, सचिन मौर्या, रविवार सिंह सहित कई अन्य प्रतियोगी छात्र मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि यदि शीघ्र ही कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई तो युवा आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

कुत्ते ने छह से अधिक पशुओं को काटकर किया घायल

मझगई, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के बुद्धापुरवा गांव में सोमवार की रात आवारा कुत्ते ने आधे घंटे के भीतर करीब छह पशुओं को काटकर जख्मी कर दिया। इससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने बड़ी मुश्किल से कुत्ते को भगाया। ग्रामीणों ने बताया कि रात करीब तीन बजे एक कुत्ते ने सबसे पहले श्रीपाल यादव के घर पिल्लों को मार डाला। पिल्ले को बचाने आई कुतिया को भी नोच डाला। पूर्व प्रधान जगदीश यादव के घर बछिया को काट लिया। प्रताप के कुत्ते, देशराज के बछड़े व कुत्ते को भी काटकर जख्मी कर दिया। सुबह ग्रामीणों ने सभी घायलों मवेशियों को रैबीज का टीका लगवाया और वन विभाग व पशु चिकित्सा विभाग को सूचना दी।

30 तक करा सकेंगे फसलों का बीमा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- अब तक 7000 से अधिक किसान योजना से जुड़ चुके
- सरकार ने बीमा योजना के तहत बीमा कराने की तिथि बढ़ाई

अमृत विचार: किसानों को राहत देते हुए भारत सरकार ने पीएम फसल बीमा योजना के तहत बीमा कराने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब ऋणी किसानों के लिए यह तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 30 अगस्त 2025 कर दी गई है, वहीं गैर ऋणी किसानों के लिए यह तिथि 14 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है।

जिला कृषि अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि गैर ऋणी किसान अपना आधार कार्ड, स्वप्रमाणित फसल बुवाई घोषणा पत्र, नवीनतम खतौनी की नकल, बैंक पासबुक की छायाप्रति लेकर नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर या बैंक शाखा में जाकर निर्धारित प्रीमियम राशि जमा कर बीमा करा सकते हैं। ऋणी किसान अपने बैंक से संपर्क कर यह सुनिश्चित कर लें कि उनकी फसल का बीमा किया गया है या नहीं। यदि अब तक बीमा नहीं हुआ है तो तुरंत बैंक को सूचित कर बीमा कराएं। फसल बीमा के लिए इस वर्ष यूनिवर्सल सैम्पू इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को नामित किया है। अब तक 7000 से अधिक किसान योजना से जुड़ चुके हैं। योजना के तहत बीमित किसान आपदा की स्थिति में 72 घंटे के भीतर टोल फ्री नंबर 14447 पर सूचना देकर क्लेम प्रक्रिया शुरू करा सकते हैं। इसी नंबर पर कॉल कर योजना से जुड़ी अन्य जानकारियां भी प्राप्त की जा सकती हैं।

ये फसलें की जाएंगी बीमित

किसान खरीफ सीजन की अधिसूचित फसलें जैसे कि धान, मक्का, उड़द और मूंगफली का बीमा करा सकते हैं। योजना के अंतर्गत प्राकृतिक आपदाओं, कीट, रोग, ओलावृष्टि, जलभराव, बादल फटना, भूस्खलन, बिजली गिरना, चक्रवात या बेमौसम वर्षा से फसल को क्षति होने पर किसानों को बीमा लाभ मिलेगा। यह योजना फसल की असफल बुवाई से लेकर कटाई के बाद खेत में सुखाई तक की अवधि में नुकसान की भरपाई करती है।

SEXOLOGIST
आखिर कब तक शर्माते रहोगे
हर उम्र में जबरदस्त
ताकत व रुकावट
प्राप्त करें
शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी

मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज में पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।

मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीघ्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।

मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।

क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, धात, शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चुके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic

भारत प्रसिद्ध YouTube पर Search करें गोल्ड मेडेलिस्ट
डा.शेख
Best Sexologist in india आयुर्वेदा
मिलें हर मंगलवार
ईसाईयों की पुलिया
बरेली
निकट सैटेलाईट बस स्टैण्ड
9837023223

42 किलो खराब मिठाई नष्ट कराई 27 नमूने लेकर जांच को भेजे

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

गोला गोकर्णनाथ में एक दुकान पर नमूना लेती जांच टीम। ● अमृत विचार

- रक्षाबंधन से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई से हड़कंप
- गोला गोकर्णनाथ में मिष्ठान की दुकानों पर मारा था छापा

अमृत विचार: रक्षाबंधन से पहले खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने जिलेभर में विशेष अभियान चलाया। दो दिन के भीतर 10 से अधिक बाजारों से 27 खाद्य नमूने लिए गए, जबकि 42 किलोग्राम से अधिक अस्वच्छ और खराब मिठाइयां मौके पर ही नष्ट कराई गईं।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राम आशीष मौर्य के नेतृत्व में गठित टीमों ने खीरी बाजार, अमृतागंज, बेहजम बाजार, सिकंदराबाद, संसारपुर, मैगलगंज, धौरहरा, बांकेगंज, गोला गोकर्णनाथ में मिष्ठान की दुकानों पर छापा मारा था। इस दौरान 42 किलोग्राम खराब अस्वच्छ मिठाई के लिए नष्ट कराया गया।

टीम ने विभिन्न जगहों से 27 नमूने लिए हैं। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी। छापामार टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रमेश सिंह, इंद्र राज मौर्य के अलावा विपिन सिंह, नत्थू कुशवाहा, रामबाबू, रामजी शुक्ल, अभिषेक कुमार, अरविंद सिंह और विश्राम रावत शामिल रहे।

मंदिर परिसर में पौध उखाड़ी, विरोध पर पुजारी को धमकाया

भानपुर, संवाददाता। थाना भीरा क्षेत्र के लखीमपुर भीरा राजमार्ग पर स्थित प्राचीन बरमबाबा मंदिर परिसर में कुछ दिन पहले रोपित किए गए पौधों को पड़ोस के लोगों ने उखाड़ कर फेंक दिया। पुजारी ने जब विरोध किया तो मारने-पीटने की धमकी दी। मंदिर समिति के सदस्य महेश सिंह ने वन विभाग को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। महेश सिंह ने बताया कि कुछ माह पहले मंदिर परिसर में पौधरोपण के तहत 4 सागौन और 1 शहतूत का पौधा लगाया था। सोमवार सुबह लगभग चार बजे ध्यान सिंह, शर्मा और ध्यान सिंह के परिवार के सदस्यों ने इन पौधों को काट कर नष्ट कर दिया। मंदिर के पुजारी ने विरोध किया, तो गाली-गलौज की। मारपीट कर झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दी। फॉरेस्टर शरद मिश्रा ने बताया कि मौके की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

हटाए गए सड़क पर रखे गए सीमेंट के बोल्डर

गोला में सीमेंट के बोल्डर हटाती जेसीबी। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: सावन में शिव भक्तों, कावड़ियों की भीड़ को नियंत्रण करने के लिए रोड पर रखे गए सीमेंट के बोल्डर पुलिस की मौजूदगी में मंगलवार शाम को हटवाए गए, ताकि नगर निवासियों को आवागमन में कोई बाधा न हो।

सावन की 11 जुलाई से शुरुआत होते ही कांवड़ियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए नगर के सभी प्रमुख मार्गों पर लोहे के फाटक, बैरिकेडिंग और सीमेंट के बोल्डर रखवा कर व्यवस्था प्रशासन ने कराई थी। अलीगंज रोड, स्टेशन रोड पर रखवाए गए सीमेंट के बोल्डर को मंगलवार शाम पुलिस की मौजूदगी में हटवाए गए। सावन का अंतिम सोमवार भूतनाथ मेला हो जाने के बाद अब भीड़ की संभावना में कमी आने पर प्रशासन ने सीमेंट के बोल्डर को हटवा दिया है। इससे नगर निवासियों, राहगीरों ने राहत की सांस ली है।

बरतेर सरैया नहर पुल में मिला युवक का शव

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना खीरी क्षेत्र में गांव बरतेर सरैया के निकट शारदा ब्रांच नहर पुल के पास शव उतराता देखा गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव बाहर निकाला। शव की पहचान नहीं हो सकी है। शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। मंगलवार सुबह कैमा खादर से खैराबाद जाने वाले मार्ग पर ग्राम बरतेर सरैया के निकट शारदा ब्रांच नहर पुल के पास कुछ लोगों ने शव उतराता देखा तो सूचना पुलिस को दी। एसओ निराला तिवारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकलवाया और पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन पहचान नहीं हो सकी है। एसओ ने बताया कि शव की उम्र करीब 40 वर्ष है। मृतक सफेद रंग की शर्ट और नीले डार्क कलर की अंडरवियर पहने है।

छोटी काशी में मंगलवार को भी जलाभिषेक को पहुंचे श्रद्धालु

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

गोकर्ण तीर्थ में डुबकी लगाते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

भूतनाथ कुएं पर पूजा करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

- बारिश के बावजूद शिव मंदिर और भूतनाथ मंदिर में हुई पूजा

अमृत विचार: सावन माह के अंतिम चौथे सोमवार को भूतनाथ मेला में आए हजारों श्रद्धालु बारिश होने की वजह से नहीं गए। उन्होंने मंगलवार को एकादशी पर पौराणिक शिव मंदिर में जलाभिषेक कर भूतनाथ मंदिर में दर्शन, पूजन कर मेला परिसर में लगी दुकानों पर लकड़ी के समान और राखियों की खरीदारी की।

छोटी काशी गोला में नाग पंचमी के बाद पढ़ने वाले सोमवार को प्राचीन भूतनाथ मेला लगता है, जिसमें दूर दराज, आसपास के जनपदों से श्रद्धालु और दुकानदार मेले में आते हैं। इस बार मौसम सही न होने की वजह से सोमवार से लेकर मंगलवार तक श्रद्धालुओं और दुकानदारों की भीड़ बनी रही। मंगलवार को एकादशी होने के चलते श्रद्धालुओं ने पौराणिक शिव मंदिर में विधि विधान से पूजा, अर्चना कर जलाभिषेक किया। उन्होंने तीर्थ पर बैठे पुरोहितों से कथा सुनकर दान पुण्य किया। बारिश में भीगते हुए श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक शिव जी के दर्शन करने के बाद त्रिलोक गिरी मंदिर, अहमदनगर स्थित क्लेशहरण मंदिर, कंजा बाबा देवस्थान और भूतनाथ मंदिर में दूध, गंगाजल, फल, फूल, बेलपत्र, भांग, धतूरा, सुगंधित धूप, दीप अर्पित कर दर्शन, पूजन किया और भूतनाथ मेला परिसर पर लगी दुकानों पर लकड़ी के बने फर्नीचर के साथ ही राखियों की भी खरीदारी की। पौराणिक शिव मंदिर पर क्षेत्र से लेकर भूतनाथ मंदिर परिसर तक सुरक्षा के व्यापक इंतजाम रहे।

एकादशी के दिन कथा सुनने का है विशेष महत्व

मंगलवार को एकादशी होने के चलते तमाम श्रद्धालुओं, शिव भक्तों ने व्रत रखकर भोलेनाथ का जलाभिषेक कर गोकर्ण तीर्थ पर बैठे पुरोहितों से कथा सुनकर दान पुण्य किया। तीर्थ पुरोहित पंडित कृष्ण कुमार ने बताया कि एकादशी के दिन कथा सुनने और दान-पुण्य का विशेष महत्व होता है। इससे न केवल पुण्य की प्राप्ति नहीं होती बल्कि जीवन में सुख, समृद्धि भी आती है। एकादशी के दिन किसी तीर्थ या घाट पर कथा के प्रभाव से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। मृत्यु के बाद उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। एकादशी पर अन्न, वस्त्र और शंख का दान शुभ माना जाता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को एकादशी के दिन क्रोध और हिंसा नहीं करनी चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेन की चपेट में आने से ग्रामीण की मौत

निगोही/शाहजहांपुर, अमृत विचार : गांव उदारा निवासी श्रीपाल (55) मंगलवार को शाम 4 :30 बजे रेल लाइन के किनारे जानवर चरा रहा था। पीलीभीत से शाहजहांपुर ट्रेन आ रही थी। वह जानवर भगाने लगा तो अचानक ट्रेन की चपेट में आकर श्रीपाल की मौत हो गयी। मौत की खबर सुनकर परिवार वाले मौके पर पहुंचे। स्टेशन मास्टर ने निगोही थाना को सूचना दी।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

मदनापुर/शाहजहांपुर, अमृत विचार : दौलतपुर गांव में एक महिला की तबीयत खराब हो गई। परिवार वाले सीएचसी ले गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर निवासी पवन ने बताया उसकी पत्नी रिंकी (24) सोमवार शाम खाना बना रही थी। अचानक तबीयत खराब हो गई उसे जलालाबाद सीएचसी ले गए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

विधायक के ऑडियो ने खोली भ्रष्टाचार की पोल

नगर पालिका का मामला: सड़कों के निर्माण में घपलेबाजी की शिकायतों पर विधायक ने जेई को दी चेतावनी

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: भाजपा विधायक रोमी साहनी के वायरल ऑडियो ने नगर पालिका परिषद के भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। दरअसल, मामला सड़कों के निर्माण में घपलेबाजी और पूर्व सभासद द्वारा डंफर और स्ट्रीट लाइट खरीद में लाखों का कमीशन लिए जाने की मुख्यमंत्री और डीएम से शिकायत की है। खबरें चलीं और मीडिया ने विधायक से सवाल किए, जिस पर उन्होंने जेई से बातचीत करते हुए चेतावनी दी। विधायक ने कहा कि नगर की सड़कों के निर्माण में धांधली की जा रही है। वायरल ऑडियो में विधायक जेई को फटकार लगाते हुए स्पष्ट कह रहे हैं कि नगर की सड़कों के निर्माण में धांधली की जा रही है। जनता हाय तोबा कर रही है, हमारी पार्टी की बदनामी हो रही है और पानी अब सिर से ऊपर हो चला है।

मैं धृतराष्ट्र बनकर अब चुप नहीं रह सकता। वायरल ऑडियो में जब विधायक नगर पालिका के जेई से एक सड़क के निर्माण में की गई धांधली के बारे में पूछते हैं तो जेई उस सड़क के निर्माण में पुरानी ईंट लगाए जाने की बात स्वीकारते हुए ठेकेदार का भुगतान रोकने की बात कहते हैं।

इसके बाद विधायक और नाराज हो जाते हैं और वह जेई से कहते हैं कि उन्होंने अभी तक किसी का कोई नुकसान नहीं किया है, किंतु यदि कमीशन लेकर ऐसी सड़क का भुगतान किया तो समझ लेना कि मैं डीएम से नहीं, सीधे मुख्यमंत्री से शिकायत करुंगा।

लाइटों की खरीद में 40 लाख रुपये की अनियमितता

3363 रुपये की लाइट का 14984 रुपये भुगतान

पलिया के मोहल्ला पठान निवासी पूर्व सभासद नजर अहमद ने जिलाधिकारी सहित प्रदेश के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, नगर विकास मंत्री, निकाय निदेशक, मंडल आयुक्त आदि को शपथ पत्र पर भेजा है। ससाक्ष्य शिकायत में नगर पालिकाध्यक्ष पलिया द्वारा डंफर व स्ट्रीट लाइट की खरीद में 10 लाख की अनियमितता की जांच कराकर कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने लिखा है कि पॉलीकैप 150 बॉट की स्ट्रीट लाइट का बाजार मूल्य जीएसटी सहित 3,363 रुपये प्रति लाइट है। आरोप है कि नगर पालिका ने इन्हीं लाइटों के लिए 14,984 रुपये प्रति लाइट भुगतान किया। इस तरह 350 लाइटों की खरीद में 40 लाख रुपये की अनियमितता की गई।

आमने-सामने

जनता का भरोसा ही मेरे लिए सबकुछ

पालिकाध्यक्ष भी भाजपा की सिपाही हैं, लेकिन मेरे लिए जनता का भरोसा ही सबकुछ है। सड़क निर्माण सहित अन्य खरीद फरोख्त में भ्रष्टाचार की लगातार शिकायतें मिल रही हैं, इसलिए पालिका के जेई को आगाह कर दिया है। यदि सुधार न किया गया तो मुख्यमंत्री से मिलकर पूरे मामले से अवगत कराएंगे। भ्रष्टाचार में जो भी लिप्त होगा, वह भुगतेगा।

–रोमी साहनी, विधायक, पलिया।

विधायक को मुझसे बात करनी चाहिए थी

सड़कों का गलत निर्माण करने वाले ठेकेदारों को नोटिस दिया है। साथ ही किसी भी निर्माण का भुगतान नहीं किया है। सही से सड़कें बन जाएंगी तभी भुगतान किया जाएगा। विधायक का वायरल ऑडियो सुना, लेकिन विधायक की तरह वह भी भाजपा की समर्पित सिपाही हैं। कोई बात यदि थी तो विधायक ऑडियो वायरल करने से पहले मुझसे बात कर सकते थे।

–लक्ष्मी देवी गुप्ता, नगर पालिकाध्यक्ष

घरेलू नौकर ने चुराईं सोने की तीन अंगूठियां, छह पर रिपोर्ट

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- कामवाली ने बहाना बनाकर अपने बेटे को काम करने के लिए भेजा

अमृत विचार: नगर के मोहल्ला मुन्नूगंज में एक घर में घरेलू काम करने वाली ने बहाना बनाकर अपने बेटे को भेजा, जिसने मौका पाकर सोने की तीन अंगूठियां चुरा लीं। घटना में छह के नामजद रिपोर्ट दर्ज हुई है।

मोहल्ला मुन्नूगंज निवासी इस्लाम खान की पत्नी मोनी खान ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उन्होंने घर पर घरेलू काम करने के लिए फरधान थाना क्षेत्र के गांव सल्लिहा निवासी इदरीसी शाह की पत्नी हसीनबानो को नौकरानी रखा था। पांच छह माह पूर्व उसने बहाना बताया कि उसे ईंट भट्ठे पर अधिक सैलरी मिल रही है, जिससे वह काम नहीं करेगी।

जून में फिर उसने घर में काम करने की इच्छा जताई और अपने पुत्र साजन को काम करने के लिए भेज दिया, जो अब तक सही काम करता रहा किंतु चार जुलाई को दोपहर दो बजे नौकर साजन ने अलमारी खोली, खटपट की आवाज सुनकर जब वह आई तो साजन मालकिन को देखकर भाग गया।

मोनी खान का कहना है कि जब उन्होंने अलमारी देखी तो उसमें सोने की 10-10 तोला की तीन अंगूठी गायब थीं। साजन की मां हसीन बानो को बुलाने पर पता चला कि मां और बेटा मिलकर इससे पहले अन्य घरों में चोरी कर चुके हैं, जिनमें उसके मामा हैदर, छोटू निवासी मुन्नूगंज, साजन का चाचा हफीज ने चोरी की हैं। कामवाली ने बताया कि मुमताज निवासी मुन्नूगंज के हाथ अंगूठी बेची हैं। पुलिस ने चोरी की घटना में संलिप्त छह लोगों के नामजद रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

गल्ला वितरण में लापरवाही से ग्रामीणों में रोष

संवाददाता, मझगई

अमृत विचार: ग्राम पंचायत बल्लीपुर कला में राशन वितरण को लेकर ग्रामीणों में भारी रोष देखने को मिल रहा है। गांव के कोटेदार राजकुमार शाक्य पर बीते तीन महीनों से राशन न बांटने और अंगूठा लगवाकर सिर्फ पर्ची थमाने के आरोप लगे हैं। ग्रामीणों की शिकायत पर पूर्ति निरीक्षक रामजी यादव ने गांव पहुंचकर जांच शुरू की।

ग्रामीण शहीदा, शन्नो, नूरजहां, जाकिर, अली हुसैन सहित कई कार्ड धारकों ने बताया कि कोटेदार हर बार उन्हें कल आना कहकर टरकाता है, जबकि उन्हें कभी तय मात्रा में राशन नहीं दिया। कई लोगों ने तो कोटेदार पर राशन को ब्लैक में बेचने का आरोप भी लगाया है।

जांच के दौरान कोटेदार मौके पर मौजूद नहीं था, लेकिन दर्जनों ग्रामीण अपने राशन कार्ड और कराई। शेरपुर की यज्ञ में हवन पूजन कराकर यज्ञाचार्य पवन कुमार वाजपेयी ने बताया कि अग्निदेव प्राकट्य होते ही वैदिक मंत्रोच्चार कर यजमानों से हवनकुंड में आहुति शुरू हुई। आज हवन पूजन किया गया। बारिश की खलल के कारण प्रवचन व रासलीला का कार्यक्रम नहीं हो सका।

ग्राम पंचायत बल्लीपुर कला में जांच करते पूर्ति निरीक्षक रामजी यादव। ● अमृत विचार

- ग्रामीणों की शिकायत पर पूर्ति निरीक्षक ने शुरू की जांच

शिकायत के समर्थन में मौजूद रहे। पूर्ति निरीक्षक ने कार्ड धारकों के बयान दर्ज किए और कहा कि निष्पक्ष जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। इस बीच गांव में मामला दो पक्षों में बंटता नजर आया। एक ओर जहां ग्रामीणों का एक बड़ा गुट कोटेदार को हटाने की मांग कर रहा है, वहीं कुछ लोगों ने कोटेदार के समर्थन में प्रदर्शन कर आरोपों को झूठा बताया। कोटेदार राजकुमार शाक्य ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उन्हें जानबूझकर बदनाम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी निष्कर्ष आएंगे, वह उन्हें स्वीकार होंगे।

फूलबेहड़ पुलिस पर कोर्ट का आदेश बेअसर

संवाददाता, कुकरा

- खुलेआम घूम रहे हैं ओम प्रकाश के कातिल

अमृत विचार: थाना फूलबेहड़ निवासी पारुल ने अपने पति के हत्यारोपियों पर अब उसकी हत्या करने का ताना बाना बुनने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि आरोपी उसे जान से मार देने की धमकी दे रहे हैं।

पारुल ने बताया कि उसके पति ओम प्रकाश की 2020 में रामू यादव निवासी श्रीनगर थाना फूलबेहड़ और इंद्रेश निवासी गदाईपुर कोतवाली सदर ने हत्या कर दी थी, जिसकी नामजद रिपोर्ट दर्ज हुई थी। फूलबेहड़ पुलिस ने हत्यारोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। उसने मजबूर होकर न्यायालय में वाद प्रस्तुत किया। न्यायालय ने हत्यारोपियों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के निर्देश दिए। गिरफ्तारी न होने पर कोर्ट ने सीआरपीसी की धारा 82 के तहत कार्रवाई के आदेश दिए। इसके बाद भी फूलबेहड़ पुलिस ने हत्यारोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है।

पीड़िता पारुल का कहना है कि हत्यारोपियों के समर्थक रनधीर और सनद यादव भी अब उसे धमकी देते हैं कि हत्या करने के बाद ही वह जेल जाएंगे। प्रभारी निरीक्षक अवधराज सिंह सेंगर ने बताया कि गैर जमानती वारंट व सीआरपीसी की धारा 82 के अंतर्गत जारी किया गया वारंट उनके संज्ञान में है। हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा, उनकी तलाश जारी है।

पुल पर बच्ची को बैठाकर नदी में कूदी मां

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: थाना खमरिया क्षेत्र में मंगलवार की शाम दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शाम करीब साढ़े चार बजे पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर जसवंतनगर पुल पर पहुंची एक महिला ने अपनी एक वर्षीय मासूम बच्ची को पुल के फुटपाथ पर छोड़ दिया। पास में ही अपनी चप्पलें व दोनों पैरों की पायल उतार दीं और नदी में छलांग लगा दी। इससे वहां हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस गोताखोरों को नदी में उतारकर महिला की तलाश करा रही है, लेकिन देर शाम तक कोई पता नहीं चल सका है। महिला कहां की रहने वाली है। उसका नाम क्या है। पुलिस इसका पता लगा रही है।

खमरिया थाना क्षेत्र के लुधौनी जसवंतनगर गांव के बीच शारदा नदी के पुल का नजारा दिल दहला देने वाला था। भीड़ थी, शोर था, लेकिन

पुल पर महिला की चप्पलें, पायलें और बैठी उसकी मासूम बच्ची।

सबकी निगाहें बस एक तस्वीर पर टिकी थीं। एक मासूम बच्ची, जो न कुछ बोल रही थी, न रो रही थी। वो फुटपाथ पर बैठी थी, अकेली... बेसहारा। उसके बगल में चांदी की पायलें और एक महिला की चप्पलें पड़ी थीं। कुछ ही देर पहले उसकी मां ने उसे वहीं छोड़कर नदी में छलांग लगा दी थी।

स्थानीय कुछ लोगों ने महिला को पुल की रेलिंग पर चढ़ते देखा भी था। कुछ पल बाद वह पानी में समा

- जसवंतनगर पुल पर मां की चप्पल पकड़कर बैठी मासूम

गई। न चीख, न पुकार। बस एक खामोशी। जैसे कोई दर्द था जो बोल नहीं पा रहा था, कोई बोझ था जिसे अब और ढोया नहीं जा सका। सूचना पर मौके पर पहुंची खमरिया पुलिस ने बच्ची को सुरक्षा में लेकर महिला सिपाही को सौंप दिया है।

थानाध्यक्ष ओपी राय ने बताया कि बच्ची लगभग एक साल की है। अभी तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। उसकी तस्वीर सोशल मीडिया और पुलिस चैनलों के जरिए वायरल की गई है, ताकि कोई उसे पहचान सके, कोई उसका अपना सामने आए। पुलिस की टीमें नदी में महिला की तलाश में जुटी हैं। आसपास के थानों से संपर्क किया जा रहा है। लेकिन सवाल है कि क्या मजबूरी रही होगी जो एक मां को अपनी मासूम को छोड़ इस तरह खुद को मिटा देने पर मजबूर होना पड़ा?

शेरपुर में श्री रुद्रमहायज्ञ में हुआ अरणी मंथन

शेरपुर में अरणी मंथन करते यजमान। ● अमृत विचार

संवाददाता, केशवापुर

अमृत विचार: बारिश की खलल के चलते गांव शेरपुर में हो रही श्री रूद्रमहायज्ञ के चौथे दिन यज्ञाचार्य पंडित पवन कुमार वाजपेयी ने आचार्यों से पूजन कराकर यजमानों सपत्नीक से वैदिक मंत्रोचारण कर अरणी मंथन कर अग्नि प्रज्वलित

रोस्टिंग और ट्रिपिंग से ग्रामीण हुए परेशान

खुटार, अमृत विचार: खुटार क्षेत्र के विद्युत उपकेंद्र रामपुर कला में लगातार हो रही ट्रिपिंग व रोस्टिंग को लेकर लगातार ग्रामीण परेशान होने को मजबूर हो रहे हैं। जिसको लेकर ग्रामीणों ने विद्युत एसडीओ पुवायां को भी कई बार शिकायती प्रार्थना पत्र दिए लेकिन उसके बावजूद भी सुधार नहीं हुआ।

ग्रामीणों ने मंगलवार को लगातार तीन से चार घंटे रोस्टिंग उसके बाद ट्रिपिंग को लेकर जब विद्युत उपकेंद्र पर पहुंचकर शिकायत की तो विद्युत उप केंद्र पर मौजूद एक कर्मचारी ने अपने आप को जेई का रिश्तेदार बताते हुए कहा कि यहां इसी हिसाब से विद्युत सप्लाई दी जाएगी। जिस पर ग्रामीणों ने मुख्य अधिशासी अभियंता शाहजहांपुर को शिकायती प्रार्थना पत्र भेज कर विद्युत सप्लाई सुचारू रूप से चालू करने व विद्युत उपकेंद्र पर मौजूद कर्मचारी द्वारा उपभोक्ताओं से अभद्रता करने की जांच करा कर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस की मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

संवाददाता, मितौली

अमृत विचार: थाना मितौली पुलिस व स्वॉट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट में वांछित 50 हजार रुपये के इनामी अपराधी को मुठभेड़ में पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से अवैध तमंचा, एक खोखा व एक कारतूस बरामद हुआ है। उसके एक पैर में गोली लगी है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीओ मितौली जितेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि मितौली सोमवार की रात पुलिस और क्राइम ब्रांच की स्वॉट टीम वांछित अपराधियों की तलाश में थी। मैनहन रोड नवोदय विद्यालय से पिरई नदी को जाने वाले रास्ते पर पुलिस टीम को संदिग्ध युवक दिखाई दिया। पुलिस ने घेरकर पकड़ने की कोशिश की तो उसने पुलिस टीम पर गोली चला दी।

मुठभेड़ में घायल बदमाश इरफान को पकड़कर ले जाती पुलिस। ● अमृत विचार

- तमंचा-कारतूस बरामद, चंदौली के थाना सैयदराजा से गैंगस्टर एक्ट में वांछित था आरोपी

जवाबी फायरिंग में गोली आरोपी के पैर में लगी और वह गिर गया, जिसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया है।

पकड़े गए बदमाश की पहचान इरफान निवासी गुलरा टांडा थाना मझगईं लखीमपुर खीरी के रूप में हुई है। वह चंदौली जनपद के थाना सैयदराजा में पंजीकृत गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित था। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। इरफान पर विभिन्न थानों में छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी के खिलाफ मितौली थाने में कार्रवाई की जाएगी।

अमित हत्याकांड के तीन आरोपी गिरफ्तार

पुलिस की गिरफ्त में तीनों हत्यारोपी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: सदर कोतवाली पुलिस ने सैधरी उल्ल नदी पर गांव सैधरी निवासी अमित भार्गव की हत्या मामले में दो भाइयों समेत नामजद 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को चालान भेजकर पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से अदालत ने तीनों को जेल भेज दिया है।

तीन दिन पहले सैधरी के पास उल्ल नदी पुल पर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई थी, जिसमें एक पक्ष के घायल गांव सैधरी निवासी अमित भार्गव की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई थी। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने जमकर बवाल किया था।

दो दिनों तक चले बवाल के बाद पुलिस ने नामजद हत्यारोपी वसीम, शमीम और असलम को गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक सदर हेमंत राय ने बताया कि तीनों आरोपियों का मंगलवार को चालान भेजा गया है। कोर्ट ने तीनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लाठी, एक बांका और एक गड़ासी बरामद की है।

कुत्ते के काटने से बीमार बुजुर्ग की मौत

बंडा, अमृत विचार: गांव ढुकरी बुजुर्ग को कुछ दिन पहले कुत्ते ने काट लिया था, जिससे वह बीमार हो गए थे। सोमवार की रात उनकी तबियत अचानक बिगड़ी और अस्पताल ले जाने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

परिवारजन अंतिम संस्कार की तैयारी में जुटे, लेकिन बारिश और गांव के श्मशान घाट की दुर्दशा बाधा बन गई। ग्रामीणों के मुताबिक गांव में बना श्मशान घाट करीब एक एकड़ में फैला है, लेकिन अधिकतर भूमि पर लोगों का कब्जा है। इसके अलावा वहां टिन शेड जैसी मूलभूत सुविधा नहीं है। गांव के लोगों ने रामनरेश का अंतिम संस्कार चार किलोमीटर दूर कुंडरा गांव के श्मशान घाट पर किया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द गांव के श्मशान घाट को व्यवस्थित कर वहां टिन शेड डलवाया जाए ताकि भविष्य में ऐसी असुविधा दोबारा न हो।

सुदामा चरित्र की कथा सुन भाव-विभोर हुए श्रोता

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचार: धौरहरा के नारायणेश्वर नाथ मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन पुराणाचार्य ने सुदामा चरित्र की कथा का वर्णन किया।

सातवें दिन पुराणाचार्य नारायण दत्त अवस्थी ने सुदामा चरित्र कथा का वर्णन करते हुए सुनाया कि गुरु सांदीपन के आश्रम में एक साथ श्रीकृष्ण और सुदामा शिक्षा प्राप्त कर रहे थे। गुरु माता ने एक दिन दोनों को लकड़ी बीनने के लिए भेजा था। अनजाने में गुरु माता द्वारा दिए गए चने जो श्रापित थे, जिसे खाने वाला दरिद्र होगा, यह ज्ञान चने देख सुदामा जी को हो गया तो श्रीकृष्ण से छुपाकर उन्होंने श्रापित चने खा लिए। जिससे वह निर्धन हो गए।

काफी समय बाद जब सुदामा की

कथा सुनाते नारायण दत्त अवस्थी।

पत्नी ने उन्हें द्वारिकाधीश के पास जाने का आग्रह किया और तीन मुट्ठी भेंट स्वरूप चावल की पोटली दी। जब दीन हीन दशा में सुदामा श्रीकृष्ण के पास पहुंचे तो श्रीकृष्ण ने उन्हें हृदय से लगाकर स्वागत किया। श्रीकृष्ण ने दो मुट्ठी चावल के बदले सुदामा जी को दो लोक ले दिए और उन्हें दरिद्रता के श्राप से मुक्त कर दिया। इस मौके पर रमाशंकर शुक्ला, चन्द्रशेखर तिवारी, मुकेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

सर्प दंश से किशोर की गई जान

खुदागंज, अमृत विचार: भूसौरी गांव में एक किशोर को सर्प ने डस लिया। परिवार वाले उसे मेडिकल कॉलेज न ले जाकर झाड़फूंक कराते रहे। हालत नहीं सुधरने पर सुबह मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टर ने किशोर को मृत घोषित कर दिया।

खुदागंज थाना क्षेत्र के गांव भूसौरी निवासी 15 वर्षीय जितेंद्र सोमवार की रात खाना खाने के बाद एक कोठरी में सोने के लिए चला गया। रात 12 बजे सर्प ने काट लिया। उसने शोर मचाया तो परिवार वाले जाग गए। इस दौरान सांप भाग गया। झाड़फूंक से आराम नहीं हुआ तो परिवार वाले सुबह 9 बजे उसे बेहोशी की हालत में लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार वाले उसका शव लेकर घर चले गए और शाम को उसका अंतिम संस्कार कर दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि थाना पर कोई सूचना नहीं है।

महिला की पिटाई कर गले पर मारा चाकू, घायल

संवाददाता, मझगईं

- फोटो वायरल करने पर विरोध जताने से नाराज थे आरोपी

अमृत विचार: परिवार की किसी महिला का फोटो वायरल करने पर विरोध करना महिला को महंगा पड़ गया। महिला समेत तीन लोगों ने घर में घुसकर महिला की पिटाई की। उसके गले पर चाकू से प्रहार कर दिया, जिससे वह घायल हो गई। उसने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

गांव भगवंत नगर गुलरा निवासी रीना देवी ने बताया कि वह सोमवार शाम करीब चार बजे घर पर बैठी थी। उसका पति घर पर नहीं था। उसी समय उसकी भाभी प्रीती, पलिया के धूसर गांव निवासी छोटे मियां, बड़े मियां और त्रिकोलिया निवासी रामनरेश उसके घर जबरन घुस आए। आरोप है कि ये लोग फोटो वायरल करने के विरोध को लेकर गाली-गलौज करने लगे। गाली देने से मना करने पर उसकी पिटाई की। आरोप है कि रामनरेश ने चाकू से गर्दन के नीचे वार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गई। शोर सुनकर पास-पड़ोस के मीना देवी, राकेश, मुन्नी और कृपाल आदि लोग दौड़कर पहुंचे और महिला को बचाया। ग्रामीणों को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। महिला के शरीर पर कई जगह चोटें आई हैं। वह डर से सहमी है। घायल अवस्था में पीड़िता सोमवार शाम थाने पहुंची और आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक राजू राव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ उचित धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

अधूरे नाले में व्यक्ति गिरकर घायल

बंडा, अमृत विचार: नगर पंचायत बंडा द्वारा खुटार रोड पर बनाए जा रहे नाले का निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा है, जिससे सोमवार दोपहर एक व्यक्ति हादसे का शिकार हो गया। रामप्रताप सब्जी लेने जा रहे थे, तभी खुले पड़े नाले में गिरकर घायल हो गए। रामप्रताप ने नगर पंचायत पर आरोप लगाते हुए बताया कि नाले की खुदाई 15 दिन पहले की थी, लेकिन काम टाला जा रहा है। मात्र आधा दर्जन मजदूर काम पर लगाए गए हैं, जिससे निर्माण धीमी गति से चल रहा है। आरोप हैं नाले में घटिया क्वालिटी की पीली रोड़ी डाली जा रही है।घटना के बाद रामप्रताप ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई है।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुझे राम किशोर व राम बाबू दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है तथा यह दोनों नाम मेरे ही है। रामकिशोर पुत्र श्री शेर सिंह निवासी 15घ, सेंधा मेहम्मदपुर पथरा मोहम्मदपुर, बरेली।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 6 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

ओबीसी छात्रावासों की मरम्मत को 4.99 करोड़ स्वीकृत

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने पिछड़े वर्ग के जर्जर पड़े छात्रावासों को चमकाने के लिए शासन की ओर चार करोड़ 99 लाख रुपये स्वीकृत किये गए हैं। मरम्मत कार्य के तहत राजधानी स्थित राजकीय महिला पॉलीटेक्निक समेत प्रदेश के 10 छात्रावासों में कार्य होगा। शासन के अधिकारियों के अनुसार, राजकीय महिला पॉलीटेक्निक लखनऊ, इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट डीम्ड यूनिवर्सिटी प्रयागराज, राजकीय पॉलीटेक्निक हंडिया प्रयागराज, वीरभूमि राजकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय महोबा, राजकीय इंटर कॉलेज हमीरपुर, लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय गोंडा, सर्वोदय इंटर कॉलेज मिहीपुरवा बहराइच, राजकीय केजीके होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज मुरादाबाद, काशीनरेश राजकीय महाविद्यालय ज्ञानपुर संत रविदासनगर 24 लाख और फैज-ए-आम इंटर कॉलेज मेरठ में मरम्मत कार्य कराया जाएगा।

बिजली दरों के प्रस्ताव पर जवाब तलब

अमृत विचार, लखनऊ : नई बिजली दरों की जनसुनवाई में उपभोक्ताओं की आपत्ति पर राज्य विद्युत नियामक आयोग ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन समेत सहायक वितरण निगमों से जवाब तलब किया है। आयोग ने सप्ताह भर में बिंदुवार जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। बिजली दरों के निर्धारण को लेकर आयोग ने पिछले दिनों सभी निगमों के स्तर पर जनसुनवाई की थी। इस दौरान उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने दरों में बढ़ोतरी व निजीकरण के प्रस्ताव का सख्त विरोध किया था। उपभोक्ता परिषद ने ऊर्जा निगमों पर उपभोक्ताओं का 33,122 करोड़ सरप्लस निकल रही धनराशि के एवज में दरों में कमी किये जाने की मांग की थी। उपभोक्ता परिषद ने प्रदेश के सभी वितरण निगमों में बिजली दरों में एक मुश्त 45 प्रतिशत की कमी या अगले पांच वर्षों तक 9 प्रतिशत की कमी किये जाने की मांग रखी थी।

जटिल कैंसर का इलाज गोरखपुर में भी संभव

अमृत विचार, लखनऊ : कैंसर पीड़ितों को अब सर्जरी के लिए मुंबई या अन्य बड़े शहरों की भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। जटिल और दुर्लभ कैंसर का इलाज अब गोरखपुर के महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में ही हो जाएगा। कन्याकुमारी से आए बुजुर्ग मरीज का विश्व प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी के नेतृत्व वाली मेडिकल टीम ने ऑपरेशन कर रेयर पैरोटिड ग्लैंड कैंसर को सफलतापूर्वक हटाया है।

पीडीए की पाठशाला नहीं सिलेबस पर हो रहा घमासान

वर्णमाला के राजनीतिक पाठ पर मचा है बवंडर, एक नई राजनीतिक सोशल इंजीनियरिंग कर रही समाजवादी पार्टी

अजय दयाल, लखनऊ

- आखिर कितनी कारगर है भाजपा सरकार की एफआईआर से काट

अमृत विचार: पीडीए पाठशाला को लेकर उत्तर प्रदेश में राजनीतिक घमासान है। सपा नेता पाठशाला लगाने से पीछे नहीं हट रहे तो वहीं व्यवस्था ऐसे नेताओं पर मुकदमा ठोकने से भी नहीं चूक रही। सपा अपने इस अभियान से प्राथमिक स्कूलों के मर्जर पर विरोध जता रही है, वहीं भाजपा सरकार इस तरीके को असमाजिक, कानून विरोधी ठहरा रही है। दोनों तरफ की कवायद राजनीति से परे नहीं लेकिन समझना यह है कि ऐसी पाठशाला कितनी कानून सम्मत है और गैरकानूनी है तो क्यों?

दरअसल, लड़ाई पीडीए की पाठशाला की नहीं, बल्कि इसमें पढ़ाए जाने वाले सिलेबस की है। घमासान भी वर्णमाला के राजनीतिक पाठ पर मचा है। पाठ पढ़ाया जा रहा है ए फॉर अखिलेश और डी फॉर डिंपल। इतना तो तय है कि आगामी चुनावों के मद्देनजर सपा एक नई राजनीतिक सोशल इंजीनियरिंग करने पर आमादा है। वहीं, राज्य सरकार का तर्क है कि पीडीए पाठशाला के जरिए सरकार विरोधी सामग्री का प्रचार किया जा रहा है। बच्चों की भावनाओं से राजनीतिक खेल किया जा रहा है जो कि कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकता है। ऐसे में एफआईआर तो होनी ही है।

एफआईआर के विरोध में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, अंग्रेजों ने भी कभी पढ़ाई को लेकर किसी पर एफआईआर नहीं लिखवाई, लेकिन यह सरकार सोचती है कि पुलिस हमारी पाठशाला बंद करा देगी। वहीं उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि बच्चों और नौनिहालों के मन में राजनीति घुसाना घोर अपराध है। उन्होंने सपा पर बच्चों को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया और कहा कि आने वाले समय में सपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इतना तो तय है कि पीडीए पाठशाला की सरगर्मी से उत्साहित सपा इस अभियान को आगे भी बढ़ाएगी। सपा इसको विधानसभा चुनाव के मैनिफेस्टो में शामिल कर सकती है।

समाजवादी पार्टी का तर्क समझें तो पाएंगे कि प्राथमिक स्कूलों में ज्यादातर पीडीए यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक वर्ग से बच्चे पढ़ते हैं। स्कूलों के मर्जर से इनकी शिक्षा प्रभावित होगी, इसलिए उन्हें न्याय दिलाने को हम गांव-गांव, गली-गली पाठशाला लगा रहे हैं। इस तर्क से साफ है कि यूपी में स्कूल मर्जर के विरोध में शुरू की गई सपा की पाठशाला पीडीए वर्ग में पैठ बनाने का जरिया है। अब भाजपा इस अपने मुख्य विपक्षी दल के इस नये राजनीतिक हथियार की काट कैसे निकालती है यह तो वक्त ही बताएगा?

> हमारी पार्टी यह अभियान राइट टू एजुकेशन के समर्थन में चला रही है। प्राथमिक स्कूलों का मर्जर कर सरकार इस कानून उल्लंघन कर रही है। यह लोकतंत्र, संविधान विरोधी है। हम परंपरागत अर्थ के बजाय वर्णमाला की पहचान सिखा रहे हैं। ए फॉर अखिलेश पढ़ाना क्हां से गलत है। हमारा अभियान गैरकानूनी कतई नहीं।
>
> – डॉ. रागिनी सोनकर, सपा विधायक

> प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर के नाम पर पीडीए पाठशाला पूरी तरह सतही नाटक है, जो गैरकानूनी तो है ही, समाज में फूट डालने और अराजकता फैलाने का कुत्सित प्रयास है। सरकार सर्व शिक्षा अभियान चला रही है और ये पीडीए पाठशाला के नाम पर राजनीतिक षड्यंत्र कर रहे हैं। ए से अखिलेश पढ़ाकर, आप कैसा सन्देश देना चाहते हैं।
>
> – डॉ. नीरज बोरा, भाजपा विधायक

गांव में भी आशियाना बनाने को मिलेगा ऋण

अमृत विचार, लखनऊ : गांव में भी अपना आशियाना बनाने को ऋण मिलेगा। राजस्व, वित्त और न्याय समेत सभी संबंधित विभागों ने घरौनी कानून के प्रस्ताव को हरी झंडी दिखा दी है। इस प्रस्ताव को अब मंत्रिमंडल की बैठक में रखा जाएगा। इसके तहत आबादी के भीतर अविवादित जमीन पर ग्रामीणों को मालिकाना हक दिया जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार, आबादी की ऐसी जमीन, जिस पर कोई विवाद नहीं है, लेखपाल मालिकाना हक को लेकर अपनी रिपोर्ट लगाएंगे। राजस्व रिकॉर्ड में इसे कानूनगो की लिखित स्वीकृति से दर्ज करवाया जा सकेगा। उत्तराधिकार, बैनामा, गिफ्ट डीड, और न्यायालय की डिक्री के आधार पर कानूनगो घरौनी तैयार कर सकेंगे।

बारिश बाद सड़कें होंगी गड्ढामुक्त ठेकेदार पर होगी सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने आगरा मंडल के जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

आगरा मंडल के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों व विधान परिषद सदस्यों के साथ विकास कार्यों से संबंधित मंडलीय समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ को विकास में शामिल करने पर जोर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा मंडल की समीक्षा बैठक में विकास कार्यों की जमीनी हकीकत को परखा। बनते ही सड़कों के टूटने और बदहाली के मुद्दे पर विधायकों समेत अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। कहा कि बारिश बाद सड़कें गड्ढामुक्त करने की तैयारी शुरू कर दें। गारंटी में सड़कें टूटने और कार्य में लापरवाही पर ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

मंडलायुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में आगरा मंडल के चार जिलों, आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न विभागों के प्रमुख सचिव शामिल हुए। मुख्यमंत्री योगी हर विधायक से उनके निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं, जन अपेक्षाओं और विकास प्राथमिकताओं पर व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। कहा कि जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ और अनुभवों को विकास कार्यों में शामिल करना है। विकास कार्यों के लिए धन के अभाव से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट किया कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर उनसे प्रस्ताव लें और विकास कार्यों के लिए प्राप्त संपूर्ण धनराशि का व्यय करें। उन्होंने चेताया कि समय से कार्य योजना, प्रस्ताव और स्वीकृति न होने पर कई विभागों का बजट वापस चला जाता है, जो सरकार की मंशा के खिलाफ है।

लोक निर्माण विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंडल के सभी जनप्रतिनिधियों द्वारा विधानसभावार प्रस्तावित सड़कों, पुलों, फ्लाईओवरों, बाइपास और इंटर-स्टेट बॉर्डर कनेक्टिविटी के कार्यों को कार्ययोजना में शामिल किया जाए। उन्होंने बरसात के बाद युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने की तैयारी अभी से पूर्ण करने को कहा।

आगरा को मिली अटल पुरम की सौगात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आगरा में विकास को नई दिशा देते हुए 'अटल पुरम टाउनशिप' की शुरुआत की। यह परियोजना आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) द्वारा 36 वर्षों बाद विकसित की जा रही सबसे बड़ी आवासीय योजना है। यह योजना आगरा इनर रिंग रोड के पास 340 एकड़ भूमि पर बनाई जा रही है, जो सरकार की शहरी विस्तार और आधुनिक विकास की नीति का एक बड़ा प्रमाण है। तीन चरणों और 11 सेक्टरों में टाउनशिप विकसित होगी।

योगी ने बाढ़ क्षेत्रों का किया हवाई सर्वे कहा- सरकार पीड़ितों के साथ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित, तेजी से चल रहे राहत व बचाव कार्य
- मुख्यमंत्री ने औरैया में और टीम-11 ने जिलों में वितरित की बाढ़ राहत सामग्री

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को आगरा में आयोजित कार्यक्रमों के बाद औरैया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण भी किया। पीड़ितों को राहत सामग्री और धनराशि देते हुए योगी ने कहा कि पूरी सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है। बताया कि यूपी के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। सभी जगह तेजी से राहत-बचाव कार्य चल रहे हैं। एनडीआरएफ की 16, एसडीआरएफ की 18 और पीएसी फ्लड यूनिट की 31 टीमें तैनात की गई हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार कहा कि पिछले 10-15 दिन के अंदर अत्यधिक बरसात के कारण प्रदेश के 21 जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निरीक्षण और राहत कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ प्रभावी ढंग से सकुशल संचालन करने के लिए हर प्रभारी मंत्रियों की तैनाती की गई है। मंत्री अपनी देखरेख में जिला व पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर बाढ़ राहत कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रहे है।

सीएम ने कहा कि सरकार की संवेदना हर बाढ़ पीड़ित के साथ है। सरकार हर सहयोग करेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिन किसानों की फसल को नुकसान हुआ है। उसके सर्वेक्षण के भी आदेश दिए गए हैं। रिपोर्ट आते ही तत्काल मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा। सीएम ने नागरिकों से अपील की कि अभी अगस्त का प्रथम सप्ताह है, इसलिए अलर्ट मोड पर रहना होगा, क्योंकि बाढ़ की आशंका सितंबर तक बनी रहती है।

बाढ़ में विलीन मकानों के मालिकों को मिलेंगे नए घर

सीएम योगी ने कहा कि जनहानि होने पर परिवार को आपदा राहत कोष से चार लाख रुपये, किसी परिवार का मकान बहने या नदी में विलीन होने पर मुख्यमंत्री आवास योजना से आच्छादित करने की कार्रवाई भी की जा रही है। पशुधन की हानि पर मुआवजा दिया जा रहा है। जगह-जगह स्वास्थ्य शिविर भी स्थापित किए गए हैं। इस सीजन में एंटी रैबीज वैक्सीन, सांप के काटने पर एंटी स्नेक वेनम की भी व्यवस्था सीएचसी, जिला अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए गए हैं।

लाल किले पर ध्वजारोहण की साक्षी बनेंगी 14 लखपति दीदियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से ध्वजारोहण समारोह में प्रदेश की 14 लखपति दीदियां विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी। समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनी इन महिलाओं को केंद्र सरकार की ओर से विशेष सम्मान दिया जाएगा। देशभर से आ रही 700 से अधिक महिलाओं में सर्वाधिक प्रतिनिधित्व यूपी का रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच और योजनाओं के परिणामस्वरूप प्रदेश की लाखों महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनी हैं। ये महिलाएं घर पर ही घी, अचार, पापड़, नमकीन के उद्यम स्थापित करते हुए अन्य घरेलू उत्पाद तैयार कर न केवल अपना बल्कि अन्य महिलाओं का भी जीवन संवार रही हैं। इन्हीं प्रेरणादायक महिलाओं में से चयनित 14 लखपति दीदियां 15 अगस्त के राष्ट्रीय पर्व पर दिल्ली में लाल किले पर होने वाले समारोह की साक्षी बनेंगी।

मिशन निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि प्रत्येक लखपति दीदी को उनके पति या किसी एक सहयोगी के साथ दिल्ली भेजा जाएगा। रक्षा मंत्रालय की ओर से ठहरने और भोजन की पूरी व्यवस्था की जाएगी।

16 करोड़ रुपये से कालिंजर किला बनेगा पर्यटन हब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: 16 करोड़ रुपये की योजनाओं से कालिंजर किला पर्यटन हब बनेगा। बांदा स्थित कालिंजर का किला देशी-विदेशी पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण का केंद्र है, जिसे राज्य सरकार और विकसित करने जा रही है। लगभग 800 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह किला न केवल स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि भारत के सबसे विशाल और मजबूत किलों में भी गिना जाता है।

राज्य सरकार ने ऐतिहासिक कालिंजर किले में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए 12 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी है। इसके साथ ही कालिंजर-पन्ना एवं कालिंजर-बांदा मार्ग पर डेकोरेटिव पथ प्रकाश व्यवस्था के लिए 4 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। दोनों परियोजनाओं के लिए कुल 16 करोड़ रुपए राशि की स्वीकृति मिली है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कालिंजर किला देखने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। वर्ष 2022 में कालिंजर आने वालों की संख्या 1,35,566 थी, जो 2023 में बढ़कर 4,54,177 हो गई। साल 2024 में पर्यटकों की संख्या लगभग 6,25,000 रही, तो मौजूदा वर्ष 2025 के जनवरी से जुलाई तक करीब 4,03,012 रही है।

सपा के वरिष्ठ नेता जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती पर लखनऊ में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव व अन्य। अमृत विचार

प्रदेशभर में मनाई गई जनेश्वर मिश्र की जयंती

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों एवं अन्य राज्यों में भी मनाई गई। मुख्य कार्यक्रम मंगलवार को गोमती नगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में हुआ। यहां पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट स्थित उनकी प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर नमन किया गया।

जर्जर स्कूल भवनों के ध्वस्तीकरण का अभियान तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी की चेतावनी के बाद हर जिले में जर्जर भवनों की पहचान, मूल्यांकन व तत्काल ध्वस्तीकरण की तैयारी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त चेतावनी के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने परिषदीय विद्यालय परिसरों में स्थित जर्जर भवनों के खिलाफ निर्णायक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए मंत्री संदीप सिंह और शासन के आला अधिकारियों ने सभी जिलों को निर्देशित किया है कि वे जर्जर ढांचों का तत्काल चिह्नांकन कर सत्यापन, मूल्यांकन और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया को शीर्ष प्राथमिकता दें।

विभिन्न जिलों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर जर्जर भवनों की स्थिति को देखते हुए प्रत्येक जिले में जर्जर ढांचों का तत्काल चिह्नांकन कर तकनीकी समिति को सत्यापन एवं मूल्यांकन हेतु सूची सौंपी जाएगी। यह कार्य समयबद्धता के साथ सुनिश्चित कराना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी। पूर्व में चिह्नित ढांचों के भी शीघ्र सत्यापन और रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। कहा गया है कि जिन्हें ध्वस्त न किया जा सके, उन्हें 'निष्प्रयोज्य' घोषित कर सील किया जाएगा। छतों की सफाई और जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यदि किसी जर्जर भवन के गिरने या किसी प्रकार की दुर्घटना की सूचना मिलती है, तो संबंधित अधिकारी को सीधे उत्तरदायी मानते हुए उसके विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सुरक्षित वैकल्पिक स्थानों पर होगी पढ़ाई

तकनीकी समिति द्वारा जर्जर घोषित किए गए भवनों में किसी भी प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियां संचालित नहीं की जाएंगी। विद्यार्थियों के पठन-पाठन की समुचित व्यवस्था अन्य सुरक्षित कक्षों, विद्यालय भवनों, पंचायत भवनों या ग्राम सचिवालय आदि में कराना जाना अनिवार्य किया गया है।

जर्जर भवनों से प्रभावित हुई छवि

निर्माण यूनिट के विशेषज्ञ श्यामकिशोर तिवारी ने कहा कि कई विद्यालय परिसरों में अब भी ऐसे ढांचे मौजूद हैं, जो अत्यंत जर्जर हो चुके हैं और कभी भी गिर सकते हैं। इससे बच्चों और शिक्षकों की जान को गंभीर खतरा बना रहता है। हालांकि, शासन स्तर से इस संबंध में पूर्व में कई निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन हाल ही में कुछ समाचार पत्रों में प्रकाशित तस्वीरों ने विभाग की छवि को प्रभावित किया है।

तैयारी

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों को गति देने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक

यूपी में डीक्रिमिनलाइजेशन विधेयक का तैयार हो रहा मसौदा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 98 प्रतिशत से अधिक कारावास संबंधी प्रावधान किए जाएंगे समाप्त
- प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेवाएं व प्रक्रियाएं होंगी सरल

अमृत विचार : राज्य सरकार उत्तर प्रदेश में निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिए दो ऐतिहासिक 'डीक्रिमिनलाइजेशन विधेयक' का मसौदा तैयार कर रही है, जिनके माध्यम से राज्य और समवर्ती सूची के अधिनियमों में 98 प्रतिशत से अधिक कारावास संबंधी प्रावधान समाप्त किए जाएंगे। ऐसे में व्यवसाय से जुड़े कानून इस कदर शिथिल कर दिए जाएंगे कि किसी व्यवसायी को अधिकांश प्रकरणों में जेल जाने की नौबत न आए। माना जा रहा है कि यह उत्तर प्रदेश को एक प्रगतिशील और व्यापार-अनुकूल विधिक ढांचा प्रदान करेगा।

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) को और अधिक सुगम एवं निवेशकों के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से 'अनुपालन न्यूनीकरण एवं विनियमन शिथिलीकरण 2025' पहल की प्रगति की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मंगलवार को इन्वेस्ट यूपी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया और सुधारों की दिशा में हुई प्रगति तथा आगामी कार्ययोजना पर मंथन किया।

मुख्य सचिव ने समयबद्ध, समन्वित कार्रवाई और फीडबैक आधारित सुधारों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल व्यवस्थाएं ही सुधार नहीं रहा है, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए पुनर्परिभाषित कर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी सुधारों को वर्षांत तक निवेश मित्र 3.0 के साथ पूर्ण रूप से एकीकृत किया जाए, ताकि निवेशकों को समग्र और सरल अनुभव मिल सके।

उद्योगों में महिलाओं पर लगे पुराने प्रतिबंध हटाने पर मंथन

बैठक में कुछ दूरदर्शी सुझावों पर भी चर्चा हुई, जैसे- भवन उपविधियों में संशोधन कर भूमि की बर्बादी रोकना, उद्योगों में महिलाओं पर लगे पुराने प्रतिबंध हटाना और फैक्ट्री, व्यापार लाइसेंस नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाना। साथ ही द्विभाषी फॉर्म, डीआईवाई (डू-इट-योरसेल्फ) वीडियो ट्यूटोरियल्स, रिस्पॉन्सिव कॉल सेंटर और जागरूकता अभियान जैसे सुधारों पर भी जोर दिया गया।

बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

सीईओ इनवेस्ट यूपी विजय किरण आनंद ने राज्य की सिंगल विंडो प्रणाली 'निवेश मित्र 3.0' के उन्नत संस्करण पर प्रस्तुतीकरण दिया, जो वर्ष अंत तक शुरू होगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यह पोर्टल 44 से अधिक विभागों की 525 सेवाएं प्रदान करता है। नए संस्करण के माध्यम से सेवा प्रदायगी की समय सीमा में 30 प्रतिशत की कमी, आवेदन एवं स्वीकृति प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा दस्तावेजों की आवश्यकता को आधा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे निवेशकों को त्वरित, पारदर्शी और उपयोगकर्ता-केंद्रित अनुभव मिलेगा।

कनेक्शन देने में हीलाहवाली पर हटाए गए मुख्य अभियंता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बिजली उपभोक्ता को 40 किलोवाट का कनेक्शन देने में हीलाहवाली पर गाजियाबाद के मुख्य अभियंता अशोक कुमार को हटा दिया गया है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अध्यक्ष ने इस प्रकरण से संबंधित अन्य कार्मिकों पर भी कार्रवाई के निर्देश दिये हैं।

अध्यक्ष को उपभोक्ता के जरिये गाजियाबाद में बिजली आपूर्ति की तकनीकी खराबी समय पर दूर न कराये जाने व बिजली कनेक्शन देने में विलंब की शिकायत मिली थी। बताया गया कि बीती 30 अप्रैल को 40 किलोवाट के कनेक्शन के लिये आवेदन किया गया। इसके लिए 27,615 रुपये जमा कराये गए। भुगतान करने के बाद भी कनेक्शन नहीं दिया गया। साथ ही, लाल कुआं बिजली उपकेंद्र में बीती 24-25 जुलाई को रात में आई तकनीकी खराबी को दो दिन तक ठीक नहीं कराया गया। इस दौरान क्षेत्र के लोग निरंतर बिजली संकट का सामना करते रहे। दोनों घटनाओं पर अध्यक्ष ने कड़ी नाराजगी जताई। मुख्य अभियंता को पर्यवेक्षकीय शिथिलता का दोषी पाया गया। उन्हें प्रशासनिक आधार पर गाजियाबाद से स्थानांतरित कर पावर कॉरपोरेशन से सम्बद्ध किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

जंक्शन पर एफओबी से गिरकर युवक घायल

बरेली, अमृत विचार : बरेली जंक्शन पर सोमवार रात करीब साढ़े 10 बजे प्लेटफार्म एक पर मुरादाबाद छोर की तरफ फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) से एक युवक अचानक नीचे गिर पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक नशे में था, इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया। रेलवे कर्मियों ने तुरंत जीआरपी को सूचना दी। जीआरपी ने मौके पर पहुंचकर युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने बताया कि युवक की हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। युवक की जेब से कोई पहचान पत्र नहीं मिला, जिससे पहचान नहीं हो सकी।

रेलवे ट्रैक पर भरा पानी रफ्तार पर ब्रेक

बरेली, अमृत विचार : बारिश में मुरादाबाद मंडल के अलग-अलग रेलवे स्टेशनों और ट्रैक पर पानी भरने से ट्रेनों की रफ्तार पर भी ब्रेक लग गया है। ट्रेनों को जहां-तहां रोकना पड़ रहा है। मंगलवार को वंदे भारत, राज्यरानी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें घंटों लेट हो गईं। 22545 लखनऊ-देहरादून वंदेभारत एक्सप्रेस को काफी देर नजीबाबाद से पहले रोक दिया गया।

मिलक में बाइक सवारों ने ई-रिक्शा चालक की गला दबाकर की हत्या

तरब्बा गांव की घटना, साइड नहीं देने पर हुआ था विवाद, मृतक के बेटे को भी पीटा

संवाददाता मिलक

अमृत विचार : साइड न मिलने पर बाइक सवार दबंगों ने पिता पुत्र के साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने अधेड़ की गला दबाकर हत्या कर दी और घटना स्थल से फरार हो गए। इसके बाद घटना स्थल के पास सड़क किनारे बने टिनशेड में परिजनों ने शव रखकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। घटना की जानकारी मिलते ही सीओ मिलक राजवीर सिंह परिहार, एसडीएम आनंद कुमार कनौजिया, इंस्पेक्टर धनंजय कुमार ने मौके पर पहुंचकर परिजनों और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन देर रात तक कोई भी बात मानने को तैयार नहीं था।

थाना क्षेत्र के परम कल्याणपुर निवासी जितेंद्र कुमार ने बताया कि वह और उनके पिता भगवानदास (55) ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण पोषण करते हैं।

घटना की जानकारी देता भगवानदास का बेटा जितेंद्र। ● अमृत विचार

मंगलवार शाम को वह और उसके पिता भगवानदास ई-रिक्शा से सवारियां लेकर अपने गांव आ रहे थे। तरब्बा गांव के समीप पहुंचने पर बाइक से आ रहे लोगों ने हार्न दिया। लेकिन आगे गड्ढा होने के कारण उन्होंने ई-रिक्शा नीचे नहीं उतारा। कुछ आगे बढ़ने पर जब आरोपियों की बाइक आगे निकल गई। तब उन्होंने ई-रिक्शा रोक लिया और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने जितेंद्र व उसके पिता भगवानदास को जमकर पीटा। आरोप है कि एक आरोपी ने पीड़ित के पिता का कसकर गला दबा दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। भगवानदास के मरने के बाद आरोपी मौके से धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के बाद जितेंद्र ने परिजनों को सूचना दी। तब उनके गांव से दर्जनों लोग घटना स्थल पर पहुंच गए और हंगामा करने लगे। भगवानदास की मौत के बाद परिजनों का रो रोकर बुराहाल है। एसपी रामपुर विद्यासागर मिश्र ने बताया कि पुलिस आरोपियों को तलाश कर रही है। पुलिस मामले की जांच गंभीरता से कर रही है। हत्या में जो भी आरोपी शामिल हैं। उनके खिलाफ निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मृतक के परिजनों को समझाने का प्रयास कर रही है। जिससे पोस्टमार्टम होने के बाद अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जा सके।

एसडीएम व सीओ ने किया समझाने का प्रयास

घटना की जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर सैकड़ों लोग जमा हो गए। सभी ने एक राय होकर शव को सड़क किनारे बने यात्री टिन शेड में रख दिया और आरोपियों की खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा करने लगे। जानकारी मिलने पर एसडीएम आनंद कुमार कनौजिया, सीओ मिलक राजवीर सिंह, मिलक थाना प्रभारी धनंजय कुमार समेत अन्य थानों की पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंच गई। दोनों अधिकारियों ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन देर रात तक सभी लोग आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अड़े रहे। सीओ और एसडीएम ने परिजनों को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बंदरों के हमले में तीन महिलाएं घायल

बरेली, अमृत विचार: जिले में बंदरों और कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। बंदर लोगों को दौड़ा-दौड़ा कर काट रहे हैं। शहर और देहात क्षेत्र में तीन महिलाओं पर बंदरों ने हमला कर दिया जिससे महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। जिला अस्पताल में इलाज के लिए पहुंची तीनों मरीजों में दो को भर्ती कर लिया गया है। वहीं एक को उपचार देकर छुट्टी दे दी गई।

फतेहगंज पूर्वी क्षेत्र की नई कॉलोनी निवासी 28 वर्षीय नीलम रविवार देर शाम घर में खाना बना रही थीं। इस दौरान बंदरों ने उनके सिर पर काट लिया और उनके चेहरे पर कई जगह गंभीर चोटें आईं। परिजनों ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। इसके साथ ही भमोरा के गांव कुंडलीय निवासी शीला देवी सोमवार को दोपहर में भैंस को चारा डालने निकलीं तभी बंदरों ने उन पर हमला कर दिया। उनके बाएं हाथ पर कई बार काटा। वहीं शहर के किला निवासी साजिया मंगलवार को सुबह घर में कपड़े धो रही थीं, अचानक बंदरों का झुंड घर में घुस आया और उस पर हमला कर दिया।

इज्जतनगर से चंडीगढ़ को चलेगी वंदे भारत एक्सप्रेस

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● एनईआर ने भेजा प्रस्ताव, नई सुविधाओं और तेज सफर से यात्रियों को मिलेगा लाभ

अमृत विचार: इज्जतनगर रेल मंडल से चंडीगढ़ तक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की तैयारी तेज कर दी है। पूर्वोत्तर रेलवे (एनईआर) मुख्यालय गोरखपुर से दिल्ली स्थित रेलवे बोर्ड को इस रूट पर वंदे भारत ट्रेन चलाने का प्रस्ताव भेजा गया है। रेलवे सूत्रों के अनुसार प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है और जल्द ही औपचारिक घोषणा होने की संभावना है।

प्रस्तावित योजना के अनुसार इज्जतनगर-चंडीगढ़ वंदे भारत एक्सप्रेस सप्ताह में छह दिन (शनिवार छोड़कर) संचालित होगी। ट्रेन सुबह 6:30 बजे इज्जतनगर स्टेशन से रवाना होगी और दोपहर 2 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगी। वापसी यात्रा में ट्रेन दोपहर 3 बजे चंडीगढ़ से प्रस्थान करेगी और रात 10:30 बजे इज्जतनगर पहुंचेगी। लगभग 7 घंटे 30 मिनट में दोनों शहरों के बीच यात्रा संभव होगी, जो वर्तमान में उपलब्ध अन्य ट्रेनों की तुलना में काफी तेज होगी।

ट्रेन मार्ग में बरेली जंक्शन, मुरादाबाद, सहारनपुर, अंबाला कैंट सहित कुछ प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव दिए जाने की संभावना है, जिससे क्षेत्रीय यात्रियों को भी बेहतर कनेक्टिविटी मिल सकेगी। यह ट्रेन आधुनिक वंदे भारत रेक से संचालित होगी, जिसमें एयर-कंडीशन्ड चेयर कार, एक्जीक्यूटिव क्लास कोच, हाई स्पीड वाई-फाई, जीपीएस आधारित सूचना प्रणाली, बायो-वैक्यूम शौचालय और स्वचालित दरवाजों जैसी सुविधाएं होंगी।

रेलवे अधिकारियों का मानना है कि यह नई सेवा व्यापारियों, छात्रों और सैलानियों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगी।

इज्जतनगर मंडल से पहली वंदे भारत ट्रेन होने के कारण यह क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी होगी। यदि सब कुछ योजना के अनुसार चला तो यह ट्रेन आगामी महीनों में पटरियों पर दौड़ती नजर आएगी।

बअदालत श्रीमान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम, बरेली
मुकदमा नं. 450/2024

श्रीमती समरीन बी पुत्री श्री अब्दुल साबिर निवासी ग्राम मन्डनपुर, थाना मीरगंज, जिला बरेली। .....वादिनी बनाम

1. शम्शुद्दीन आयु लगभग 65 वर्ष पुत्र सन्नू (ससुर) 2. श्रीमती महनाज आयु लगभग 60 वर्ष पत्नी शम्शुद्दीन (सास) 3. नसरूद्दीन आयु लगभग 35 वर्ष पुत्र शम्शुद्दीन (पति) 4. ताजउद्दीन, आयु लगभग 25 वर्ष पुत्र शम्शुद्दीन (देवर) 5. सकलैन आयु लगभग 19 वर्ष शमशुद्दीन (देवर) 6. कु. शहीना आयु लगभग 22 वर्ष पुत्री शम्शुद्दीन (ननद) 7. कु. सकीना आयु लगभग 20 वर्ष पुत्री शम्शुद्दीन (ननद) — विपक्षीगण

दरख्वास्त मुसम्मी श्रीमती समरीन बी वास्ते हुक्म सरटीफिकिट वसूल दर्ज व किफायत जाये या फतावी मुसम्मी 1. शम्शुद्दीन, 2. श्रीमती महनाज, 3. नसरूद्दीन, 4. ताजउद्दीन 5. सकलैन, 6. कु. शहीना, 7. कु. सकीना मुतवर्फा अपने व मुजाविं एक्ट 7 सन् 1889 ई. व कैद....

हरगाह मुसम्मी श्रीमती समरीन बी ने दरख्वास्त हुक्म सरटीफिकेट और तारीख 23.5.25 वास्ते समायत दरख्वास्त हाजा के मुकर्रर की है लिहाजा इश्तहार जारी किया जाता है कि जिस किसी को दरख्वास्त हाजा के निस्वत कोई उजर हो असालतन या वकालतन बतारीख 08.08.25 पेश होकर दरख्वास्त हाजा की निसवत उजर पेश करें दरसूरत इनकामे तारीख मुकर्रर कोई उजर निस्वत दरख्वास्त सुना नहीं जायेगा और मुनासिब हुक्म निस्वत दरख्वास्त हाजा सादिर होगा। आज तारीख 11.07.2025 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम, बरेली

कार्यालय नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत

पत्रांक: 72/न.पं.ब./2025-26 दिनांक: 04.08.2025

ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत द्वारा वर्ष 2025-26 में 15 वां वित्त आयोग (अनटाईड) ग्रान्ट की धनराशि से नगर पंचायत बरखेड़ा में इन्टरलॉकिंग रोड आदि के निर्माण कार्यो को कराने हेतु निर्माण कार्यो की निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र उ.प्र. की ई-प्रक्योरमेंट की वेबसाइट http/etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदा अगले दिन कार्य दिवस में खोली जायेगी।

बिड प्रकाशित होने की तिथि	06.08.2025	प्रात: 08:00 बजे
ऑनलाइन बिड अपलोड करने की तिथि	06.08.2025	प्रात: 10:00 बजे
बिड अपलोड करने की अन्तिम तिथि	13.08.2025	प्रात: 10:00 बजे तक
बिड खुलने की तिथि	13.08.2025	अपरान्ह 02:00 बजे

नागेन्द्र पाण्डेय
उपजिलाधिकारी बीसलपुर/
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बरखेड़ा (पीलीभीत)

श्याम बिहारी भोजवाल
अध्यक्ष
नगर पंचायत बरखेड़ा
(पीलीभीत)

एक्सप्रेस का इज्जतनगर तक हो सकता है विस्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● आरटीआई से हुआ खुलासा यात्रियों को मिलेगा लाभ, रेल संपर्क होगा और बेहतर

अमृत विचार: पीलीभीत से गोरखपुर के बीच चलने वाली ट्रेन 15009/15010 गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस को जल्द ही इज्जतनगर तक बढ़ाया जा सकता है। आरटीआई से इसका पता चला है। उत्तर पूर्वी रेलवे ने ट्रेन के विस्तार की प्रक्रिया पर गंभीरता से विचार किया है और प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है।

वर्तमान में यह एक्सप्रेस ट्रेन गोरखपुर से रवाना होकर गोंडा, सीतापुर, शाहजहांपुर होते हुए पीलीभीत तक जाती है, लेकिन इज्जतनगर रेल मंडल के यात्रियों की लंबे समय से मांग रही है कि इस ट्रेन को इज्जतनगर तक बढ़ाया जाए, जिससे बरेली और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को पूर्वी उत्तर प्रदेश तक सीधी कनेक्टिविटी मिल सके।

सूत्रों के अनुसार रेलवे इस प्रस्ताव पर तकनीकी और संचालन से जुड़ी सभी आवश्यक तैयारियां कर रहा है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो निकट भविष्य में 15009 इज्जतनगर से गोरखपुर और 15010 गोरखपुर से इज्जतनगर तक चलाई जाएगी।

ट्रेन के विस्तार से बरेली के यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। खासतौर से पूर्वांचल और तराई क्षेत्र के यात्रियों के लिए यह सीधी ट्रेन सेवा सुविधाजनक और समय बचाने वाली होगी।

रेलवे से मिली इस जानकारी ने यात्रियों में उम्मीद जगा दी है कि जल्द ही उन्हें गोरखपुर की ओर एक और वैकल्पिक और किफायती यात्रा विकल्प उपलब्ध होगा।

छात्रों का डाटा अपडेट नहीं करने पर नोटिस जारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : यूडायस पोर्टल पर छात्रों का डाटा अपडेट नहीं करने में जिले के 392 विद्यालय पीछे हैं। बेसिक, माध्यमिक और मदरसा स्कूलों ने अब तक 32877 छात्रों की जानकारी नहीं भरी है। डाटा भरने की अंतिम तारीख 13 जुलाई थी, जिसके बाद कई बार तारीखें बढ़ाई गईं। जानकारी नहीं अपडेट करने वाले स्कूलों से बीएसए ने स्पष्टीकरण मांगा है, अन्यथा विद्यालयों का यूडायस रद्द किया जा सकता है।

जिले के 5455 विद्यालयों की छात्रों जानकारी यूडायस पोर्टल पर अपडेट होनी थी। बीएसए संजय सिंह के अनुसार अब तक 91 प्रतिशत कार्य हो सका है, इसलिए जिन स्कूलों ने प्रगति रिपोर्ट नहीं अपडेट की है उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। बता दें कि यूडायस पोर्टल पर छात्रों का डाटा अपडेट नहीं किया गया। इस कारण नोटिस भेजा गया है।

एमएड में प्रवेश लेने के लिए 11 को होगी काउंसिलिंग

बरेली, अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने एमएड में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग की तिथि तय कर दी है। शिक्षा विभाग में एमएड की 55 सीटों पर प्रवेश के लिए 11 अगस्त को काउंसिलिंग सुबह 10 बजे से होगी। 1 से 100 रैंक तक के उम्मीदवारों को काउंसिलिंग के लिए बुलाया गया है। अभ्यर्थी अपने मूल प्रमाण पत्र एवं उसकी छायाप्रति, दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं जाति प्रमाण पत्र साथ लेकर के आएं। प्रवेश मेरिट और आरक्षण नियमों के आधार पर किया जाएगा। विश्वविद्यालय की ओर से आमंत्रित प्रवेशार्थियों को ईमेल और फोन द्वारा सूचना भेजी जा रही है।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने बहुभाषी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सभी संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों से सहयोग करने को कहा है। कुलसचिव संजीव कुमार ने सभी संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों को पत्र लिखा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फार मल्टीलिंगुअल स्टडीज की ओर से विदेशी भाषाओं जैसे मैंडरीन, चाइनीज, जर्मन और स्पैनिस भाषाओं में डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को बहुभाषिक दक्षताओं से सुसज्जित करना और उनके बहुभाषिक कौशल को विकसित करना है। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं में बहुभाषिक शिक्षा को सुदृढ़ करने एवं इन पाठ्यक्रमों में नामांकन को प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर के प्रत्येक संकाय और विभाग से विद्यार्थियों को पंजीकरण में सहयोग प्रदान करें। आग्रह है कि अपने-अपने विभागों में इस सूचना को प्रसारित कराते हुए विद्यार्थियों को इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित करते हुए आवश्यकतानुसार अपना सहयोग प्रदान करें।

3100 सीटें लॉक होना शेष, विवि से मांगा समय

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में अब तक स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेशित करीब 31 सौ विद्यार्थियों की सीटें लॉक नहीं हो सकी हैं। इसकी वजह से कॉलेज की ओर से रुहेलखंड विश्वविद्यालय को एक सप्ताह का समय और बढ़ाने का अनुरोध किया है। विश्वविद्यालय ने अंतिम तिथि 7 अगस्त निर्धारित की है। बरेली कॉलेज में मंगलवार को करीब तीन सौ विद्यार्थियों की सीटें लॉक हुईं। अब तक 19 सौ सीटें लॉक हो चुकी हैं। स्नातक में करीब पांच हजार प्रवेश हुए हैं। ऐसे में अभी करीब 31 सौ सीटें लॉक होनी है। शुरुआत में समर्थ पोर्टल का सर्वर स्लो होने की वजह से दिक्कतें आईं। इसके अलावा सावन के सोमवार और बारिश की वजह से भी बच्चे कम आए। कई विद्यार्थी मेसेज भेजने के बाद भी सीटें लॉक कराने नहीं आए हैं।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, शेरगढ़, बरेली

पत्रांक : 11475/लेखा/निविदा/क्षे.पं./2025-26 दिनांक : 05 अगस्त 2025

निविदा सूचना

एतद्द्वारा समस्त ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग जिला पंचायत राजकीय विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड शेरगढ़ बरेली को प्राप्त क्षेत्र पंचायत के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 व 2025-26 में पंचम राज्य वित्त/15वां केन्द्रीय वित्त की प्राप्त धनराशि से निम्न कार्य के निर्माण हेतु (आइटम रेट) पर सीलबंद निविदायें आमंत्रित की जा रही है। निविदायें दिनांक 21.06.2025 को मध्यान्ह 12:00 बजे तक विकास खण्ड शेरगढ़ मुख्यालय बरेली में रखे निविदा बाक्स में नियत तिथि एवं समय तक डाली जा सकती है जो उसी दिनांक 21.08.2025 अपरान्ह 03:00 बजे निविदादाता अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष सार्वजनिक रूप से गठित कमेटी के द्वारा खोली जायेगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम	माप	स्वीकृति धनराशि (जी.एस.टी. सहित)	निविदा शुल्क	धरोहर राशि	पूर्ण करने का समय
1.	ग्राम नियामतपुर में विशनस्परूप के घर से पंचायत घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	200 मी.	980000	1500	20000	90 दिन
2.	ग्राम मवईजरेल में हेमराज के घर से नोनीराम के घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	190 मी.	983200	1500	20000	90 दिन
3.	ग्राम काबरखास में बी.पी.आर.सी. केन्द्र मिटिंग हाल का निर्माण कार्य	1 वर्क	992300	1500	20000	90 दिन
4.	ग्राम ढकियाठाकुरान में होली चौराहे से मन्दिर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	180 मी.	995600	1500	20000	90 दिन
5.	ग्राम मनूनागर में हरिशंकर के घर से आंगनबाड़ी केन्द्र की ओर नाला निर्माण कार्य	200 मी.	994083	1500	20000	90 दिन
6.	ग्राम सिसौना में राजपाल की दुकान से धर्मवीर के घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	205 मी.	876600	1500	20000	90 दिन
7.	ग्राम मानपुर में रमेश के घर से मेन रोड तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	160 मी.	999700	1500	20000	90 दिन
8.	ग्राम म्यूड़ी बुजुर्ग में पी.डब्लू.डी. रोड से बलीरजा के घर तक मिट्टी व खडन्जा निर्माण कार्य	400 मी.	990000	1500	20000	90 दिन
9.	ग्राम लखा में सरकारी टंकी से कब्रिस्तान तक नाला निर्माण कार्य	220 मी.	994083	1500	20000	90 दिन
10.	ग्राम पिपरिया में मेनरोड से प्राईमरी स्कूल तक सी.सी. व नाली निर्माण	110 मी.	711000	1430	14220	90 दिन
11.	ग्राम पिपरिया में उमाशंकर के मकान से शिशुपाल के घर से होकर व मोहन लाल के घर से रामौतार के घर तक सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	105 मी.	616000	1240	12320	90 दिन
12.	ग्राम चठिया से अमरकान्त के घर के सामने से मुकेश बाबू के घर से होते मुनेन्द्र बाबू एवं राधेश्याम के घर तक सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	170 मी.	999000	1500	20000	90 दिन
13.	ग्राम पंचायत गौटिया न्याजनगर में नत्थू लाल के घर व सद्दीक अहमद के घर की ओर सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	170 मी.	559500	1120	12000	90 दिन
14.	शाहपुर में बाबूराम के घर से राम किशोर की जगह तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	165 मी.	896000	1500	18000	90 दिन
15.	मानपुर में धाराजीत के घर से कमलेश के घर से होते हुए यशपाल के घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	160 मी.	996755	1500	20000	90 दिन
16.	सुल्तानपुर में मंगली के घर से विनोद की जगह तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	180 मी.	901882	1500	20000	90 दिन
17.	सिमरावा में यमपाल की बैठक से सेवाराम के घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	190 मी.	996348	1500	20000	90 दिन
18.	आकलाबाद में गिरीश कुमार के घर से सोमपाल के घर की ओर सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	168 मी.	995151	1500	20000	90 दिन
19.	जाफरपुर में मेनरोड से नरेन्द्र की घर की ओर सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	165 मी.	996760	1500	20000	90 दिन
20.	ग्राम मानपुर चौकी पर प्याऊ निर्माण कार्य	1 कार्य	330000	400	20000	90 दिन
21.	गनुनगला में मन्दिर पर प्याऊ निर्माण कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
22.	मानपुर इण्टर कॉलेज पर प्याऊ निर्माण कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
23.	औरंगाबाद में मन्दिर पर प्याऊ निर्माण कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
24.	पंडरी मन्दिर पर प्याऊ कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
25.	कस्बापुर मन्दिर पर प्याऊ कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
26.	सिंहौर में मन्दिर पर प्याऊ कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
27.	बनईया में मन्दिर पर प्याऊ कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
28.	कबरा किशनपुर में मजरा डूंगपुर में देवस्थान पर प्याऊ कार्य	1 कार्य	330000	400	6600	90 दिन
29.	कनकपुरी में मन्दिर पर प्याऊ कार्य	200 मी.	330000	400	6600	90 दिन

1. निविदा प्रपत्र को शुल्क बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से स्वीकार होगा जो खण्ड विकास अधिकारी, शेरगढ़ के पक्ष में देय होगा। 2. समस्त ठेकेदारों को पंजीयन प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, जी.एस.टी. रजि. एवं लेवर डिपार्टमेन्ट रजि. व पैन कार्ड की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करनी होगी। 3. निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्दर कोई मूल्य परिवर्तन मान्य नहीं होगा। 4. निविदा को स्वीकृत करने अथवा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। 5. प्रत्येक निविदादाता द्वारा रूपये 100/- के स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र व 10/- स्टाम्प पेपर पर 90 दिन वेलिडीटी निविदा के साथ संलग्न कराना होगा। 6. सार्वजनिक निर्माण कार्य में प्रयुक्त होने वाले उपखनिजों पर रायल्टी का भुगतान सुनिश्चित किये जाने का विषय भूतत्व एवं खनिज कर्म अनुभाग के शासनादेश संख्या 3885/65-2015-292/2015 दिनांक 15.10.2015 का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा। 7. पंजीकृत ठेकेदारों को ठेका दिये जाने के पश्चात कभी भी संज्ञान में आता है कि ठेकेदार सक्रि रूप से माफिया गतिविधियों में असामाजिक कार्यों एवं संगठित आपराधिक गतिविधियों में लिप्त है तो उस प्रदान किया गया कार्य का ठेका नोटिस जारी कर सक्षम अधिकारी द्वारा ठेका निरस्त कर दिया जायेगा। 8. किसी भ वाद विवाद की स्थिति में जनपद न्यायालय बरेली ही मान्य होगा। 9. निविदा फार्म क्रय किये जाने सामग्री से सम्बन्धित दिशा निर्देश अधोहस्ताक्षरी कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, शरेगढ़ से दिनांक 06.08.2025 से दिनांक 21.08.2025 मध्यान्ह 12:00 बजे तक निविदा मूल्य बैंक ड्राफ्ट/डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। 10. निविदा प्रपत्र भरकर उसके साथ धरोहर की राशि का राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ.डी.आर./एन./एस.सी. जो खण्ड विकास अधिकारी, शेरगढ़ बरेली के पक्ष में बन्धक हो मोहरबन्द लिफाफे में निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न कराना अनिवार्य है तथा 5 प्रतिशत जमानत राशि की एफ.डी.आर./एन.एस.सी. जो खण्ड विकास अधिकारी शेरगढ़ बरेली के पक्ष में बन्धक हो निविदा स्वीकृत उपरान्त अनुबन्ध के समय जमा करनी होगी जोकि कार्य समाप्ति के बाद कार्य की गुणवत्ता ठीक होने पर एक वर्ष उपरान्त वापस की जायेगा।

खण्ड विकास अधिकारी
शेरगढ़, बरेली

ब्लाक प्रमुख
विकास खण्ड शेरगढ, बरेली

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बीसलपुर-पीलीभीत

पत्रांक: 158/न.पा.परि.बी./2024-25 दिनांक: 02.08.2025

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद बीसलपुर द्वारा कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्य की लागत के अनुरूप पंजीकृत निविदादादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य विवरण निम्नवत् है:-

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित (लाख रू. में)	बिड सिक्योरिटी 2 प्रतिशत पूर्णांक में	निविदा मूल्य +18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01.	नगर पालिका परिषद बीसलपुर के अन्तर्गत कान्हा गौशाला (चारा गोदाम, टीन शेड, चरही, पानी का टैंक, बाउण्ड्री वॉल, समर सेवल पम्प, वेटेनरी डॉ. कक्ष, चपरासी कक्ष, एम.एस. गेट, खडंजा, बिजली व्यवस्था, गोबर गैस प्लांट शेफ कटर, कैटल कश आदि) का निर्माण कार्य।	1,90,39000.00	3,22,710.00	22500.00	12 माह

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 6.8.2025 को प्रात: 11:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 26.08.2025 को अपरान्ह 05:00 बजे ।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 27.08.2025 को प्रात: 10:00 बजे से।
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. निविदा प्रपत्र शुल्क और 2 व प्रतिशत धरोहर धनराशि (जी.एस.टी. सहित) पालिका के आई.सी.आई.सी.आई. में खताा सं. 321005500073 IFSC- ICIC0003210 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. द्वारा हस्तान्तरित कर पावती की मूल प्रति स्कैन करके ई-निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगी।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डॉक्यूमेन्ट को अपलोड करें।
7. टेण्डर स्वीकृति होने के उपरान्त शेष 8 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद बीसलपुर के उपरोक्त खाते में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के द्वारा अथवा नियमानुसार एफ.डी.आर./एन.एस.सी. द्वारा जमा कर मूल प्रति जमा कर निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त तीन दिवस के अन्दर नगर पालिका परिषद बीसलपुर के कार्यालय में हार्डकॉपी के साथ जमा करनी होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
बीसलपुर (पीलीभीत)

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
बीसलपुर (पीलीभीत)

मिलावटखोरी : मिठाई, घी, चाय समेत 31 खाद्य पदार्थों के सैंपल हुए फेल

बरेली, अमृत विचार : रक्षा बंधन का त्योहार आगामी नौ अगस्त को मनाया जाएगा। इस बीच खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग (एफएसडीए) से मिले जुलाई के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। एफएसडीए की टीमों ने जुलाई में जिले भर की कुल 257 खाद्य पदार्थ बेचने वाली दुकानों का निरीक्षण किया था। इस दौरान कुल 115 सैंपल जांच के लिए लैब भेजे, हाल ही में इन सैंपल में से कुल 61 सैंपल की रिपोर्ट विभाग को प्राप्त हुई है। इसमें 31 सैंपल अधोमानक पाए गए हैं। वहीं 7 सैंपल असुरक्षित मिले हैं।

● एफएसडीए की टीम ने जुलाई में 257 खाद्य पदार्थ बेचने वाली दुकानों का किया था निरीक्षण

विभागीय अधिकारियों के अनुसार जो 7 सैंपल असुरक्षित मिले हैं। इनमें चाय, घी, मिठाई समेत दैनिक उपभोग वाले खाद्य पदार्थ शामिल हैं। जिन भी खाद्य दुकानों के सैंपल जांच में अधोमानक और असुरक्षित पाए गए हैं इनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। हैरत की बात ये है कि रक्षा बंधन पर मिठाई की खरीद सर्वाधिक होती है। ऐसे में मिठाई का सैंपल अधोमानक मिलने पर लोगों की सेहत पर मिलावटी मिठाई का सेवन करने से गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। वहीं मिलावटी खाना जानलेवा हो सकता है। जिला अस्पताल के फिजीशियन डा. राहुल बाजपेयी बताते हैं कि मिलावटी वस्तुएं स्वास्थ्य के लिए न सिर्फ हानिकारक होती हैं, बल्कि जानलेवा भी हैं। मिलावटी सामान का उपयोग करने से किडनी, हृदय और आंतों के अलावा पाचन तंत्र पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे फूड पॉयजनिंग से लेकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी भी हो सकती है।

अमृत विचार

बुधवार, 6 अगस्त 2025

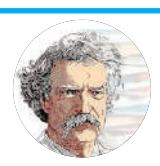

अगर आप सच बोलते हैं तो आपको कुछ भी याद रखने की जरूरत नही है। – मार्क ट्वेन

आपदा और आफत

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने की भयावह घटना स्थानीय लोगों के लिए बड़ी आपदा बनकर आई है। अथाह जल राशि के तेज वेग के साथ बहकर आए मलबे में पलक झपकते ही सारा इलाका तबाह हो गया। मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गए। बाजार, बस्ती, इंसान और मवेशी सभी बह गए। पहाड़ों पर पिछले कुछ समय से बादल फटने की बढ़ती घटनाएं लगातार विचलित कर रही हैं। ऐसे प्राकृतिक हादसे अधिकतर मानसून की बारिश में ही होते हैं। बादल फटने का मतलब होता है, सीमित अंतराल और दायरे में अचानक काफी भारी बारिश होना। इसके पीछे भौगोलिक और परिस्थितिजन्य कारणों के अलावा विशेषज्ञ जलवायु परिवर्तन, अनियोजित विकास, अवैध निर्माण, जंगलों की आग, पेड़ों की अंधाधुंध कटान और कचरा जलाने को जिम्मेदार ठहराते हैं। वजह कुछ भी हो, बादल फटने से जीवन और संपत्ति का जिस तरह बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है, उसे देखते हुए जरूरी हो गया है कि ऐसी घटनाओं की रोकथाम के उपाय खोजने के साथ लोगों को पहले से अलर्ट करने वाले इंतजाम खोजने ही पड़ेंगे। हालांकि बरसात का मौसम केवल पहाड़ों के लिए आफत भरा है, ऐसा भी नहीं है।

मुसीबत मैदानी इलाकों में भी कम नहीं है, जहां कुछ घंटे की बारिश में सारा विकास धुल जाता है, जगह-जगह पानी भर जाता है। कहीं सड़क तो कहीं पुल-पुलिया बह जाती है। सब कुछ डूब जाता है। नाले-नाली और रोड के बीच का फर्क खत्म हो जाता है। यह कहानी हर साल की तब है, जब शहरों में जल निकासी को लेकर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। सीवेज लाइन, नालियां बनाई जाती हैं। हर बार दावा किया जाता है कि अबकी बारिश में जलभराव नहीं होगा। फौरी तौर पर लगता भी है कि समस्या का समाधान हो गया है, लेकिन जरा सा ज्यादा पानी बरसने पर जल निकासी के प्रबंध पूरी तरह फेल हो जाते हैं या नाला-नाली की सफाई में हुई लापरवाही की भेंट चढ़ जाते हैं। एक और बड़ी बेपरवाही यह भी है कि हर कहीं नगर निगम, पालिका या जल, विद्युत और सड़क निर्माण विभाग अलग-अलग काम करते हैं। इसके चलते सड़कें बनते ही फिर खोद दी जाती हैं। सीवेज और ड्रेनेज सिस्टम को बर्बाद होने का यह भी बड़ा कारण है। दरअसल, शहरों में नई और ऊंची इमारतें तो धड़ल्ले से बन रही हैं, लेकिन ड्रेनेज मैनेजमेंट या सिस्टम को लेकर कोई खास काम नहीं हो रहा है, जबकि हर शहर की आबादी, रियायशी इलाकों और कम से कम आगे के 30 सालों की परिस्थिति आकलन करके योजना तैयार की जानी चाहिए। वर्ना बादल फटने जैसी घटना तो कुछ हद तक प्राकृतिक आपदा कही जा सकती है लेकिन शहरों को डुबाने का गुनाह तो हमारा ही है। बाढ़ से निपटने के लिए जल निकासी की मजबूत व्यवस्था बनाने के लिए अगर जिम्मेदार गंभीर नहीं होंगे तो बरसात का मौसम आफत बनकर जन-जीवन की मुश्किलें बढ़ाता ही रहेगा।

प्रसंगवश

वनाधिकार कानून के पालन में पिछड़ा राजस्थान

राजस्थान 19 साल बाद भी वनाधिकार कानून के पालन करने और आदिवासियों को उनकी जमीन का हक देने में पीछे है। अपने लचर प्रदर्शन के कारण वह टॉप 10 में भी नहीं है। प्रदेश के आदिवासी अभी भी अपने ही जंगलों में मेहमान की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं। देश में वनाधिकार कानून 2006 को लागू हुए 19 साल हो चुके हैं, लेकिन राजस्थान में आदिवासी अभी भी अपने ही जंगलों में मेहमान की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं। आंकड़ों के मुताबिक,

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान में इन 19 सालों में केवल 51,766 वन अधिकार पट्टे ही वितरित किए गए हैं, जिनमें से 49,215 व्यक्तिगत और मात्र 2,551 सामुदायिक अधिकार हैं।

ये आंकड़े दर्शाते हैं कि यहां के आदिवासी अब भी अपने कानूनी अधिकार पाने में बहुत पीछे हैं, जबकि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे राज्य आदिवासियों को कानूनी हक देने में काफी आगे बढ़ चुके हैं। देश में वनाधिकार के पट्टों के लिए दावों के निपटारे में सबसे अधिक 65 प्रतिशत दावों को मंजूरी देकर ओडिशा पहले पायदान पर है। वहीं केरल में 64.69 प्रतिशत और त्रिपुरा में 63.79 प्रतिशत मामलों में वन पट्टे प्रदान किए गए हैं। चौथे नंबर पर झारखंड है, जहां 55.95 प्रतिशत मामलों में वन पट्टे वितरित कर दिए गए हैं। अपने लचर प्रदर्शन के कारण राजस्थान टॉप 10 में भी नहीं है।

वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) का उद्देश्य आदिवासी समुदायों और वन्य-वन (ओटीएफडी) के साथ हुए अन्याय को दूर करना, उनकी भूमि पर स्वामित्व, आजीविका और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और वनों के संरक्षण की व्यवस्था को मजबूत करना है। साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को वन अधिकार अधिनियम के तहत दावों की अस्वीकृति की समीक्षा करने का निर्देश दिया था। 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में 13 प्रतिशत से अधिक आदिवासी आबादी है। यह आबादी राज्य के अधिकांश दक्षिण जिलों उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सिरोही और चित्तौड़गढ़ में निवास करती है। वन अधिकार अधिनियम एक अहम कानून है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सामुदायिक अधिकारों और व्यक्तिगत अधिकारों के संदर्भ में आदिवासी समुदायों और ओटीएफडी के अधिकारों की रक्षा की जाए। राजस्थान सरकार के आंकड़ों के अनुसार, उसे कुल 99,506 दावे प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 43,326 खारिज कर दिए गए हैं। वहीं अब तक 40,015 स्वीकृत किए गए हैं और 16,165 लंबित चल रहे हैं।

वहीं राजस्थान में 310,151 एकड़ वन भूमि पर आदिवासियों को अधिकार दिया गया है, जो सुनने में एक बड़ा आंकड़ा लगता है। पर यह उन आदिवासियों के लिए बहुत कम है, जो राजस्थान में पीढ़ियों से जंगल पर निर्भर हैं। महाराष्ट्र में 38.32 लाख एकड़ और मध्य प्रदेश में 23.67 लाख एकड़ वन भूमि पर आदिवासियों को अधिकार दिए गए हैं। इससे यह सवाल उठता है कि क्या आदिवासियों के जीवन, उनकी संस्कृति और परंपराओं की कोई अहमियत है? क्या यही है जनजाति सशक्तिकरण, जिसका वादा सरकारें करती हैं।

वहीं राजस्थान में आदिवासी छात्रों को दी जाने वाली प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्तियों की स्थिति भी चिंताजनक है। 2022-23 में जहां 2.36 लाख छात्रों को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति मिली थी, वहीं 2023-24 में यह घटकर 1.68 लाख रह गई। इस बारे में आदिवासी संगठन पूछते हैं कि यह गिरावट क्या प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम है या फिर बजट की कमी की वजह से हो रही है? केंद्र सरकार के अनुसार, देश भर में बैकलॉग के 1.15 लाख एसटी पद भरे जा चुके हैं, लेकिन राजस्थान में इसका कोई स्वतंत्र डाटा उपलब्ध नहीं है। राज्य सरकार की यह चुप्पी आदिवासियों के अधिकारों की ओर गंभीरता की कमी को दर्शाती है। केरल में ट्राइबल प्लस योजना के तहत आदिवासियों को अतिरिक्त रोजगार मिल रहा है। वहीं राजस्थान में ऐसी कोई योजना शुरू नहीं हुई है।

हिरोशिमा की राख से उठते कुछ सवाल

हिरोशिमा दिवस आज

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

6 अगस्त 1945, इतिहास में यह तारीख उस भयावह क्षण के रूप में अंकित है, जब विज्ञान की शक्ति ने मानवता की सीमा लांघ दी थी और विनाश का नया अध्याय शुरू हुआ था। यही वह दिन था, जब अमेरिका ने जापान के शांत और सांस्कृतिक शहर हिरोशिमा पर 'लिटिल ब्वाय' नामक परमाणु बम गिराया था। उस एक विस्फोट ने लगभग एक लाख चालीस हजार लोगों की जान ले ली थी और लाखों अन्य को पीड़ा, विकलांगता, कैंसर, मानसिक संताप और सामाजिक बहिष्करण के लंबे दौर में धकेल दिया था। हिरोशिमा केवल एक शहर नहीं था, जो जलकर राख हुआ, वह मानव विवेक, चेतना और सहअस्तित्व की अवधारणा पर लगा एक ऐसा स्थायी घाव था, जो आज भी रिस रहा है।

हर साल 6 अगस्त को मनाया जाने वाला 'हिरोशिमा दिवस' पूरी दुनिया को यह याद दिलाता है कि जब वैज्ञानिक उपलब्धियां नियंत्रण से बाहर होती हैं तो वे मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाती हैं। हिरोशिमा पर गिराया गया बम कोई आम हथियार नहीं था। वह लगभग 15 किलोटन यानी 15 हजार टन टीएनटी विस्फोटक के बराबर शक्ति रखता था और उसकी विभीषिका ने केवल शहर की इमारतों को नहीं बल्कि वहां की मिट्टी, जल, वायु और मानव शरीर तक को रेडियोधर्मी विकिरण से बुरी तरह प्रभावित किया। बम विस्फोट के तुरंत बाद लगभग 80 हजार लोग मारे गए और वर्ष के अंत तक यह संख्या 1.4 लाख के पार पहुंच गई। वहां की संतानों में जन्म दोष, कैंसर, मानसिक विकार और सामाजिक कलंक के ऐसे दाग लगे, जो पीढ़ियों तक नहीं मिट सके।

परमाणु बम से बच निकले लोगों को जापान में 'हिबाकुशा' कहा गया। इन लोगों ने केवल शारीरिक पीड़ा ही नहीं, सामाजिक तिरस्कार और मानसिक आघात भी सहा। जिन लोगों ने त्रासदी झेली, उन्हें अक्सर हीन दृष्टि से देखा गया। यही त्रासदी कुछ ही दिन बाद, 9 अगस्त को नागासाकी में भी दोहराई गई, जब अमेरिका ने 'फैट मैन' नामक बम गिराया और एक बार फिर करीब 70 हजार लोगों की जानें चली गईं। उन दो हमलों के बाद द्वितीय विश्वयुद्ध भले ही समाप्त हुआ, लेकिन मानवता की चेतना पर जो चोट पड़ी, उसकी भरपाई आज तक नहीं हो पाई है। उन बम हमलों ने वैश्विक राजनीति को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया। उसके बाद युद्ध केवल सैनिकों और हथियारों का खेल नहीं रह गया बल्कि एक ऐसी होड़ में तब्दील हो गया, जिसमें विनाश की क्षमता को ही शक्ति का मानक माना जाने लगा।

हिरोशिमा और नागासाकी की विभीषिका के बाद परमाणु हथियारों की दौड़ शुरू हुई। अमेरिका के बाद सोवियत संघ, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल जैसे देशों ने परमाणु बम बनाए और धीरे-धीरे यह शस्त्र राजनीतिक शक्ति और रणनीतिक नियंत्रण का प्रतीक बन गया। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) और व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) जैसे प्रयासों के बावजूद परमाणु खतरा कम नहीं हुआ। कुछ देशों ने इन संधियों को स्वीकार नहीं किया, कुछ ने औपचारिकता निभाई और कुछ ने गुपचुप परमाणु जखीरा बढ़ाया।

भारत ने 1974 में 'स्माइलिंग बुद्धा' के नाम से पहला परमाणु परीक्षण किया और 1998 में पोखरण-2 द्वारा स्वयं को परमाणु संपन्न राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। भारत ने 'नो फर्स्ट यूज' यानी पहले हमला नहीं करने की नीति अपनाई, जो एक जिम्मेदार परमाणु राष्ट्र की पहचान है, लेकिन पाकिस्तान, जिसने 1998 में अपने परमाणु परीक्षणों से ताकत दिखाई, बार-बार इस नीति को चुनौती देता रहा है। भारत-पाक के बीच जब-जब तनाव बढ़ा, चाहे वह कारगिल युद्ध हो, पठानकोट हमला हो, बालाकोट स्ट्राइक हो या पुलवामा अथवा पहलगाम जैसे आतंकी हमले, विश्व समुदाय ने परमाणु टकराव की आशंका के साथ चिंताओं का इजहार किया।

आज हिरोशिमा दिवस की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि विश्व फिर से उन्हीं खतरों की छाया में जी रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियां दी गई हैं, इस बात को स्पष्ट करती हैं कि परमाणु बम केवल संग्रहालय की वस्तु नहीं हैं। उत्तर कोरिया का मिसाइल परीक्षण, ईरान का परमाणु कार्यक्रम, चीन का परमाणु शस्त्रागार बढ़ाने का प्रयास हमें बार-बार इस सच्चाई से अवगत कराते हैं कि हिरोशिमा जैसे दृश्य दोहराए जाने की आशंका कभी भी पैदा हो सकती है।

आज जब विश्व जलवायु परिवर्तन, वैश्विक महामारी, जैविक हथियारों और साइबर युद्ध जैसी नई चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब परमाणु हथियारों का अस्तित्व एक ऐसा छिपा हुआ विस्फोटक है, जो केवल एक गलत निर्णय, एक तकनीकी विफलता या एक गलतफहमी से ही धरती को विनाश के गर्त में धकेल सकता है। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि हम अब परंपरागत युद्धों की नहीं बल्कि 'साइबर स्पेस', 'ड्रोन स्ट्राइक्स' और 'परमाणु धमकी' जैसे अस्थिर और अनिश्चित युद्धों के युग में प्रवेश कर चुके हैं।वर्ष 2021 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा परमाणु हथियारों को प्रतिबंधित करने के लिए 'ट्रीटी ऑन द प्रोहिबिशन ऑफ न्यूक्लियर वेपन्स' पारित की गई।

आज हिरोशिमा दिवस की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि विश्व फिर से उन्हीं खतरों की छाया में जी रहा है।

आमने

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम अत्यंक चिंताजनक है और इस पर संसद में चर्चा कराने की मांग करते हुए सरकार से सवाल पूछे जा रहे हैं लेकिन सरकार जवाब देने को तैयार नहीं है, इसलिए हथकंडे अपनाने पड़ रहे हैं। सरकार को संसद में जवाब देना चाहिए।

सामने

राज्यसभा में सदन के नेता जे. पी. नड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रभावी विपक्ष बनने के लिए उन्हें ट्यूशन लेनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अगले कुछ दशकों तक सत्ता से बाहर रहेगी। नड्डा ने विपक्ष पर 'अराजक' होने का भी आरोप लगाकर कहा- राज्यसभा में सभापति की अनुमति से बोल रहे सदस्यों को बाधित करना लोकतंत्र नहीं है।

स्त्री-स्वास्थ्य नीतिगत दोलन का शिकार

जय प्रकाश पांडेय
स्वतंत्र लेखक

हम एक ऐसी राष्ट्र-कल्पना में जी रहे हैं, जिसकी सांस्कृतिक चेतना स्त्री को मातृ रूप में प्रतिष्ठित करती है, किंतु विडंबना यह है कि राष्ट्र की यही मातृ रूपा प्रतीक-संरचना, स्वयं उसी स्त्री की अवहेलना में अपनी जड़ें खोजती है। परिणाम स्वरूप, जहां 'माता' शब्द ध्वनि की पवित्रतम आवृत्ति में गूंजता है, किंतु जब उसी 'मां' के हीमोग्लोबिन की चर्चा आती है, तो नीति-पत्रों की गलियों में 'अस्थायी सुझाव' का बोर्ड लटकता दिखता है। इस प्रकार यह प्रतीकात्मक राष्ट्रवत्ता अपने आदर्श से ही पहला विचलन प्राप्त करती है और यह चेतना, जो मां को पूज्य मानती है, उसी मां की वास्तविक सामाजिक उपस्थिति से मुंह मोड़ लेती है।

स्त्री-स्वास्थ्य का विमर्श भारत में आज भी एक ऐसी नीतिगत दोलन अवस्था में है, जहां जनसंख्या नियंत्रण और मातृत्व प्रोत्साहन दो परस्पर-विरोधी ध्रुव नहीं, बल्कि दो वैकल्पिक आंकड़े हैं, जिनके बीच स्त्री की देह एक अनुपस्थित इकाई की तरह झूलती रहती है। जिस शरीर को राज्य, जनसंख्या रेखाओं के ग्राफ़ में नियोजित करता है, उसी शरीर की थकान, पीड़ा और पुनर्निर्माण का कोई स्वतंत्र विमर्श नहीं है। विडंबना यह है कि इस अपूर्ण और लक्ष्य केंद्रित विमर्श को ही हम 'स्वास्थ्य नीति' के नाम से स्वीकृति देते हैं, मानो किसी भी संस्थान की उपस्थिति मात्र ही उसकी न्याय संगतता का प्रमाण हो।

हमें बताया जाता है कि नीतियां मौजूद हैं- जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मिशन इंद्र धनुष और हम सहर्ष मान भी लेते हैं, क्योंकि योजनाओं के नाम बड़े सुंदर और श्रद्धास्पद होते हैं। पर थोड़ी देर में समझ आता है कि इन सभी योजनाओं की परिधि वहीं तक है जहां तक स्त्री की देह मातृत्व के लिए उपयोगी मानी जाती है। नीति मानो यह संकेत देती है- 'हम तुम्हारी तब तक चिंता करेंगे, जब तक तुम्हारे भीतर कोई जनगणनात्मक संभावना पल रही हो, उसके बाद तुम्हारा शरीर हमारी दृष्टि से बाहर, तुम्हारा निजी मामला है'। किशोरावस्था, रजोनिवृत्ति, मानसिक स्वास्थ्य या वृद्धावस्था, ये सब स्त्री-जीवन के ऐसे चरण हैं, जो नीति की दृष्टि में शायद 'अवकाश प्राप्त विषय' माने जाते हैं। उनकी चर्चा करना न तो चुनावी भाषणों में उपयुक्त होता है, न बजट की घोषणाओं में शोभनीय। यही कारण है कि स्त्री के संपूर्ण जीवन-चक्र को समझने की कोई संस्थागत जिज्ञासा नहीं बन पाती।

स्त्री के जीवन चक्र को जब तक नीतिगत संरचनाओं में खंडित कर अर्थात किशोरावस्था, मातृत्व, रजोनिवृत्ति और वृद्धावस्था जैसी अवस्थाओं में पृथक-पृथक वर्गीकृत कर देखा जाएगा, तब तक कोई भी स्वास्थ्य कार्यक्रम समग्र नहीं हो सकेगा। यह दृष्टिकोण स्त्री को एक निरंतर जीवंत सत्ता के रूप में नहीं, बल्कि अवसरानुकूल हस्तक्षेप की इकाई के रूप में परिभाषित करता है। राज्य की योजनात्मक दृष्टि यदि देह के केवल उन पक्षों को संबोधित करती है जो प्रजनन-उपयुक्त हैं, तो यह एक वैचारिक अपूर्णता है। एक ऐसी अधूरी संरचना जो भीतर से रिक्त है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 का एक सूक्ष्म पर गहनतः त्रासद आंकड़ा संकेत करता है कि देश की लगभग 45 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएं मासिक धर्म के दौरान स्वच्छ सैनिटरी उत्पादों तक पहुंच से वंचित हैं। यह कोई आकस्मिक सामाजिक विचलन नहीं, बल्कि एक दीर्घ कालिक नीतिगत विमुखता का संस्थागत प्रमाण है, जो यह दर्शाता है कि स्त्री की जैविक आवश्यकता को अभी तक सार्वजनिक स्वास्थ्य विमर्श में 'सुविधा' से आगे नहीं देखा गया।

यह उपेक्षा केवल तत्काल असुविधा नहीं लाती, यह आने वाले वर्षों की रक्तहीन संभावनाओं को जन्म देती है। किशोरियों में एनीमिया की दर उत्तर प्रदेश में 67.5%, बिहार में 63.5% और झारखंड में 65% तक पहुंच चुकी है। यह दर केवल शरीर की नहीं, नीति की भी रक्ताल्पता को प्रकट करती है। यदि इन्हीं आंकड़ों को राष्ट्र की स्वास्थ्य-आधारशिला माना जाए तो कहा जा सकता है कि हम एक ऐसे राष्ट्र-निर्माण की ओर बढ़ रहे हैं, जिसकी अगली पीढ़ियां पहले से ही रक्तविहीन हैं- शारीरिक रूप से भी और नीति की कल्पना में भी।

राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़े बताते हैं कि बिहार में आज भी 42% से अधिक प्रसव घरों में सम्पन्न होते हैं और इनमें से अधिकांश मामलों में कोई प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित नहीं होता। यह परिघटना 'स्वावलंबन' की किसी प्रेरक कथा का संकेत नहीं देती, बल्कि यह सुव्यवस्था की अनुपस्थिति की एक सामाजिक रूप से स्वीकृत स्थायी अवस्था का द्योतक है। दूसरी ओर राजस्थान, जहां प्रतिवर्ष बालिका सशक्तिकरण के नाम पर करोड़ों की योजनाएं स्वीकृत की जाती हैं, वहां केवल 28.6% महिलाएं ही प्रसवोत्तर देखभाल तक पहुंच प्राप्त कर पाती हैं। क्या यह मान लिया गया है कि शेष स्त्रियां मातृत्व के क्षण भर बाद ही आत्मचिकित्सा में स्वयंसिद्ध हो जाती हैं? झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों की स्थिति इस विमर्श को और गहरा करती है। वहां स्वास्थ्य उपकेंद्रों तक पहुंचना आज भी 'पहाड़ चढ़ने' के तुल्य है। यह कोई भाषिक प्रतीक नहीं, अपितु भौगोलिक सत्य है। इन क्षेत्रों में कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका, अपनी मूल अवधारणा से विचलित हो, अब संसाधन-वितरण की अपेक्षा सांस्कृतिक संकोच के हस्तांतरण में अधिक सक्रिय दिखती हैं। वस्तुतः यह मात्र आंकड़े नहीं, सामाजिक चेतावनियां हैं। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024–25 में सकल घरेलू उत्पाद का केवल 2.1% सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय किया जाना, उस संरचनात्मक उपेक्षा का प्रत्यक्ष संकेत है, जो दशकों से स्वास्थ्य को कल्याण नहीं, अनुदान की तरह देखती रही है।

किशोरियों में एनीमिया की दर उत्तर प्रदेश में 67.5%, बिहार में 63.5% और झारखंड में 65% तक पहुंच चुकी है।

सामयिकी

ट्रंप के टैरिफ का भारतीय व्यापार और नीति पर प्रभाव

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारतीय आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के साथ ही रूस से ऊर्जा और सैन्य उपकरण खरीदने पर जुर्माना लगाना, पहली नजर में भारत के लिए एक झटका है। एक मुक्त व्यापार समझौता जो भारतीय उत्पादों को दुनिया के सबसे बड़े बाजार तक अधिक पहुंच की अनुमति देता है और साथ ही, अपनी अर्थव्यवस्था को अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के लिए खोलता है, दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है। 2024-25 (अप्रैल) में अमेरिका को भारत का निर्यात 86 बिलियन डॉलर था, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक था। अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं करना भारत के हित में नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर व्यापार पर भारत के टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों और ऊर्जा तथा सैन्य उपकरणों पर रूस के साथ व्यवहार का हवाला देते हुए, 25 प्रतिशत टैरिफ और जुर्माना लगाने के पीछे मुख्य कारणों के रूप में उद्धृत किया। अभी तक इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि जुर्माना कैसा होगा, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने अतीत में ब्रिक्स देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी है।

प्रो. रिपुदमन सिंह
अर्थशास्त्री

भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में खटास पैदा करने वाले कारकों का विश्लेषण जरूरी है। हाल के परिदृश्य के पीछे किसी एक कारक को चिन्हित करना मुश्किल है। भारत के टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं का मुद्दा, राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल से ही राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा उठाया जाता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप लम्बे समय से यह शिकायत कर रहे हैं कि भारत जैसे देश यूक्रेन के साथ रूस के युद्ध को आंशिक रूप से वित्तपोषित कर रहे हैं। हालांकि, भारत ने दोहराया है कि वह अपनी राष्ट्रीय और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और अगर इसका मतलब सस्ता रूसी तेल खरीदना है, तो वह यही करेगा।

वर्तमान में रूस से भारत का तेल आयात लगभग 35-40 प्रतिशत है, जो इसे एक महत्वपूर्ण साझेदार बनाता है। इसके अलावा, भारत अपने कृषि और डेयरी क्षेत्रों के मुख्य हिस्सों को अमेरिका सहित सभी व्यापारिक समझौतों से बाहर रखने पर अडिग है। इससे अमेरिका नाराज है, लेकिन यह एक लक्ष्य रेखा है, जिसे भारत पार नहीं करना चाहेगा। इन क्षेत्रों को खोलने से भारत के अपेक्षाकृत कम उत्पादकता वाले किसान वैश्विक प्रतिस्पर्धा के सामने आ जाएंगे, जिसका उनकी आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है। फिर यह तथ्य भी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार कहा है कि भारत द्वारा ऑपरेशन 'सिंदूर' शुरू करने के बाद, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम समझौते पर सहमति बनाने के लिए उन्होंने और उनकी व्यापार वार्ता ने ही काम किया था। भारत सरकार ने इस तथ्य का खंडन किया है, जिससे डोनाल्ड ट्रंप और भी नाराज हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के दावों ने भारतीय सत्ता पक्ष को भी नाराज कर दिया है, क्योंकि इससे विपक्ष को सरकार पर हमला करने का एक मौका मिल गया है।

टैरिफ के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। टैरिफ का भुगतान आयातक करते हैं। इसलिए, भारतीय आयातों पर टैरिफ का भुगतान अमेरिका में उन लोगों द्वारा किया जाएगा जो भारतीय सामान आयात कर रहे हैं। यानी भारतीय सामान उनके लिए और महंगे हो जाएंगे। यही भारत के लिए असली समस्या है। बैंक ऑफ बड़ौदा के शोध के अनुसार, वृहद स्तर पर, टैरिफ और उनका भारतीय निर्यात पर पड़ने वाला प्रभाव भारत के सकल घरेलू उत्पाद में केवल 0.2 प्रतिशत की कमी लाएगा। इसलिए, यदि भारत का विकास अनुमान 6.6 प्रतिशत था, तो ये टैरिफ, यदि लगाए जाते हैं, तो विकास दर 6.4 प्रतिशत हो सकती है। हालांकि, समस्या अलग-अलग क्षेत्रों में उत्पन्न होगी। वस्त्र, कीमती हीरे, ऑटो पार्ट्स, चमड़े के उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है और उन्हें अपनी रणनीतियों पर फिर से विचार करना होगा।

सोशल फोरम

मीना आपा

मीना आपा के भीतर कोई चंचल-शोख़ और मन की उड़ान भरती कोई बेफिक्र लड़की रही होगी...शायद कभी...क्या पता। उनके चुनिंदा मज़ाहिया किरदार देखें तो बरबस उनके शरारती रूप पर यकीन करने का जी हो जाता है। पूरी दुनिया की कई खूबसूरत, बेमिसाल, नायाब अभिनेत्रियों के जीवन पर बहुधा मैंने किसी अभिशाप का साया देखा है।

यूनुस खान
ब्लॉगर

सख्त हक़ीक़त ये है मीना के जीवन पर उदासी का ग्रहण इतना गहरा था कि वो लड़की कहीं बिला गयी। हिरा गयी। और देखिए तो...ऐसे किरदारों में वो ख़ूब खिलीं- जहां कुछ छूट रहा है, जहां हथेली में से रेत की तरह ख़त्म हो रहा है कुछ। वीरान और उजाड़ दुनिया के किरदार, जिनके हिस्से में उनके मन का आकाश नहीं आया। उस पर शाम के सूरज ने गुलाल नहीं बिखराया। उदास शामों, गुमसुम सुबहों और मनहूस रातों वाले किरदार।

'ये बिखरी जुल्फ़ें ये खिलता कजरा/ ये महकी चुनरी ये मन की मदिरा/ ये सब तुम्हारे लिए है प्रीतम/ मैं आज तुमको जाने ना दूंगी'।

....और सामने वाला हाथ झटककर चल देता है। एक स्त्री के वजूद, उसके अरमानों और उसकी तमन्नाओं को धता बताकर। ख़्वाब देखना कोई कुसूर नहीं। क्या रहे होंगे उनके ख़्वाब। और कैसे किरच-किरच बिखरे होंगे, क्या पता...

'पंछी से छुड़ाकर उसका घर/ तुम अपने घर पर ले आये
ये प्यार का पिंजरा मन भाया/ हम जी भर-भर कर मुस्काये
जब प्यार हुआ इस पिंजरे से/ तुम कहने लगे आज़ाद रहो'

38 बरस की उम्र क्या होती है। सिर्फ़ 38 बरस। इन अड़तीस बरसों में कितने दिन बोझिल और उदास बीते होंगे मीना आपा के। तभी तो उनके लिखे में दर्द छलक-छलक पड़ता है।

आबला-पा कोई इस दश्त में आया होगा
वर्ना आंधी में दिया किस ने जलाया होगा।।
या फिर:
यूं तेरी रहगुज़र से दीवाना-वार गुज़रे
कांधे पे अपने रख के अपना मज़ार गुज़रे।।

मीना ये कहते हुए चली गयीं--

'राह देखा करेगा सदियों तक
छोड़ जाएंगे ये जहां तन्हा'

आज 'नाज़' उनासी की होतीं पर अड़तीस की होकर चली गयीं।

-फेसबुक वाल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कानपुर के पास स्थित ब्रह्मावर्त की महिमा पुराणों में, यहीं वाल्मीकि आश्रम में रहीं माता सीता, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की भी गवाह है यह भूमि

यहीं से दुनिया शुरू हुई यहीं रामायण लिखी गई

कानपुर शहर से 20 किमी की दूरी पर स्थित है, धार्मिक-पौराणिक और ऐतिहासिक स्थल ब्रह्मावर्त, जिसकी महिमा पुराणों में वर्णित है। इसे बिठूर के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि यह क्षेत्र सृष्टि का केंद्र है, क्योंकि जल प्लावन के बाद सबसे पहले जल से प्रकट होने वाला भू-भाग यही था। पौराणिक साक्ष्यों के अनुसार ब्रह्मा ने यहीं सृष्टि रचना पूर्ण करने के उपरान्त ब्रह्मेश्वर शिवलिंग स्थापित कर अश्वमेद्य यज्ञ किया और अश्वनाल को कीलित कर स्थापित किया। बिठूर के ब्रह्मेश्वर घाट में इसकी आज भी ब्रह्मा की खूंटी के रूप में पूजा-अर्चना होती है। बिठूर में ही महर्षि वाल्मीकि का आश्रम है। जहां बैठकर उन्होंने रामायण की रचना की थी। इसी आश्रम में श्रीराम द्वारा परित्याग किए जाने के बाद माता सीता ने निवास किया और लव और कुश नामक दो पुत्रों को जन्म दिया था। आश्रम में तीन मंदिर हैं। इनमें से एक मंदिर महर्षि वाल्मीकि का है, जिसमें उनकी पद्मासन मुद्रा में बैठे और दाएं हाथ में लेखनी लिए प्रतिमा स्थापित है। उनके पास ही भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापित है।

वाल्मीकि आश्रम में है स्वर्ग की सीढ़ी

- बिठूर में वाल्मीकि आश्रम ऊंचाई पर बना है। इसलिए यहां तक पहुंचने के लिए सीढ़ियां बनाई गई हैं। इन सीढ़ियों को स्वर्ग की सीढ़ी कहा जाता है। आश्रम में माता सीता की रसोई के पास यह सीढ़ियां बनी हैं। यहां श्रीराम तथा उनकी सेना के साथ लव-कुश के युद्ध के प्रमाणों के साथ घटनास्थलों के नाम भी उस कालखंड की पुष्टि करते हैं, जैसे सीता परित्याग स्थल परियर, सेना के साथ रणभूमि में मिलन रणमेल या रमेल तथा महारण झील अथवा महान झील है। यह क्षेत्र आदि काल से ही मुनियों की तपस्थली तथा यज्ञ भूमि के रूप में विख्यात रहा है। ब्रह्मा जी और मित्रसह के अश्वमेघ यज्ञ तथा पृथु द्वारा मनु महाराज से अश्वमेध यज्ञ की दीक्षा प्राप्त करने के साथ ही दुष्यंत पुत्र राजा भरत द्वारा गंगा तट पर 55 अश्वमेघ यज्ञ करने का उल्लेख श्रीमद्भागवत् के नवम् स्कन्ध में मिलता है। इससे प्रमाणित होता है कि ब्रह्मावर्त यज्ञ दीक्षा एवं यज्ञ करने का अति महत्वपूर्ण स्थान था।

इन तथ्यों और अवशेषों से मिले प्रमाण

वाल्मीकि रामायण में उत्तरकाण्ड के पैंसठवें सर्ग के श्लोक 1 तथा 2 में उल्लिखित है कि श्रीराम के भाई शत्रुघ्न ने अयोध्या से लवणासुर को मारने के लिए सेना भेजने के बाद अकेले ही प्रस्थान किया और दो दिन यात्रा के उपरान्त तीसरे दिन वाल्मीकि आश्रम पहुंचे। अयोध्या से बिठूर तक उस समय में घोड़े या अश्वरथ से 2 दिन का समय लगना पूर्णत: विश्वसनीय है। यही समयावधि सीता परित्याग की घटना में वर्णित है।

- श्रीमद्भागवत् के चतुर्थ स्कन्ध के 19वें अध्याय में राजा पृथु द्वारा मनु महाराज से ब्रह्मावर्त में अश्वमेध यज्ञ दीक्षा लेने का उल्लेख है।
- महाकवि विद्यापति द्वारा 13 वीं सदी में रचित भू परिक्रमा में बिठूर में बलराम जी के तीर्थ यात्रा में आने का उल्लेख मिलता है।
- भारत में सर्वप्रथम ताम्र निधियों की प्राप्ति बिठूर में ही हुई। इनका कालखण्ड 4000 वर्ष ईसा पूर्व तक आंका गया है।
- यहां रामायण काल के अस्त्र - शस्त्र भी मिले हैं, जिनमें से कुछ रामजानकी मंदिर में संग्रहीत हैं।
- महाराज मनु की संतान राजा उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव की तपस्थली के स्मृति स्वरूप यहां ध्रुव टीला आज भी विद्यमान है, जिससे प्रागैतिहासिक काल तक के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

नाना साहब के नेतृत्व में लड़ा गया प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

- बिठूर का इतिहास आजादी की लड़ाई से भी प्रमुखता के साथ जुड़ा है। 1817 में पूना के पेशवा बाजीराव पेशवा द्वितीय को अंग्रेजों से हुए समझौते के कारण पेंशन लेकर बिठूर में निवास करना पड़ा। इसके बाद तमाम मराठी परिवार यहां बस गए। बाजीराव ने बिठूर में महल तथा कई इमारतें बनवाईं। 1851 में बाजीराव की मृत्यु के उपरान्त उनके दत्तक पुत्र धूढू पन्त नाना साहब के रूप में विख्यात हुए। लेकिन अंग्रेजों ने नानाराव को पेंशन देने से मना कर दिया। अंग्रेज सरकार के इस रवैये के खिलाफ नाना साहब ने भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराने की योजना बनाई। नाना साहब के नेतृत्व में बिठूर को केन्द्र बनाकर प्रथम स्वतंत्रता संग्राम लड़ा गया।

पूर्व वैदिक काल की मान्यता रखता है ध्रुव टीला

घने जंगल में अकेले बैठकर कैसे पांच साल के बालक ध्रुव ने भगवान विष्णु की तपस्या कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया, यह कहानी हम सभी ने सुनी है। बालक ध्रुव के समर्पण से सनातन सप्त ऋषियों ने अभिभूत होकर उन्हें विशाल अंतरिक्ष में ध्रुवपद (ध्रुव तारा) का सर्वोच्च पद प्रदान किया था। माना जाता है कि ध्रुव का जन्म बिठूर में हुआ था और जिस स्थान पर वह ध्यान के लिए बैठे थे, उसे ध्रुव टीला कहा जाता है। यह शांत स्थान गंगा नदी के किनारे स्थित है। यहां हुए पुरातात्विक उत्खनन में दुर्लभ तांबे के सिक्के, तांबे के भाले, कुल्हाड़ी, चाकू, मूर्तियां, तांबे के गोलाकार छल्ले और अन्य वस्तुएं मिली हैं। इतिहासकारों का मानना है कि ध्रुव टीला संभवत: पूर्व वैदिक काल का है। मान्यता है कि ध्रुवटीला राजा उत्तानपाद के राजकाल के दौरान का है। यहां ही ध्रुव का जन्म हुआ। 1822 में पुरातात्विक साक्ष्य के रूप में यहां से ताम्र आयुध बरामद हो चुके हैं। सभी ऐतिहासिक धरोहरें कोलकाता, लखनऊ और प्रयाग के संग्रहालय में संरक्षित हैं। ध्रुव टीला के बगल में एक प्राचीन दुर्गा मंदिर और भगवान हनुमान को समर्पित एक मंदिर है। छत्रपति शिवाजी महाराज के गुरु संत रामदास के सम्मान में एक आश्रम भी बनाया गया है।

लेखक
धर्म प्रकाश गुप्त
संयोजक सचिव
कानपुर पंचायत

प्रकृति की नैसर्गिक छटा से भरपूर नैनीताल का रंगमंच

लेखक
अभिनेता
ललित तिवारी।

नैनीताल का रंगमंच कुमाऊनी संस्कृति और सभ्यता का आईना, और भारतीय अतीत के साहित्य व सामाजिक जीवन का अदभुत रूप है। नैसर्गिक पर्वतीय क्षेत्र का आकर्षण 141 वर्ष पहले कला प्रेमी बंगाली कलाकारों को यहां खींचकर लाया था, जिन्होंने वर्ष 1884 में नाट्य मंचन का शुभारंभ किया। इसी के बाद वर्ष 1900 में इंडियन क्लब की स्थापना हुई और स्थानीय लोग भी नाट्य मंचन में हिस्सा लेने लगे। 1900 में ही इंडियन एमेच्योर क्लब और 1910 में फ्रेंड्स एमेच्योर ड्रामेटिक क्लब खुला। इस दौर में ज्यादातर धार्मिक नाटकों का मंचन हुआ करता था। आजादी के काफी बाद 1980 के दशक में युगमंच की स्थापना हुई। नैनीताल का प्रसिद्ध यह रंगमंच समूह उत्तराखंड के सांस्कृतिक इतिहास, भूगोल और नाट्य आंदोलन में योगदान दे रहा है।

नैनीताल का रंगमंच, सांस्कृतिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। इसने क्षेत्र की कलात्मक विरासत को समृद्ध किया है। कई स्थानीय कलाकारों को अलग पहचान दिलाई है। इनमें ललित तिवारी को जहां बॉलीवुड की राह मिली, वहीं निर्मल पांडे ने बैंडिट क्वीन में विक्रम मल्लाह का शानदार किरदार निभाया। ज्ञान प्रकाश भी रंगमंच से टीवी धारावाहिक और बॉलीवुड में सक्रिय हैं, जबकि इदरीस मलिक रंगमंच के जरिए युवाओं की प्रतिभा निखार रहे हैं। मशहूर रंगकर्मी मिथिलेश पांडे कहते हैं कि नैनीताल के रंगमंच ने अभिनय ही नहीं बल्कि निर्देशन के साथ फिल्म मेकिंग और कला की अनेक वर्गों में प्रतिभाओं को स्थापित किया है।

मेरी माटी, मेरा मान शिल्प को नई पहचान

सेहत के लिए संजीदा हो रहे समाज में मिट्टी के बर्तनों को हर घर की शान बनाने के अभियान में जुटी हैं, कानपुर की बिंदु सिंह। प्लास्टिक, एल्युमुनियम और नॉन स्टिक मुक्त रसोई बनाने के लिए सर्वोसार्थ माटी के बर्तनों को उन्होंने देश के हर कोने में पहुंचाने के साथ विदेशों में भी पसंदीदा बना दिया है। उनकी इस पहल ने मिट्टी के बर्तनों की मांग खत्म होने से परेशान कुम्हारों के जीवन में नया सवेरा ला दिया है। री-यूजेबल और डिस्पोजल दोनों तरह के बर्तनों के उन्होंने 360 से अधिक प्रोडक्ट तैयार किए हैं। कुम्हारों का पलायन रोकने के साथ बिंदु सिंह ने उन्हें शिक्षा देकर नयी टेक्नोलॉजी से जोड़ दिया है, इससे नए उत्पाद गढ़ने और उन्हें आधुनिकता के सांचे में ढालने का काम आसान हो गया है। वह मिट्टी के बर्तनों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए मेलों और प्रदर्शनी में स्टॉल लगाने के साथ ऑनलाइन बिक्री भी करती हैं। यही नहीं, जेल में निरुद्ध महिलाओं को मिट्टी के बर्तनों पर पेंटिंग करना सिखाकर जेल से बाहर आने पर रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए इको फ्रैंडली उत्सव और कौशल विकास के माध्यम से स्कूल, कॉलेजों व संस्थानों में वर्कशॉप आयोजित करती हैं। उनके निर्देशन में 200 से अधिक महिलाएं काम करती हैं, तो बड़ी संख्या में कुम्हारों के परिवार और गांव भी जुड़े हैं।

बिंदु सिंह।

सुंगध की सैर ले जाती मौर्य और गुप्त वंश तक

कन्नौज का पौराणिक नाम कन्याकुब्ज था। मिहिर भोज के समय में इसे महोदया नाम से भी जाना जाता था। कन्नौज कभी प्रमुख ऐतिहासिक नगर था, जिसे इतिहास में विशेष स्थान प्राप्त है। गंगा नदी के तट पर स्थित यह नगर पुरातात्विक दृष्टि से प्राचीन सांस्कृतिक विरासत है। यह नगर इतना संपन्न था कि इसे राजा हर्ष, नागभट्ट द्वितीय जैसे राजाओं ने राजधानी बनाया। राजा हर्ष के बाद यहां कई राजाओं ने राज किया। वर्ष 554 में यह मौखरी वंश की राजधानी बना। छठी सदी में सम्राट हर्ष ने राजधानी बनाया। 647 में इसकी संपन्नता को धक्का लगा। लेकिन 715 ई. में यशोवर्मन काल में फिर से कन्नौज में संपन्नता का सूरज चमका। 815 में गुर्जर-प्रतिहारों ने इसे संवारा। 1080 गहरवारों के शासन में इसकी समृद्धि बढ़ी। मगर 1194 ई. में यहां के वीर राजा जयचंद्र की पराजय के बाद इसकी समृद्धि का सूरज अस्त हो गया। जयचंद्र के समय कन्नौज में धर्म-संस्कृति कैसी थी, इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बंगाल के राजा को धर्म और सभयता के प्रचार-प्रसार के लिए कन्नौज से ब्राह्मणों को बुलाना पड़ा था।

राजा वेणु की सात पुत्रियां देवी के रूप में स्थापित

रामायण काल में कन्नौज के तेजस्वी व महापराक्रमी राजा वेणु हुए, जिनकी सात पुत्रियां थीं। इन सभी सातों पुत्रियों ने कठिन तप किया और वह देवी स्वरूप में परिवर्तित हो गईं। कन्नौज के अलग-अलग क्षेत्रों में इन सभी देवियों माता फूलमती, माता क्षेमकली, संदोहनी देवी, गोवर्धनी देवी, शीतला देवी, सिंह वाहिनी देवी और मौरारी देवी के मंदिर स्थापित हैं।

राजा जयचंद की मौत के बाद अस्त हो गया समृद्धि का सूरज

जयचंद की मौत के बाद कन्नौज गुलाम वंश के अधीन हो गया। तेहरवीं शताब्दी में मोहम्मद तुगलक ने कन्नौज को उजाड़ दिया। लुटेरों का बोलबाला हो गया। मंदिरों को नष्ट कर दिया गया। कांस्य युग के समय के कई पूर्व ऐतिहासिक हथियार और उपकरण यहां मिले हैं। पुराणों में कन्नौज का अश्वतीर्थ के रूप में वर्णन किया गया है। वर्तमान में कन्नौज अपने परफ्यूम उद्योग के लिए जाना जाता है। कन्नौज में टैराकोटा से बनी चीजें और प्राचीन सिक्कों का मिलना बहुत आम बात है। यहां मौर्य और गुप्त वंश के समय की चीजों को भी देखा जा सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,710.25	24,649.55
गिरावट	308.47	73.20
प्रतिशत में	0.38	0.30

सोना 1,00,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,14,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 6 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2720, राज श्री 1800, फॉर्चून कि. 2160, रविन्द्रा 2600, फॉर्चुन ली .13kg 1895, जय जवान 1915, सचिन 1950, सूरज 1915, अवसर 1835, उजाला 1900, गृहणी ली 13 kg 1775, क्लासिक (kg) 2035, मोर 2085, चक्र टिन 2035, ब्लू 2005, आशीर्वाद मस्टर्ड 2545, स्वास्तिक 2660

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 16000, जीरा 260000, लाल मिर्च 17000-19500, धनिया 9000-11000, अजवायान 15500-23000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 200-240, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10300, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4300, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 10000, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली, 7250-7700 मलका दाल 7600-7900, मलका छँटी 7800, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-10900, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 6950, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 6900, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9300, मोटा हीरा 11300, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10500

चीनी : डालमियां 4400, पीलीभीत 4300, बरखेड़ा 4250, बहेड़ी नयी 4250

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5500, मसूरी- 4500, बासमती- 9100, परमल- 3700

दाल दलहन : काला चना- 7000, साबुत चना दाल- 7500, मूंग साबुत- 9100, राजमा- 12200-14000, दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7000, मसूर दाल- 7300, उड़द साबुत- 8500, काबुली चना- 10400, अरहर दाल- 11600, लोबिया/करमानी- 9400

ब्याज दर पर बदलाव की संभावना कम

आरबीआई के गवर्नर मल्होत्रा आज करेंगे तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि हाल ही में तीन बार में रेपो दर में कुल एक प्रतिशत की कटौती के बाद इस बार नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना कम है।

मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में नीतिगत दर पर विचार-विमर्श का सिलसिला सोमवार से ही जारी है। एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसले की घोषणा बुधवार सुबह 10 बजे की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार रिजर्व बैंक ब्याज दर को लेकर यथास्थिति बनाए रख सकता है। अमेरिका की तरफ से भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आरबीआई अधिक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का इंतज़ार कर सकता है। हालांकि, उद्योग जगत के एक तबके को उम्मीद है कि बुधवार को रेपो दर में 0.25% अंक की कटौती की जा सकती है। इस साल फरवरी से लेकर जून तक हुई तीन एमपीसी बैठकों में कुल 1% अंक की कटौती की जा चुकी है।

ग्रांट थॉर्नटन भारत में साझेदार विवेक अय्यर ने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अब भी अस्थिर है और पिछली दर कटौतियों के असर को पूरी तरह देखने के लिए अभी और समय की दरकार है। उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क से जुड़ी अनिश्चितता के पहलू को आरबीआई पिछली दर कटौती के समय ही ध्यान में रख चुका है। ऐसे में हमें नहीं लगता है कि इसका नीतिगत निर्णय पर तत्काल प्रभाव पड़ना चाहिए।

आरईए इंडिया (हाउसिंग डॉट कॉम) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रवीण शर्मा ने कहा कि इस साल पहले ही 1% अंक की कटौती हो चुकी है लिहाजा दरों को स्थिर ही बनाए रखने की उम्मीद है। शर्मा ने कहा कि घर खरीदार अब अल्पकालिक ब्याज दरों से कहीं ज्यादा दीर्घकालिक आत्मविश्वास से प्रेरित हैं। रियल एस्टेट डेवलपर भी लचीले भुगतान विकल्पों और सूझबूझ भरे प्रोत्साहनों के जरिये घरों की मांग बनाए हुए हैं।

एमपीसी में आरबीआई के तीन सदस्यों के रूप में गवर्नर मल्होत्रा, डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता और कार्यकारी निदेशक राजीव रंजन शामिल हैं जबकि बाहरी सदस्यों में नागेश कुमार, सौरभ भट्टाचार्य और राम सिंह शामिल हैं। केंद्र सरकार ने आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति को 2% घटबढ़ के साथ 4% के दायरे में बनाए रखने की जिम्मेदारी दी हुई है। इस साल फरवरी से खुदरा मुद्रास्फीति लगातार चार प्रतिशत के नीचे बनी हुई है लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि दरों में बदलाव से पहले आरबीआई को और अनुकूल आंकड़ों का इंतजार रहेगा।

● 25 प्रतिशत शुल्क की घोषणा के बाद केंद्रीय बैंक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का कर सकता है इंतजार

रिजर्व बैंक के निर्णय से पहले बाजार में आई गिरावट

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट रही। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा से पहले बैंक और तेल एवं गैस शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। बीएसई का सेंसेक्स 308.47 अंक की गिरावट के साथ 80,710.25 अंक पर बंद हुआ। और एनएसई का निफ्टी भी 73.20 अंक की गिरावट के साथ 24,649.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में, अडाणी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), बीईएल, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, आईटीसी और सन फार्मास्युटिकल नुकसान में रहे। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में टाइटन, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, एलएंडटी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एनटीपीसी शामिल हैं। बीएसई का स्मॉलकैप 0.27 और मिडकैप 0.14% के नुकसान में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजार दोपहर के कारोबार में बढ़त में थे। अमेरिकी बाजारों में सोमवार को तेजी रही थी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.02 प्रतिशत टूटकर 68.06 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। शेयर बाजार के अनुसार, सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,566.51 करोड़ के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,386.29 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 11 महीने के उच्च स्तर पर

● नए निर्यात ऑर्डर और समग्र बिक्री में तेज वृद्धि से मिला समर्थन, पीएमआई सूचकांक 60.5 रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में 11 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जिसे नए निर्यात ऑर्डर और समग्र बिक्री में तेज वृद्धि से समर्थन मिला। मंगलवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.5 रहा जो जून में 60.4 पर था। विस्तार की दर अगस्त 2024 के बाद से सर्वाधिक है।

एचएसबीसी के भारत के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, सेवा गतिविधि सूचकांक के 60.5 पर होने से नए निर्यात ऑर्डर में वृद्धि के दम पर मजबूत वृद्धि की गति का संकेत मिलता है। सर्वेक्षण में कहा गया कि नए व्यवसायों में निरंतर वृद्धि उत्पादन वृद्धि का मुख्य कारण रही है। साथ ही भारतीय सेवा प्रदाताओं ने अपनी सेवाओं की अंतर्राष्ट्रीय मांग में भी मजबूत सुधार का स्वागत किया है। इसमें कहा गया, उन्हें एशिया, कनाडा, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका से नए काम मिलने की सूचना मिली है। कीमतों के मोर्चे पर, कच्चे माल व तैयार माल शुल्क जून की तुलना में तेजी से बढ़े। उत्पादन कीमतों में ठोस वृद्धि बढ़ी हुई लागत और मजबूत मांग को दर्शाती है। भंडारी ने कहा, कीमतों के मोर्चे पर कच्चे व तैयार माल दोनों की कीमतें जून की तुलना में थोड़ी तेजी से बढ़ीं, लेकिन आगे चलकर इसमें बदलाव हो सकता है... जैसा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक व थोक मूल्य सूचकांक के हालिया आंकड़ों से संकेत मिलता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी से चार प्रतिशत से नीचे बनी हुई है।

महिलाओं को लोन देने पर कवरेज बढ़ाएं बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पीएमएफबीवाई के अंतर्गत किसानों का खरीफ सीजन में अधिक नामांकन और ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में स्वयं सहायता समूहों (एसजीएच) की बहनों की तरक्की के लिए उन्हें लोन देने के संबंध में मंगलवार को बैंकों व राज्य सरकारों की वर्चुअल बैठक ली। उन्होंने बैंकों को निर्देश दिए कि वे महिलाओं को लोन देने के लिए फोकस कर कवरेज बढ़ाएं, साथ ही दूरदराज व दुर्गम क्षेत्रों पर भी ध्यान दें, ताकि बेहतर नतीजे मिल सकें। सिंह ने निर्णय लिया कि फसल बीमा में किसानों को सुरक्षा कवच देने के लिए 16-30 अगस्त तक देशभर में अभियान चलाया जाएगा।

शिवराज सिंह ने बताया कि देश में 90 लाख स्वयं सहायता समूह हैं, जिनमें 10 करोड़ से ज्यादा महिलाएं हैं। इनको अब तक 11 लाख करोड़ का लोन दिया जा चुका है। किसान क्रेडिट कार्ड से ऋण 10.25 लाख करोड़ को पार कर गया है। बैंकों द्वारा अब 75% ऋण किसानों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे किसान महंगे ब्याज दरों से बच रहे हैं। बैठक में कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, ग्रामीण विकास सचिव शैलेष सिंह, बैंकों और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

वर्चुअल बैठक लेते केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

● खरीफ सीजन में अधिक नामांकन और महिला स्वरोजगार को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने ली बैठक

शीर्ष निर्यातक राज्य रहा गुजरात, महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी

गुजरात ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 में देश के शीर्ष निर्यातक राज्य के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी है। कुल 9.83 लाख करोड़ रुपये के निर्यात के साथ देश के कुल निर्यात में गुजरात की 26.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने मंगलवार यह जानकारी दी।

पिछले वर्ष की तुलना में मामूली गिरावट के बावजूद, गुजरात का निर्यात अन्य सभी राज्यों से काफी आगे रहा। यह दूसरे स्थान पर रहने वाले राज्य महाराष्ट्र (5,57,271 करोड़ रुपये) से लगभग 4.3 लाख करोड़ रुपये अधिक है। फियो के अनुसार, महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का स्थान है। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा कि गुजरात ने 2024-25 में, देश के शीर्ष निर्यातक राज्य के रूप में अपनी अग्रणी स्थिति फिर से स्थापित की है। फियो के अनुसार, गुजरात से होने वाले निर्यात में कुछ जिलों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। इसमें जामनगर 3.63 लाख करोड़ रुपये के साथ अगुवा बना हुआ है। इसका मुख्य कारण पेट्रोलियम और रिफाइनरी निर्यात है। जामनगर राज्य के कुल निर्यात में एक-तिहाई से अधिक का योगदान देता है।

● निर्यातकों के निकाय फियो ने कहा- देश के कुल निर्यात में गुजरात की 26.6% हिस्सेदारी

फियो निर्यातकों की सहायता के लिए अमेजन के साथ करेगा समझौता

नई दिल्ली। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने कहा कि वह घरेलू निर्यातकों को सीमापार व्यापार के माध्यम से विदेशी बाजारों तक पहुंचने में सहायता करने के लिए वैश्विक ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। भारतीय निर्यात संगठनों का महासंघ (फियो) ने कहा कि ई-कॉमर्स को लेकर परामर्श कार्यक्रम भी होगा। इसमें प्रमुख मुद्दों, चुनौतियों और भारत से ई-कॉमर्स निर्यात के लिए अनुकूल परिवेश को बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

राष्ट्रीय

संसद के दोनों सदनों में गतिरोध बरकरार

मानसून सत्र : एसआईआर व अन्य मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों ने किया हंगामा

● हंगामे के बीच लोस में पारित हुआ गोवा राज्य, अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुन: समायोजन विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्षी दलों के सांसदों ने बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर मंगलवार को भी लोकसभा में हंगामा किया, जिससे सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न 2.15 बजे दिनभर के लिए स्थगित हो गई। हंगामे के बीच ही 'गोवा राज्य, सभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024 को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी।

सदन की कार्यवाही स्थगन के बाद दो बजे पुनः शुरू हुई तो पीठासीन सभापति संध्या राय ने आवश्यक कागज प्रस्तुत कराए। इस दौरान विपक्षी दलों के सदस्यों ने एसआईआर के मुद्दे पर नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'गोवा राज्य, सभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024' को चर्चा एवं पारित करने के लिए प्रस्तुत किया। इसमें गोवा विधानसभा में अनुसूचित जनजाति के लिए सीट आरक्षित करने का प्रावधान है। सदन ने कुछ मिनट के अंदर विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए शोर-शराबे के बीच ही विधेयक को मंजूरी दे दी। इस पर पिछले साल दिसंबर में संसद के शीतकालीन सत्र में चर्चा हुई थी। पीठासीन सभापति संध्या राय ने विपक्षी दलों से शांत रहने का आग्रह किया, लेकिन हंगामा नहीं थमने पर बैठक को बुधवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दिया।

लोकसभा में विशेष गहन पुनरीक्षण पर विपक्ष को जवाब देते केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने संबंधी प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण सहित कई मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को राज्यसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बज कर पंद्रह मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही मणिपुर में राष्ट्रपति शासन छह महीने और बढ़ाने के प्रावधान वाले सांविधिक संकल्प को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। लोकसभा इसे पहले ही मंजूरी दे चुकी है।

सदन की बैठक पूर्वाह्न11 बजे जब शुरू हुई तो बीते सप्ताह राज्यसभा में सदन के अंदर मार्शलों की जगह सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती तथा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। उपसभापति हरिवंश और सरकार दोनों ने ही सदन में मार्शलों की जगह सीआईएसएफ की तैनाती संबंधी विपक्ष का दावा सिरे से खाारिज कर दिया। हरिवंश ने सदन को सूचित किया कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बीते सप्ताह राज्यसभा में सीआईएसएफ की तैनाती को लेकर उन्हें पत्र लिखा था। उन्होंने अफसोस जताया कि खरगे का वह पत्र मीडिया के पास पहुंच गया। इसी दौरान विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। हरिवंश ने इन सदस्यों से शांत रहने और उनकी बात सुनने की अपील की। उन्होंने कहा आपको आसन का पक्ष सुनना चाहिए। हरिवंश ने कहा कि सदन में बार-बार व्यवधान उत्पन्न किए जा रहे हैं और यह सवाल उठाया कि नारेबाजी करना, आसन के समक्ष आना और अन्य सदस्यों को बाधित करना कैसे लोकतांत्रिक विरोध का हिस्सा हो सकता है। खरगे ने कहा कि उन्होंने पत्र की जानकारी सदस्यों के हित में प्रेस नोट के जरिए साझा की। उन्होंने उन्होंने सवाल किया, सीआईएसएफ को सदन में लाया जा रहा है। क्या हम आतंकवादी हैं? इस पर उपसभापति ने कहा, वे सीआईएसएफ के कर्मी नहीं थे, वे संसद सुरक्षा सेवा के कर्मी थे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने पूछा कि जब नेता प्रतिपक्ष भ्रामक तथ्य प्रस्तुत करते हैं या गलत जानकारी वाले पत्र लिखते हैं तो उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, "सदन में केवल मार्शल ही आ सकते हैं और उस दिन केवल मार्शल ही मौजूद थे। नेता प्रतिपक्ष भ्रामक जानकारी दे रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए राजग ने प्रधानमंत्री को किया सम्मानित

● मोदी बोले- विपक्ष को सैन्य प्रतिक्रिया पर बहस करने के फैसले पर हो रहा होगा पछतावा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों को मंगलवार को एक साल के बाद संबोधित करते हुए स्वाभाविक और जैविक गठबंधन के रूप में पहचान स्थापित करने पर जोर दिया। मोदी ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी दलों को सत्तारूढ़ गठबंधन के हिस्से के रूप में कई क्षेत्रों में ताकत से परे जाकर कार्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहिए। राजग की पिछली बैठक दो जुलाई, 2024 को हुई थी।

मंगलवार को हुई राजग की बैठक में मोदी को पहलगाम हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया को व्यवस्थित करने में उनके असाधारण नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया और एक प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर और महादेव के दौरान सशस्त्र बलों की भी उनके बेजोड़ साहस और अटूट प्रतिबद्धता के लिए प्रशंसा की गई।

मोदी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह उनके मंत्रालय में सबसे लंबे समय तक रहने वाले मंत्री बन गए हैं, उन्होंने 1998 में राजग के सह-संस्थापक भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को पीछे छोड़ दिया है। यह तो बस शुरुआत है। अभी लंबा रास्ता तय करना है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बाद में बताया कि प्रधानमंत्री ने राजग की लंबी और सफल यात्रा के संदर्भ में बात की और कहा कि प्र 2019 में दूसरी बार सरकार बनने के बाद से शाह 6 साल 65 दिन से गृह मंत्री हैं। उनके कार्यकाल में अनुच्छेद 370 को हटाना और सफल नक्सल विरोधी अभियान हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष को आतंकी हमले और सैन्य प्रतिक्रिया पर बहस कराने के फैसले पर पछतावा हो रहा होगा। मोदी ने याद दिलाया कि उन्होंने लोकसभा में अपने जवाब की शुरुआत इस बात से की थी कि वे 'भारत का रुख' प्रस्तुत करेंगे।

राजग की संसदीय दल की बैठक में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व अन्य। एजेंसी

बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु के काफिले पर हमला

कूचबिहार (प. बंगाल), एजेंसी

प. बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कूचबिहार जिले में प्रदर्शन के दौरान टीएमसी कार्यकर्ताओं ने हमला किया, जिससे जिले के खगराबाड़ी इलाके में तनाव फैल गया। जिस वाहन में अधिकारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री निशिथ प्रमाणिक बैठे थे, उसके बुलेटप्रूफ शीशे तोड़ दिए गए। एक पुलिस वाहन की खिड़की के शीशे टूट गए। हालांकि, टीएमसी ने इन आरोपों को नाटक करार दिया।

कूचबिहार में एसपी कार्यालय के बाहर भाजपा की रैली और प्रदर्शन का नेतृत्व करने तथा एसपी को ज्ञापन सौंपने के लिए शुभेंदु अधिकारी उत्तर बंगाल जिले की यात्रा पर थे। टीएमसी कार्यकर्ताओं ने भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों के उत्पीड़न और एनआरसी लागू करने के प्रयास का विरोध करने के लिए 19 स्थानों पर धरना दिया। इनमें से अधिकतर अधिकारी के रास्ते में थे।

● टीएमसी ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए बताया नाटक

धर्मार्थ संस्था पर वाद के लिए अदालत की पूर्व अनुमति जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि दीवानी प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) के सार्वजनिक धर्मार्थ संस्थाओं से संबंधित प्रावधान के तहत वाद दायर करने के लिए अदालत की पूर्व अनुमति आवश्यक है, क्योंकि यह कदम जनहित में और सार्वजनिक लाभार्थियों की ओर से शुरू किया जाता है। शीर्ष अदालत ने कानूनी मुद्दों पर दिशा-निर्देश जारी किए और उस अपील को खारिज कर दिया, जो 1860 के सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत एक सोसाइटी द्वारा दायर की गई थी। इस अपील में सीपीसी की धारा 92 के तहत उस वाद की पोषणीयता को चुनौती दी गई थी, जो सोसाइटी के खिलाफ दायर किया गया था। सीपीसी की धारा 92 सार्वजनिक धर्मार्थ या धार्मिक ट्रस्ट से संबंधित मुकदमों से संबंधित है और यह उन मामलों में कानूनी कार्रवाई की अनुमति देती है, जहां कथित भरोसा तोड़ने या ट्रस्ट के प्रशासन के लिए अदालत के निर्देश की आवश्यकता होती है।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा, सीपीसी की धारा 92 के तहत दायर किया गया वाद विशेष प्रकृति का प्रतिनिधि वाद होता है, क्योंकि यह सार्वजनिक लाभार्थियों की ओर से और जनहित में दायर किया जाता है। मुकदमे को आगे बढ़ाने से पहले अदालत से 'अनुमति' प्राप्त करना एक प्रक्रियात्मक और विधायी सुरक्षा उपाय के रूप में कार्य करता है।

● सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत दायर की अपील की खारिज

प्रदूषण बोर्ड पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति कर सकते हैं लागू

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में पर्यावरणीय क्षति के लिए प्रतिपूर्ति और प्रतिपूरक हर्जाना लगाने के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारों को बरकरार रखा और कहा कि रोकथाम एवं निवारक उपाय पर्यावरणीय प्रशासन के अधीन होने चाहिए। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि जल अधिनियम और वायु अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संवैधानिक और वैधानिक रूप से वास्तविक या संभावित पर्यावरणीय क्षति के लिए हर्जाना लगाने का अधिकार रखते हैं। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने सोमवार को दिए फैसले में लिखा, भारतीय पर्यावरण कानूनों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर विचार करने के बाद हमारा मानना है कि जल और वायु अधिनियमों के तहत शक्तियों का प्रयोग करने वाले पर्यावरण नियामक यानी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संभावित पर्यावरणीय क्षति को रोकने के लिए एक निश्चित राशि के रूप में क्षतिपूर्ति या प्रतिपूरक हर्जाना लगा सकते हैं और वसूल सकते हैं या पूर्व-निर्धारित उपाय के रूप में बैंक गारंटी प्रस्तुत करना आवश्यक कर सकते हैं।

मप्र के कुबरेश्वर धाम में भीड़ के दौरान झड़प, दो की मौत

सीहोर, एजेंसी

मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में स्थित कुबरेश्वर धाम में मंगलवार को भीड़ बढ़ने के बाद हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना दोपहर 12 बजे हुई जब कांवड़ यात्रा में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए थे।

कुबरेश्वर धाम प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़ा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बुधवार को कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया था, जिसके लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि क्षमता से अधिक लोगों के पहुंचने के बाद कुछ लोगों में कथित तौर पर झड़प हो गई जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सुनीता रावत ने दो लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि उनकी पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मौके पर पुलिस तैनात कर दी गई है।

● कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़ा हुआ है कुबरेश्वर धाम

● क्षमता से अधिक लोगों के आने से फैली अव्यवस्था

वर्ल्ड ब्रीफ

कुलगाम में आतंकियों से मुठभेड़ 5वें दिन भी जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान मंगलवार को पांचवें दिन भी जारी रहा तथा सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में शामिल आतंकवादियों पर अपना शिकंजा कस दिया है। अधिकारियों ने अखल इलाके में कड़ी घेराबंदी के बाद मंगलवार को कुछ ग्रामीणों को वहां से निकाला, जिन्हें चिकित्सा सहायता की जरूरत थी। एक अधिकारी ने बताया, मुठभेड़ पांचवें दिन भी जारी है और रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। सुरक्षा बल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर सहित सभी साधनों का उपयोग कर रहे हैं।

रोजगार आंकड़े जारी करने पर अफसर बर्खास्त

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जुलाई में रोजगार संबंधी आंकड़े जारी होने के बाद श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के निदेशक को बर्खास्त कर दिया। अमेरिका में नौकरियों संबंधी मासिक आंकड़ों पर शेयर बाजार के निवेशकों और अर्थशास्त्रियों की पहले से ही नजर रहती है लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस रिपोर्ट की निगरानी करने वाले अधिकारी को शुक्रवार को बर्खास्त किए जाने के बाद ये आंकड़े विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि उन्हें और रिपब्लिकन पार्टी के अन्य नेताओं को खराब दिखाने के लिए जून के रोजगार संबंधी आंकड़ों में हेरफेर किया गया था।

संदीप आर्य भूटान में भारत के नए राजदूत

नई दिल्ली। संदीप आर्य को भूटान में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर यह जानकारी दी। श्री आर्य भारतीय विदेश सेवा के 1994 बैच के अधिकारी हैं। वह अभी वियतनाम में भारत के राजदूत हैं। उन्हें वर्ष 2022 में वियतनाम का राजदूत नियुक्त किया गया था। श्री आर्य को श्री सुधाकर दलेला की जगह यह जिम्मेदारी दी गयी है। मंत्रालय के अनुसार श्री आर्य के शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है।

ब्राजील अमेरिकी टैरिफ को देगा चुनौती

ब्रासीलिया। ब्राज़ील विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में नए लगाए गए अमेरिकी आयात शुल्क को औपचारिक रूप से चुनौती देने की तैयारी कर रहा है, साथ ही बातचीत के रास्ते भी खुले रखे हुए है। ब्राजील के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा बुधवार से लागू होने वाले कॉफी, बीफ और पेट्रोकेमिकल्स सहित ब्राजील के कई वस्तुओं के निर्यातों पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आया है।

पश्चिमी देशों को क्यों रास आता है

दुनिया में तेल का खेल

तेल जिसे ब्लैक गोल्ड भी कहा जाता है, वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है। यह पूरी दुनिया के लिए एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा है, जिसमें तमाम देशों के राजनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हित शामिल हैं। रूसी तेल के आयात को लेकर भारत और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव का यही एक बड़ा कारण है। दुनिया की ऊर्जा पर निर्भरता, तेल आधारित महंगाई और बाजार नियंत्रण के साथ राजनीतिक दबाव का प्रमुख जरिया होने के कारण ही अमेरिका समेत पश्चिमी देश तेल के कारोबार पर अपना नियंत्रण चाहते हैं और इसके लिए आर्थिक प्रतिबंधों और निर्यात बाधित करने जैसी रणनीति का इस्तेमाल करते हैं।

तेल का महत्व

- **आर्थिक :** तेल सबसे बड़ी कमोडिटी है और इसका उपयोग परिवहन, विनिर्माण, और बिजली उत्पादन सहित कई उद्योगों में किया जाता है।
- **राजनीतिक :** तेल भंडार वाले देशों का वैश्विक राजनीति में महत्वपूर्ण प्रभाव होता है, तेल की कीमतें अक्सर देशों के बीच तनाव और सहयोग का कारण बनती हैं।
- **भू-राजनीतिक :** तेल की उपलब्धता और पहुंच अक्सर देशों के बीच संघर्ष और सहयोग का कारण बनती है, खासकर मध्य पूर्व और अन्य तेल समृद्ध क्षेत्रों में।

प्रमुख तेल उत्पादक

- वेनेजुएला, सऊदी अरब, कनाडा, ईरान और इराक जैसे देश सबसे बड़े तेल भंडार हैं और तेल की कीमतों को प्रभावित करने में भूमिका निभाते हैं।

पश्चिमी देशों का रुख

- अमेरिका समेत पश्चिमी देश अर्थव्यवस्था, राजनीतिक दबाव और महंगाई पर नियंत्रण के लिए दुनिया भर में तेल के कारोबार को नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं।
- अमेरिका जैसे देशों का विपरीत परिस्थितियों में अपने विशाल तेल भंडार खोलकर पूरी दुनिया में तेल कीमतों को नियंत्रित करने का पुराना हथकंडा है।
- प्रतिबंध और निर्यात नियंत्रण का भी इस्तेमाल किया जाता है। रूस-ईरान जैसे देशों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाकर उनका तेल निर्यात सीमित किया गया है।

रूस की ताकत बना तेल

- रूस की बजट आमदनी का 40% से अधिक हिस्सा तेल और गैस से आता है। युद्ध के समय यह आय हथियारों और सेना के खर्च में लगाई जा रही है।
- यूरोप द्वारा प्रतिबंध लगाने के बाद रूस ने भारत, चीन, तुर्किए जैसे देशों को रियायती दर पर तेल बेचना शुरू किया जिससे उसकी आय बरकरार रही।
- कई देशों की ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए पूरी तरह रूस से रिश्ता नहीं तोड़ सके जैसे जर्मनी और हंगरी यूक्रेन से युद्ध की शुरुआत में।

ओपेक

ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपेक) तेल उत्पादक देशों का संगठन है जिसमें 13 देश शामिल हैं। ये दुनिया के तेल उत्पादन का लगभग 40% हिस्सा नियंत्रित करता है और तेल की कीमतों को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

तेल ने बनाया अर्थशक्ति

सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब ने अपने सॉवरेन वेल्थ फंड में अरबों डॉलर का निवेश किया है। यूएई ने तेल के पैसे से दुबई और अबूधाबी को वैश्विक आर्थिक हब में बदल दिया। कुवैत-कतर जैसे छोटे देश प्रति व्यक्ति आय में उच्चस्तर पर है और कई सामाजिक कल्याण कार्यक्रम भी चला रहे हैं। नॉर्वे दुनिया का सबसे बड़ा पेंशन फंड बनाया है।

अमेरिका में विदेशी पर्यटकों को 15000 डॉलर का देना होगा बांड

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- **वीजा अवधि से ज्यादा समय तक रुकने वालों के लिए बना नियम**

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन एक प्रायोगिक कार्यक्रम लागू कर रहा है जिसके तहत पर्यटक या व्यावसायिक वीजा पर अमेरिका आने वाले विदेशी आगंतुकों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का बांड भरना पड़ेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपनी वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी देश में न रुकें।

अमेरिकी विदेश विभाग ने एक 'अस्थायी अंतिम नियम' जारी किया है जिसके तहत 12 महीने का वीजा बांड प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि व्यवसाय या पर्यटन के वास्ते अमेरिका आने के लिए बी-1/बी-2 वीजा का आवेदन करने वाले विदेशियों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का बांड भरना पड़ सकता है।

मंत्रालय ने कहा, व्यापार या मौज मस्ती के लिए अस्थाई आगंतुक के रूप में वीजा आवेदक और मंत्रालय द्वारा चिह्नित ऐसे विदेशी जिनका वीजा अवधि से अधिक दिन ठहरने का इतिहास रहा है, अथवा निवेश के जरिए नागरिकता की पेशकश करने वाले व्यक्ति और ऐसे विदेशी जिन्होंने बिना आवश्यकता के नागरिकता प्राप्त की हो, वे इस प्रायोगिक कार्यक्रम के अधीन हो सकते हैं। इस कार्यक्रम के दायरे में आने वाले देशों की घोषणा अभी नहीं की गई है।

आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर भारत-फिलीपींस सहमत

मोदी ने कहा- भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की, जब दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाते हुए अपने सशस्त्र बलों के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी और फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर के बीच यहां संपन्न द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की। इससे एक दिन पहले दोनों देशों की नौसेनाओं ने फिलीपींस तट पर संयुक्त अभ्यास किया था।

मोदी ने मार्कोस की मौजूदगी में कहा, भारत और फिलीपींस अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं। हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक, हम साझा मूल्यों के तहत एकजुट हैं। हमारी दोस्ती केवल अतीत की साझेदारी नहीं है, यह भविष्य के लिए एक वादा है। मोदी ने कहा, यह खुशी की बात है कि आज हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इस साझेदारी की संभावनाओं को नतीजों में बदलने के लिए एक व्यापक कार्य योजना भी तैयार की गई है। भारत और फिलीपींस दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इस अवसर पर मोदी और मार्कोस ने एक डाक टिकट जारी किया।

प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में भारत-फिलीपींस के बीच नौ समझौतों पर हुए हस्ताक्षर।

दोनों देशों ने किए नौ समझौतों पर हस्ताक्षर

भारत और फिलीपींस ने नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें रणनीतिक साझेदारी की घोषणा एवं कार्यान्वयन, दोनों देशों की सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच वार्ता के लिए संदर्भ की शर्तें तथा बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण इस्तेमाल पर सहयोग शामिल है। मोदी ने कहा कि फिलीपींस भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और 'महासागर' (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति) दृष्टिकोण में एक अहम साझेदार है। उन्होंने कहा, हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और नियम-आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं।

- मोदी ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े होने के लिए फिलीपींस सरकार का आभार जताया। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंध गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक हैं।

फिलीपींस में त्वरित परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएगा भारत

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास साझेदारी के तहत भारत फिलीपीन में त्वरित प्रभाव परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएगा और संप्रभु डेटा क्लाउड अवसंरचना के विकास में भी सहयोग करेगा। उन्होंने कहा, आज जब फिलीपींस के राष्ट्रपति भारत में हैं, तब भारतीय नौसेना के तीन जहाज पहली बार फिलीपींस में किसी नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और तीन अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। उन्होंने कहा, व्यापार संबंधों को और मजबूत करने के लिए, भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते की जल्द समीक्षा हमारी प्राथमिकता है। हमने द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में काम करने का भी फैसला लिया है। मोदी ने कहा कि भारतीय कंपनियां सूचना एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, ऑटोमोबाइल, बुनियादी ढांचे और खनिज क्षेत्रों में सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, विषाणु विज्ञान से लेकर एआई और 'एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग' (3-डी प्रिंटिंग) तक, संयुक्त अनुसंधान किए जा रहे हैं।

बांके बिहारी मंदिर का बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना अध्यादेश का उद्देश्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- **हाईकोर्ट के जज ने दीवानी विवाद में आपराधिक समन रखा था कायम**
- **सेवानिवृत्ति तक कायम रहेगी रोक पीठ में वरिष्ठ जज के साथ बैठेंगे**

उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्चतम न्यायालय से मंगलवार को कहा कि बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट के लिए अध्यादेश लाने का उसका उद्देश्य मथुरा के वृंदावन स्थित धार्मिक स्थल का बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करना है। न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार को झटका देते हुए सोमवार को कहा था कि वह श्रद्धालुओं के लाभ के लिए वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर गलियारा विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को 15 मई को दी गई मंजूरी को स्थगित रखेगा, क्योंकि इसमें मुख्य हितधारकों की बात नहीं सुनी गई।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राज्य सरकार द्वारा गुप्त तरीके से अदालत पहुंचने के दृष्टिकोण की निंदा की थी और प्राचीन मंदिर का प्रबंधन अपने हाथ में लेने के लिए उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 लाने की जल्दबाजी पर सवाल उठाया था। पीठ के समक्ष पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने कहा कि 2025 के अध्यादेश का मंदिर प्रशासन के स्वामित्व के लंबित मुकदमे से कोई लेना-देना नहीं है। मंदिर के बेहतर प्रशासन के लिए उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी और निर्देश पारित किए गए थे। कहा कि अध्यादेश मंदिर के बेहतर प्रशासन के लिए जारी किया गया था, जहां हर हफ्ते लगभग दो-तीन लाख श्रद्धालु आते हैं। इसके बाद पीठ ने नटराज से कहा कि उनकी दलीलें अच्छी हो सकती हैं, लेकिन यह तब दी जा सकती हैं जब अध्यादेश को चुनौती देने का मामला उच्च न्यायालय में भेज दिया जाए।

राज्य सरकार का प्रस्ताव पीठ को सौंपा

नटराज ने राज्य सरकार का प्रस्ताव पीठ को सौंपा जिसकी समीक्षा करने पर पाया गया कि यह 4 अगस्त को अदालत द्वारा दिए गए सुझाव के समान ही है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ से आग्रह किया कि उन्हें मंदिर के प्रशासन के मुद्दे पर आठ अगस्त तक प्रस्ताव और सुझाव देने की अनुमति दी जाए। याचिकाकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 की वैधता को चुनौती दी है। पीठ ने मामले की सुनवाई 8 अगस्त के लिए स्थगित कर दी तथा याचिकाकर्ताओं को इस मुद्दे पर अपने सुझाव देने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने 15 मई को श्री बांके बिहारी मंदिर गलियारे को विकसित करने की उग्र सरकार की योजना का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। कोर्ट ने सरकार की उस याचिका को स्वीकार कर लिया था जिसमें कहा गया था कि श्री बांके बिहारी मंदिर की निधि का इस्तेमाल केवल मंदिर के आसपास पांच एकड़ भूमि खरीदने और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बनाये गये निरुद्ध क्षेत्र (होल्डिंग एरिया) बनाने के लिए किया जाए।

दोषी एमपी-एमएलए पर ताउम्र पाबंदी पर होगी सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

- **वृहद पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर सीजेआई करेंगे फैसला**

आपराधिक मामलों में दोषी सांसदों और विधानसभा सदस्यों को स्थाई रूप से अयोग्य घोषित करने की मांग एक याचिका पर वृहद पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर फैसले के लिए सीजेआई बीआर गवई के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने मंगलवार को इस मामले का उल्लेख किया और शीघ्र सुनवाई का आग्रह किया। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर यह जनहित याचिका, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देती है, जो वर्तमान में दोषी विधायकों को सजा पूरी करने के बाद केवल छह साल तक चुनाव लड़ने से रोकती है।

पीठ ने मामले की तात्कालिकता को स्वीकार किया और निर्देश दिया कि मामले को आगे के निर्देशों के लिए सीजेआई के समक्ष रखा जाए। इस याचिका पर अंतिम सुनवाई 20 अक्टूबर को होने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार जता चुकी है विरोध

फरवरी 2025 में केंद्र सरकार ने इस याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की आजीवन अयोग्यता संसद के अधिकार क्षेत्र का मामला है, न्यायपालिका को इस पर निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। केंद्र ने जबाव में कहा कि कोर्ट न्यायिक समीक्षा के अधिकार के तहत किसी प्रावधान को असंवैधानिक घोषित कर सकता है, लेकिन याची द्वारा सुझाए गए छह वर्ष के स्थान पर आजीवन शब्द का प्रयोग करने के लिए कानून को फिर से नहीं लिख सकता।

ब्राजील : पूर्व राष्ट्रपति जेयर को नजरबंद करने का आदेश

ब्रासीलिया। ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को नजरबंद करने का आदेश दिया है। श्री बोल्सोनारों पर 2022 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को पलटने की कथित साजिश रचने के आरोप में मुकदमा चल रहा है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस ने सोमवार को यह आदेश जारी करते हुए कहा कि बोल्सोनारो अदालत की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों का पालन करने में पूरी तरह से विफल रहे हैं, जिसमें सोशल मीडिया और मोबाइल फोन का उपयोग भी शामिल है। न्यायाधीश ने कहा कि बोल्सोनारो ने अन्य यूजर्स के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट के लिए भाषण रिकॉर्ड किए थे। यह तीसरे पक्ष के सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए साक्षात्कारों या सार्वजनिक या निजी भाषणों के दुरुपयोग पर रोक लगाने वाले आदेश का उल्लंघन है।

पलटवार: भारतीय सेना ने अमेरिका के चेहरे से मुखौटा उतारा

यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के ट्रंप के आरोपों के बाद पाकिस्तान को हथियार देने वाली पुरानी खबर साझा की

नई दिल्ली, एजेंसी

- **1954 से 1971 तक अमेरिका ने पाकिस्तान को की थी दो अरब डॉलर के हथियारों की सप्लाई**

रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर अमेरिका की ओर से भारत की आलोचना और यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देने के आरोपों के बीच भारतीय सेना ने मंगलवार को अगस्त 1971 की एक समाचार क्लिप साझा की, जिसमें 1954 से पाकिस्तान को हथियार देने में अमेरिका की भूमिका को उजागर किया गया है। यह समाचार क्लिप सेना की पूर्वी कमान द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में साझा की गई।

पोस्ट में हैशटैग भारतीयसेना, पूर्वीकमान, विजयवर्ष, 'लिबरेशन ऑफ बांग्लादेश' और 'मीडिया हाइलाइट्स' के साथ ही इसमें नोफैक्ट्स (तथ्यजानें) हैशटैग के साथ 'इस दिन उस वर्ष' युद्ध की तैयारी - 05 अगस्त 1971 का भी उल्लेख किया गया है। यह समाचार 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध से कुछ महीने पहले प्रकाशित हुआ था। युद्ध के परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ था। इस खबर में तत्कालीन समय से पिछले लगभग दो दशकों में पाकिस्तान को हथियार मुहैया कराने में अमेरिका की भूमिका के बारे में बताया गया था। इसका शीर्षक था, 'यूएस आर्म्स वर्थ डॉलर2 बिलियन शिप्ड टू पाकिस्तान सिंस 54' यानी '1954 से अब तक दो अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी हथियार पाकिस्तान भेजे गए हैं।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर और अधिक शुल्क लगाने की धमकी देने के कुछ ही घंटे बाद विदेश मंत्रालय ने मॉस्को के साथ नयी दिल्ली के ऊर्जा संबंधों की आलोचना को खारिज करते हुए एक बयान जारी किया था। आलोचना को दृढ़ता से खारिज करते हुए भारत ने इस मुद्दे पर उसे निशाना बनाने में दोहरे मापदंड की ओर इशारा किया और कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ दोनों ही रूस के साथ अपने व्यापारिक संबंध जारी रखे हुए हैं।

तत्कालीन रक्षामंत्री ने खोली थी पोल

खबर में तत्कालीन रक्षा उत्पादन मंत्री वीसी शुक्ला का हवाला दिया गया है, जिन्होंने उस अवधि के दौरान आपूर्ति किए गए हथियारों के अनुमानित मूल्य के बारे में राज्यसभा को बताया था। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट नई दिल्ली द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदने पर वाशिंगटन की बढ़ती आलोचना के बीच आया है। भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए नई दिल्ली को अनुचित और अविवेकपूर्ण' तरीके से निशाना बनाने को लेकर सोमवार को अमेरिका और यूरोपीय संघ पर जोरदार पलटवार किया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 अगस्त, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 13.12 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

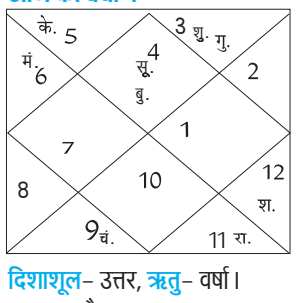

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल और ताराबल
ताराबलअश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती, चन्द्रबलमिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुम्भ, मीन

मेष आज आपके कामकाज की सराहना होगी। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको कामयाबी मिलेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आर्थिक दृष्टि से भी दिन उत्तम है। निवेश के लिए नए अवसर मिल सकते हैं।

वृष आपके लिए आज का दिन थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। आप संयम से काम लें। घर में किसी मुद्दे पर वाद-विवाद संभव है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सतर्क रहना होगा। पैसों की लेन-देन में सावधानी बरतने की जरूरत है। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही से बचें।

मिथुन आज के दिन आप नई योजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं। शिक्षा और प्रतियोगिता या नौकरी से संबंधित अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। घर में खुशी का माहौल रहेगा और परवार के लोगों से सहयोग मिलेगा। रुके हुए पुराने पूरे हो सकते हैं।

कर्क आज का दिन मानसिक रूप से कुछ उतार-चढ़ाव वाला है। किसी पुराने दोस्त से गलतफहमी हो सकती है। व्यावसायिक क्षेत्र में नए अनुबंध मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और खान-पान का समय दुरुस्त रखें। दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य बना रहेगा।

सिंह आजका दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा और लोग आपके सुझावों को अहमितयत देंगे। साझेदारी में किया गया काम सफल रहेगा। आपको समाज में मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या आज आप रचनात्मक और योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, लेकिन स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। पेट संबंधी समस्याएं आज उभर सकती हैं।

तुला आपका आज का दिन भाग्यशाली है। किसी खास आदमी से मुलाकात फायदा पहुंचाएगी। संतान से जुड़ी कोई खुशखबरी आपको मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और धन का आगमन होगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल बढ़ेगा।

वृश्चिक आपको अपनी योजनाओं को लेकर गोपनीयता बरतने की जरूरत है। करियर में कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले सोच-विचार जरूर कर लें। आज घर का माहौल तनावपूर्ण हो सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। मानसिक शांति के लिए ध्यान का सहारा लें।

धनु आजका दिन आपके लिए विशेष है। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति के संकेत मिलेंगे। आपकी निर्णय क्षमता मजबूत रहेगी और लोग आपसे प्रभावित होंगे। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मकर आपको धैर्य और समझदारी से आज आगे बढ़ना होगा। आपके कार्यों में कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन मेहनत से आप उन्हें पार कर लेंगे। आर्थिक मामलों में संयम रखने की जरूरत है। आज अनावश्यक खर्चों से बचें।

कुंभ आपके विचारों में आज सकारात्मकता रहेगी। योजनाओं पर गंभीरता से काम करें तो सफलता जरूर मिलेगी। आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन निवेश सोच-समझकर ही करें। घर में बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है।

मीन आपका आज का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। निजी और पेशेवर जीवन में संतुलन बनाना आपके लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मन को शांति मिलेगी।

सुडोकू-61

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			6			5		
3	8				2		7	
			4		7			1
8				5		1		
1								9
		2		7				6
6			3		9			
	1		2				3	8
		4			8			

सुडोकू - 60 का हल

4	2	7	6	8	1	5	9	3
3	8	1	5	9	2	6	7	4
9	6	5	4	3	7	2	8	1
8	4	3	9	5	6	1	2	7
1	7	6	8	2	4	3	5	9
5	9	2	1	7	3	8	4	6
6	5	8	3	4	9	7	1	2
7	1	9	2	6	5	4	3	8
2	3	4	7	1	8	9	6	5

जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हों, तो दर्द और तकलीफों को भूल जाइए। क्या आपको लगता है कि सीमा पर जवान ठंड की शिकायत करते होंगे। ऋषभ पंत ने आपको क्या दिखाया? भारत के लिए क्रिकेट खेलना सम्मान की बात है। **- सुनील गावस्कर**

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 6 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

थके भारतीय खिलाड़ी समूहों में स्वदेश रवाना

लंदन : ओवल में सीरीज बराबर करने वाली ऐतिहासिक जीत के बाद बड़े जश्न की उम्मीद थी लेकिन भारतीय टीम के सदस्यों ने मंगलवार सुबह स्वदेश के लिए रवाना होने से पहले शांति से समय बिताने का फैसला किया। मोहम्मद सिराज सहित भारतीय टीम के कई सदस्य लंबी और थकाऊ सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट में नाटकीय जीत के 24 घंटे से भी कम समय बाद एमिरेट्स की उड़ान से रवाना हुए। टीम के सदस्य मंगलवार शाम को दुबई पहुंचेंगे और फिर भारत में अपने-अपने गृहनगरों के लिए उड़ान भरेंगे। अंतिम टेस्ट में जीत के सूत्रधार सिराज दुबई पहुंचने के बाद हैदराबाद के लिए अगली उपलब्ध उड़ान लेंगे। अर्शदीप सिंह और शारदुल ठाकुर भी स्वदेश लौटने वालों में शामिल हैं। कुछ ने इंग्लैंड में ही रुकने का फैसला किया है।

एशिया कप टीम में चुने जा सकते हैं गिल

नई दिल्ली : शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन भारत की एशिया कप टीम में चयन की दौड़ में हैं जिसे अगस्त के तीसरे सप्ताह में चुने जाने की उम्मीद है। जायसवाल और टेस्ट कप्तान गिल व्यस्त कार्यक्रम के कारण पिछले कुछ टी20 मैचों में नहीं खेले हैं लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के बाद एक महीने के आराम के कारण वे इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने सभी विकल्प खुले रखे हैं।

मुक्केबाजी चैंपियनशिप ग्रेटर नोएडा में कल से

नई दिल्ली : भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने मंगलवार को कहा कि ग्रेटर नोएडा में सात से 13 अगस्त तक होने वाली सब-जूनियर (अंडर-15) राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 400 लड़के और 300 लड़कियों सहित 700 से अधिक मुक्केबाज भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन 15 भार वर्ग में किया जाएगा। हरियाणा लड़कियों के वर्ग में जबकि चंडीगढ़ लड़कों के वर्ग में गत विजेता है।

कनाडाई किशोरी मबोको सेमीफाइनल में

मॉन्ट्रियल : कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराने के दो दिन बाद टोरंटो की रहने वाली 18 वर्षीय खिलाड़ी मबोको को लय हासिल करने में देर लगी लेकिन उन्होंने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बना दिया और सीधे सेट में जीत दर्ज की। मबोको 2019 में बियांका के खिताब जीतने के बाद से इस डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं।

शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्वेरेव अंतिम चार में

टोरंटो : शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जर्मन खिलाड़ी और यहां 2017 के चैंपियन ज्वेरेव ने पिछली बार के विजेता पोपिरिन को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से पराजित किया। सेमीफाइनल में मुकाबला रूस के कारेन या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा।

सब-जूनियर तैराकी में कर्नाटक चैंपियन

बेंगलुरु : कर्नाटक 41वीं सब जूनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में मंगलवार को यहां 104 अंक के साथ चैंपियन बना। मणिपुर 81 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। राज्य के तैराक कोइजाम अथोइबा सिंह को 28 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ पुरुष तैराक चुना गया। गोव की पूर्वी रितेश नाईक 19 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ महिला तैराक रहीं। अथोइबा ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 58.59 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में पूर्वी ने एक मिनट 4.40 सेकेंड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

परिवर्तन के दौर की पहली परीक्षा में सफल रही भारतीय टीम

शुभमन गिल की अगुवाई वाली युवा टीम ने उम्मीद से बढ़कर किया प्रदर्शन, पूरी श्रृंखला रही रोमांचक

लंदन, एजेंसी

शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम जब लगभग दो महीने पहले इंग्लैंड पहुंची थी तो कुछ प्रमुख सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में उससे ज्यादा उम्मीद नहीं की जा रही थी लेकिन इस टीम ने पांचों टेस्ट मैच में न सिर्फ उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया, बल्कि भविष्य के लिए एक बेहतरीन खाका भी पेश किया। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के केवल तीन मैच के लिए उपलब्ध रहने के कारण भारतीय टीम से बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं लगाई जा रही थी, लेकिन वह परिवर्तन के इस दौर की पहली परीक्षा में सफल रही। दोनों कप्तानों गिल और उनके प्रतिद्वंदी बेन स्टोक्स के शब्दों में 45 दिनों की कड़ी टक्कर के बाद 2-2 की बराबरी शायद एक उचित परिणाम है।

भारत ने दो मैच गंवाए, लीड्स में पहला मैच और लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट। इन मैच में भी भारत जीत सकता था लेकिन यही वह सबक है जो युवा खिलाड़ियों को मिला है। भारतीय टीम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उसने किसी भी मैच में आखिर तक हार नहीं मानी और दो मैच में शानदार वापसी की। इससे टीम के जज्बे का पता चलता है। इस श्रृंखला में यह भी साबित हो गया कि भारतीय टीम का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। गिल ने श्रृंखला में चार शतक की मदद से सर्वाधिक 754 रन बनाकर आगे बढ़कर नेतृत्व किया। इससे अन्य खिलाड़ियों को भी अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली। अपने करियर की शुरुआत सलामी बल्लेबाज के रूप में करने वाले गिल ने बल्लेबाजी क्रम में महत्वपूर्ण चौथे नंबर पर खुद को स्थापित करके भारत की कई चिंताओं को भी दूर कर दिया। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज श्रृंखला के नायक बनकर उभरे। वह दोनों टीमों की ओर से सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज थे। उन्होंने ओवल में श्रृंखला का अंतिम विकेट लिया और 23 विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने।

कार्यभार प्रबंधन के कारण दो टेस्ट मैचों में जसप्रीत बुमराह के नहीं खेलने का सिराज ने पूरा फायदा उठाया। विपक्षी कप्तान बेन स्टोक्स की तरह उन्होंने दबाव बनाए रखने के लिए कुछ अतिरिक्त ओवर फेंकने की ज़रूरत पड़ने पर अपना योगदान दिया। बुमराह की फिटनेस पर सवाल बने रहेंगे और लंबे प्रारूप में उनका भविष्य भी अनिश्चित है।

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां व अंतिम मैच जीतने के बाद जश्न मनाते भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी। एजेंसी

बड़े मौकों पर छूटे कैच

- **लंदन :** यह सीरीज सबसे ज्यादा छूटे हुए कैचों के मामले में भी शीर्ष पर रही। कुल 41 कैच छूट गए, जो गेंद-दर-गेंद के आंकड़े उपलब्ध होने के बाद से (2018 के बाद से) किसी भी सीरीज में सबसे ज्यादा हैं। दोनों टीमों ने कैच छोड़ने की साख भी बना ली है। सबसे ज्यादा छूटे हुए कैचों के मामले में शीर्ष चार सीरीज में से तीन भारत और इंग्लैंड के बीच हैं, जिनमें से अन्य दो तब हुई थीं जब भारत ने 2021/22 (37) और 2018 (32) में इंग्लैंड का दौरा किया था। इस दौरे पर, भारत ने 23 मौके गंवाए, जो एक सीरीज में उनके लिए सबसे ज़्यादा हैं - 2018/19 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने की तुलना में सात ज्यादा।

खराब रिव्यू

- इस सीरीज में दोनों टीमों द्वारा अंपायर के फ़ैसलों को 63 बार चुनौती दी गई, जिनमें से 44 रिव्यू असफल रहे। इस तरह, 69.8% रिव्यू बर्बाद हो गए, जिससे पता चलता है कि अंपायरों ने ज्यादातर सही फैसले दिए। भारत ने 24 असफल रिव्यू लिए (जिसमें एलबीडब्ल्यू अपील पर अंपायर कॉल के फैसले शामिल हैं), जो एक सीरीज में उनके लिए तीसरे सबसे ज्यादा हैं। हालांकि, ड्रॉप कैच की तरह, 2018 के दौरे से शुरू होकर इंग्लैंड में हर सीरीज में भारत के असफल रिव्यू की संख्या भी बढ़ी है, जबकि इंग्लैंड के रिव्यू में सुधार हुआ है। गेंदबाजी करते समय एलबीडब्ल्यू फैसलों की समीक्षा करने की बात आती है, तो इन पांचों टेस्ट मैचों में दोनों टीमें मैदान पर लिए गए फैसले को केवल दो बार ही पलट सकीं।

करीबी श्रृंखलाएं : जब गेंद और बल्ले के संघर्ष व रणनीति की हुई परीक्षा

- **नई दिल्ली :** भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली गई पांच मैच की श्रृंखला 2-2 से बराबर रही, जिससे कड़े मुकाबले वाली श्रृंखलाओं की लंबी सूची में एक और चमकदार पन्ना जुड़ गया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ जबकि कोई टेस्ट श्रृंखला रोमांच के चरम पर समाप्त हुई। पीटीआई भाषा ने पिछले डेढ़ दशक में हुए कुछ यादगार मुकाबलों का संकलन किया है, जिनमें टेस्ट क्रिकेट के उतार-चढ़ाव देखे गए।

- **ओवल भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2020-21 :** संभवत: यह खेल के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ श्रृंखलाओं में से एक थी, जिसमें भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने और कुछ कड़ी चुनौतियों से पार पाकर ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 से जीत दर्ज की। एडिलेड में 36 रन के अपने न्यूनतम स्कोर पर आउट होने से लेकर गाबा में तीन विकेट की जीत तक, कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में भारत ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को उसकी धरती पर ही धूल चटा दी।
- **भारत बनाम श्रीलंका, 2015 :** इस श्रृंखला से ही नए कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में अगले दशक के लिए टेस्ट क्रिकेट में भारत के दमदार प्रदर्शन की शुरुआत की। गॉल में श्रीलंका ने भारत को 63 रन से हरा दिया। लेकिन भारत ने कोलंबो में अगले दो मैचों (पी सारा ओवल और एसएससी) में कोहली के कभी हार न मानने वाले रवैये को अपनाया तथा 278 और 117 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर दी।
- **भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका 2010-11 :** यह आखिरी टेस्ट श्रृंखला थी जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की मशहूर तिकड़ी ने अपना प्रभाव छोड़ा था। सेंचुरियन में पारी और 25 रन से मिली करारी हार के बाद भारत ने डरबन टेस्ट में जोरदार वापसी करते हुए 85 रन से जीत हासिल की, जहां लक्ष्मण ने डेल स्टेन और मोर्ने मोर्केल की आक्रामक जोड़ी के सामने 96 रन की पारी खेली थी। केपटाउन में अंतिम टेस्ट में भारत को मैच बचाने के लिए पूरे पांचवें दिन बल्लेबाजी करनी थी और वह गौतम गंभीर (184 गेंदों पर 68 रन), द्रविड़ (112 गेंदों पर 31 रन), तेंदुलकर (91 गेंदों पर नाबाद 14 रन) और लक्ष्मण (67 गेंदों पर नाबाद 32 रन) की बदौलत ऐसा करने में सफल रहा।
- **भारत बनाम इंग्लैंड, 2011-12 :** अहमदाबाद में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराने के बाद भारत चार मैचों की श्रृंखला में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा था लेकिन केविन पीटरसन के शतक से प्रेरित होकर एलिस्टेयर कुक के नेतृत्व में इंग्लैंड ने मुंबई में भारत को 10 विकेट से हराया और फिर ईडन गार्डन्स में सात विकेट से जीत हासिल की। नागपुर में इंग्लैंड ने चौथा टेस्ट आसानी से ड्रॉ कराकर श्रृंखला 2-1 से जीत ली। जो रूट ने उस टेस्ट में पदार्पण किया था।
- **ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2016-17 :** यह दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ों के बीच की जंग थी। दक्षिण अफ्रीका के पास कगिसो रबाडा और वर्नोन फ़िलैंडर थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पास मिशेल स्टार्क और जोश हेज़लवुड जैसे गेंदबाज़ थे। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने इस मुकाबले में बाजी मारी क्योंकि उन्होंने पर्थ और होबार्ट में अपनी टीम को जीत दिलाई जबकि ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में दिन-रात्रि टेस्ट मैच जीता था। यह 2008 के बाद ऑस्ट्रेलिया की घरेलू श्रृंखला में पहली हार थी।
- **न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान 2017-18 :** जैसे ही न्यूज़ीलैंड ने अबू धाबी में कदम रखा, पाकिस्तान की अपने मजबूत स्पिन आक्रमण के कारण 3-0 से जीत की भविष्यवाणी की जाने लगी। लेकिन कीवी टीम ने पहला टेस्ट चार रन के मामूली अंतर से जीत लिया, जबकि पाकिस्तान ने दुबई में पारी और 16 रन से जीत हासिल की। लेकिन अबू धाबी में, कीवी टीम ने ऑफ स्पिनर विलियम सोमरविले के सात विकेटों की बदौलत 123 रन से जीत हासिल की और श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली।
- **भारत बनाम इंग्लैंड 2021-22 :** यह श्रृंखला कोविड-19 महामारी के कारण खाली स्टेडियमों में खेली गई थी। नॉटिंघम में ड्रॉ के बाद लॉर्ड्स में भारत ने 151 रन से जीत हासिल की लेकिन इंग्लैंड ने लीड्स में पारी और 76 रन से जीत हासिल करके हिसाब बराबर कर दिया था। भारत ने ओवल में चौथा टेस्ट 157 रन से जीता था, लेकिन सितंबर 2021 में मेहमान टीम के सदस्यों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने के कारण दौरे को स्थगित कर दिया गया था। उस समय भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था, लेकिन इंग्लैंड ने जुलाई 2022 में बर्मिंघम में खेले गए पांचवें टेस्ट में 378 रन से जीत हासिल करके श्रृंखला को बराबर कर दिया था।

सितारों के मर्जी से मैच चुनने पर लगाम संभव

नई दिल्ली, एजेंसी

गौतम गंभीर हमेशा से भारतीय क्रिकेट में मेगा स्टार संस्कृति के खिलाफ रहे हैं, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर मोहम्मद सिराज के लगातार अच्छे प्रदर्शन से भारत के मुख्य कोच को अब अपने हिसाब से टीम कल्चर बनाने का मौका मिल गया है। इंग्लैंड से श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ कराने के बाद गंभीर और चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर टीम में जरूर ऐसा माहौल बनाना चाहेंगे जिसमें सभी को बराबर माना जाए। समझा जाता है कि चयन समिति, गंभीर और भारतीय क्रिकेट के आला अधिकारी कार्यभार प्रबंधन के नाम पर खिलाड़ियों के मर्जी से मैच और श्रृंखला खेलने के चलन पर रोक लगाने को लेकर एकमत हैं।

बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा इस पर बात हुई है और केंद्रीय अनुबंध प्राप्त खिलाड़ियों को बता दिया गया है, खास तौर पर उनको जो सभी प्रारूपों में नियमित खेलते हैं कि भविष्य में अपनी मर्जी से मैच चुनने का कल्चर नहीं चलेगा। उन्होंने कहा इसके यह मायने नहीं हैं कि कार्यभार प्रबंधन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा। तेज गेंदबाजों का कार्यभार प्रबंधन जरूरी है लेकिन इसकी आड़ में खिलाड़ी अहम मैचों से बाहर नहीं रह सकते। इंग्लैंड के खिलाफ मोहम्मद सिराज ने पांच टेस्ट में 185.3 ओवर डाले जिसके अलावा नेट्स पर गेंदबाजी और फील्डिंग अलग। उन्होंने फिटनेस के नये मानदंड कायम किए। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप के प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि बड़े से बड़े सितारे भी खेल से बढ़कर नहीं हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने भी कई दिक्कतों के बावजूद चौथे टेस्ट तक काफी लंबे स्पैल डाले। इससे यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या कार्यभार प्रबंधन को अपनी सहूलियत के हिसाब से ढाल बनाया जाता है।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में जीत के बाद अपने स्टाफ सदस्यों के साथ जमकर जश्न मनाया। एजेंसी

- **कार्यभार प्रबंधन के अधिकार पर गौर कर सकता है बीसीसीआई**

उम्मीद है कि कार्यभार प्रबंधन शब्द गायब हो जाएगा : गावस्कर

- **लंदन :** भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने उम्मीद व्यक्त की कि मोहम्मद सिराज के इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद कार्यभार प्रबंधन जैसा शब्द भारतीय क्रिकेट के शब्दकोष से हमेशा के लिए गायब हो जाएगा। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सभी पांच टेस्ट खेले और कुल 185.3 ओवर फेंके, जिसमें उन्होंने 23 विकेट लिए। दूसरी तरफ मुख्य तेज गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह केवल तीन मैचों के लिए ही उपलब्ध रहे और अपने कार्यभार प्रबंधन के तहत ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच में भी नहीं खेल पाए। गावस्कर ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की आलोचना नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह किसी और चीज से ज्यादा चोट प्रबंधन का मामला था। उन्होंने कहा, आप 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

खिलाड़ी आते-जाते रहेंगे पर टीम कल्चर में सुधार जरूरी

लंदन : भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऐसी मजबूत टीम संस्कृति बनाने पर जोर दिया है जिसकी नींव कड़े परिश्रम और प्रदर्शन में सुधार पर टिकी हो और जो खिलाड़ियों को आकर्षित करे, खिलाड़ी भले ही आते जाते रहें। बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में उन्होंने कहा जिस तरह से यह श्रृंखला खेली गई है, 2-2 एक बेहतरीन नतीजा है। सभी को बधाई।

उन्होंने कहा हमें बेहतर होते रहना है। हम विभिन्न पहलुओं में अपने खेल में सुधार करेंगे क्योंकि ऐसा करके ही लंबे समय तक क्रिकेट में दबदबा बना सकेंगे। लोग आते जाते रहेंगे लेकिन ड्रेसिंग रूम का कल्चर ऐसा होना चाहिए कि लोग उसका हिस्सा बनना चाहें। हम यही बनाना चाहते हैं। न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से टेस्ट श्रृंखलाओं में मिली हार के बाद भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी और युवा शुभमन गिल ने इंग्लैंड में कमान संभाली थी। उन्होंने कहा शुभकानायें। पूरा मजा लो। कुछ दिन का ब्रेक ले सकते हो क्योंकि आप इसके हकदार हो।

पूरी सीरीज अपनी बारी का इंतजार करते रहे स्पिनर कुलदीप यादव। एजेंसी

जस्सी भाई की कमी खली, वह होते तो खास होता : सिराज

लंदन, एजेंसी

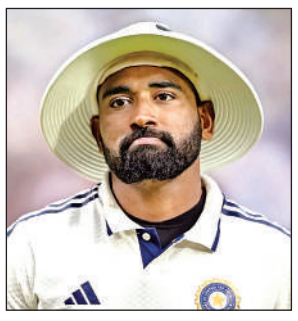

यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं और हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि यहां इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में अपने सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी।

सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में भावुक सिराज ने कहा हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज (जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है क्योंकि अगर वह वहां होते तो यह खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है। बुमराह ने अपने कार्यभार प्रबंधन के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रुक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नज़र आए।

बेन स्टोक्स टीम में होते तो इंग्लैंड जीत जाता : वॉन

लंदन : पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि प्रेरणादायी कप्तान बेन स्टोक्स की अनुपस्थिति में भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन इंग्लैंड की टीम ने हड़बड़ी दिखाई, जबकि उसे जीत के लिए केवल 35 रन चाहिए थे।

वॉन ने कहा बेन स्टोक्स टीम में होते, तो इंग्लैंड यह टेस्ट मैच जीत जाता। वह इस टीम में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। वह टीम को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखते हैं। वॉन ने बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल में कहा उन्हें बस एक साझेदारी की ज़रूरत थी। हैरी ब्रुक के आउट होने से पारी का पतन शुरू हुआ, लेकिन इंग्लैंड का यही खेलने का तरीका है। स्टोक्स कंधे की चोट के कारण पांचवें टेस्ट में नहीं खेल पाए, जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स को आराम दिया गया। फिलहाल ये ऑस्ट्रेलिया में होने वाली सीरीज के लिए अच्छी तैयारी है।

वनडे क्रिकेट | इंग्लैंड में युवा भारतीय ब्रिगेड के धमाकेदार प्रदर्शन से सीनियर खिलाड़ियों की चुनौती बढ़ गई

कोहली और रोहित की राह हुई मुश्किल

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत का बेहद कड़े मुकाबले वाली एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में इंग्लैंड को 2-2 से बराबरी पर रोकना टीम में शामिल नए क्रिकेटरों के आत्मविश्वास और देश तथा टीम के लिए अपना सब कुछ झोंकने की निडरता का जश्न था। मोहम्मद सिराज ने लगभग 200 ओवर गेंदबाजी की और अपने थके हुए शरीर को पांच टेस्ट मैच के दौरान अच्छी तरह संभाला।

वाशिंगटन सुंदर कभी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटे। यशस्वी ने जरूरत पड़ने पर योगदान दिया, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा प्रभावी नजर आए और साई सुदर्शन ने अपनी दीर्घकालिक उपयोगिता की झलक दिखाई। लेकिन इस शानदार प्रयास का एक और आयाम भी है। इससे सवाल उठता है कि टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली और रोहित शर्मा तथा चोटों से जूझने वाले जसप्रीत बुमराह जैसे सीनियर खिलाड़ियों का क्या होगा। कोहली 36 और रोहित 38 साल के हैं और ये दोनों संभवतः ऑस्ट्रेलिया में तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलेंगे। इसके बाद इन दोनों को जनवरी-जुलाई 2026 के बीच न्यूजीलैंड (स्वदेश) और इंग्लैंड (विदेश में) के खिलाफ छह एकदिवसीय मैचों में खेलने का मौका मिलेगा। लेकिन क्या ये मुकाबले 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप की उनकी तैयारी के लिए हैं? क्या यह दिग्गज जोड़ी सिर्फ एक प्रारूप और आईपीएल के दम पर इतने लंबे समय तक खेलना चाहेगी? एक सूत्र ने बताया हां, इस पर जल्द ही चर्चा होगी। अगले विश्व कप (नवंबर 2027) के लिए हमारे पास अभी भी दो साल से अधिक का समय है।

कोहली और रोहित दोनों तब तक 40 के करीब हो जाएंगे इसलिए इस बड़ी प्रतियोगिता के लिए एक स्पष्ट योजना होनी चाहिए क्योंकि हमने पिछला खिताब 2011 में जीता था। हमें समय रहते कुछ युवाओं को भी आजमाने की जरूरत है। कोहली और रोहित ने 2024 में विश्व कप जीत के साथ टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा लेकिन इन दोनों का टेस्ट संन्यास काफी शांत रहा।

विराट कोहली व रोहित शर्मा। एजेंसी

घरेलू मैच खेलना जरूरी है

- बीसीसीआई के मौजूदा नियमों के अनुसार कोई भी खिलाड़ी पूरी तरह से फिट होने पर घरेलू मैच नहीं छोड़ सकता है और घरेलू मुकाबले में नहीं खेलने पर उसे राष्ट्रीय टीम से बाहर किया जा सकता है। कोहली और रोहित के लिए मैच के समय की कमी है क्योंकि ये दोनों इस साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से किसी भी अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेले हैं और नवंबर में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 और उसके बाद दिसंबर में विजय हजारे ट्रॉफी से पहले सीमित ओवरों के क्रिकेट की कोई घरेलू प्रतियोगिता भी नहीं है। हालांकि कोहली और रोहित को उनके कद को देखते हुए घरेलू प्रतियोगिताओं में खेलने से छूट मिल सकती है।